सामवेद
यजुर्वेद

स्वामी दिव्यानन्द

दिव्यानन्द आध्यात्मिक संस्थान

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन
इस अनुवाद का कोई भी अंश किसी भी रूप
मे बिना प्रकाशक की अनुमति के उपयोग मे
नही लाया जा सकता है

प्रकाशक
दिव्यानन्द आध्यात्मिक संस्थान
संत कृपाल नगर
संडीला (उत्तर प्रदेश)

संस्करण: 2011

समर्पित

सर्वशक्तिमान प्रभु को
जो सब पूर्ण पुरुषों के द्वारा
कार्य करता है
जो आज तक आये
और
भविष्य मे आयेंगे
तथा
परम संत कृपाल सिंह जी महाराज को
जिनके चरण कमलों में
भाष्यकार
स्वामी दिव्यानन्द
ने पवित्र „नाम" के
मधुर सोमरस का पान किया

„वेदों मे प्रभु प्रियतम के अनन्त प्रेम की सरिता प्रवाहित है| जब तक मानव वेद श्रुति ज्ञान का रसपान करता रहेगा, विश्वशांति अक्षुण बनी रहेगी“

स्वामी दिव्यानन्द

महायज्ञ

सितम्बर 1984 में हैरिस्ट्रीट जर्मनी में सर्व धर्म सम्मेलन के बाद मानवधर्म विषयक विस्तृत अंवेषण कार्य वर्ल्ड रिलिजन सेंटर के तत्वाधान में प्रारम्भ किया गया जिसका उद्देश्य सब धर्मो में विद्यमान समानताओं का पता लगाना था| स्वामी दिव्यानन्द जी को वैदिक हिन्दु सिक्ख जैन धर्म का कार्य देखना था| वेदों के अनेक भाष्य देखे-पढे और एक चोट खा तिलमिला उठे| ईश्वरीय ज्ञान का इतना उपहास देखकर दंग रह गये| तुरंत वेद-ज्ञान का यथार्थ भाष्य करने का निश्चय किया|

वेद भाष्य करने की योजना महर्षि महेश योगी ने बनाई जिन्होने अरबों रुपये और हजारों विद्वानों से यह कार्य कराने का अनुमान लगाया| वेद संस्थान ने बनाई जिन्होने 100 विद्वानों द्वारा 100 वर्ष मे इसे करने का अनुमान लगाया और सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधी सभा इसे पिछले 45 वर्ष से अधिक समय से करा रही है| किंतु स्वामी जी ने वेद भाष्य 5 वर्ष मे अपने सीमित साधनों से करने का निश्चय किया|

स्वामी जी ने वेद भाष्य में मंत्र का हिन्दी अनुवाद प्रत्येक मंत्र का कवितामय अनुवाद किया इसके बाद अंग्रेजी और जर्मन भाषा में अनुवाद किया| वेद मंत्रों का भाष्य ही नही बल्कि स्वामी जी का अनुवाद आध्यात्म परक है| योग जीवन पद्धति की दीप्ति से प्रदीप्त है| लगभग 10 संस्कृत अंग्रेजी जर्मन भाषा के विशेषज्ञ तथा 10 अन्य निजी सहयोगी लेकर यह काम पूरा किया|

वेद का भाष्य केवल शाब्दिक अर्थ से करना सम्भव नहीं है| वेद ईश्वरीय ज्ञान है अतः पूर्ण है| उसमे भ्रांतिपूर्ण संशयपूरित बातों का स्थान नहीं है| वेद अर्थ को समझने के लिए ज्ञान-उपासना का सम्यक स्वाध्याय

अनुभवात्मक ज्ञान आवश्यक है| मंत्र में निहित सत्य को निःसंशय रूप से जानने के लिए उसके मूल भाव तक पहुंचने के लिए योग-ध्यान-समाधि की प्रक्रिया की दक्षता प्राप्त करना अनिवार्य है| सायण-भाष्य या अन्य इस प्रकार के भाष्य में योग-ध्यान-प्रक्रिया का पूर्णतया अभाव है केवल शाब्दिक अर्थ लेकर भाष्य किया गया है| वेद ज्ञान को कर्मकाण्ड एवं विज्ञानकाण्ढ के अयाम में ही नहीं समझा जा सकता है अपितु इसके लिए उपासना-प्रक्रिया परम आवश्यक है| इस न्यूनता की पूर्ति के लिए योग-साधन क्रिया का सम्यक एवं प्रबुद्ध-ज्ञान एवं क्रियात्मक अनुभव होना अति आवश्यक है|

1. वेद ईश्वरीय-ज्ञान पूर्वाग्रह-रहित सार्वदेशिक सार्वकालिक सत्यज्ञान है| अतः उसे इसी सन्दर्भ में समझा जाना चाहिए|

2. वेद विश्व की सबसे पुरानी पुस्तक है| इसमें इतिहास वा अन्य देशीय घटनायें वर्णित नहीं है| अतः इसमें इतिहास देश स्थान संस्कृति आदि का वर्णन नहीं है|

3. वेद की भाषा बोल-चाल की वैदिक भाषा है| सर्वसाधारण की बोल-चाल की भाषा है| इसका अलग कोई व्याकरण नहीं है| निरुक्त निघण्टु आदि इसे समझने के लिए बनाए गये है किंतु यह वेद का व्याकरण ग्रंथ नहीं है| वेद को समझने के लिए किसी भी व्याकरण ग्रंथ को साधन बनाया जा सकता है किंतु उसकी परिधि में नहीं बांधा जा सकता है|

4. वेद अपने आप में स्वतःप्रमाण है| दूसरे वेद प्रतिपादक सहायक ग्रंथों की प्रामाणिकता निर्विवाद नहीं है| वेद-ज्ञान सब धर्मों के ईश्वरीय ज्ञान का मूल है| जो सही ज्ञान धर्मों में है वह वेद के अनुसार है|

5. वेद ज्ञान को कल्प व्याकरण निरुक्त छन्द ज्योतिष एवं शिक्षा बांधते नहीं अपितु समझाते मात्र है| वेद ज्ञान स्वयं सतत प्रबाहित ज्ञान धारा है|

6. वेद श्रुति-ज्ञान है पूर्वकाल में ऋषियों ने ज्योति नाद से अंतर में पाया है| आज भी अंतर श्रुति द्वारा उसे ज्यों का त्यों अनुभव किया जा सकता है|

7. वेद ज्ञान का एक-एक सुक्त दैनिक जीवन में उपयोगी है| केवल मात्र कर्मकाण्ड नहीं है बल्कि जीवन दर्शन है योग जीवन पद्धति का सुत्रधार है| कर्मकाण्डी और मीमांसक वेद के रहस्य को नहीं पा सकते है इसे केवल अंतःश्रुति द्वारा ही समझा जाता है|

8. आंतरिक प्रेरणा से ही वेद ज्ञान की सही समझ आती है| केवल योग-साधक ही मंत्रदृष्टा होता है| मंत्रदृष्टा का अर्थ अंतःश्रुति द्वारा ज्ञान प्राप्त करना होता है|

9. ज्योति नाद वेदज्ञान के सही सन्देशवाहक है| इनके द्वारा ही ईश्वरीय ज्ञान जाना माना और अपनाया जा सकता है|

10. वेद का प्रत्येक सुक्त और मंत्र असाधारण प्रेरणा व सन्देश का धारावाही स्रोत है| एक भी शब्द व्यर्थ नहीं बल्कि जीवन-जागृति पैदा करने वाला है| वेद वैसे तो सब ज्ञान का भंडार है किंतु मुख्यतः यह आध्यात्मिकता का अद्वितीय मार्ग दर्शक अक्ष्यकोष है जिसकी तुलना विश्व के किसी ग्रंथ से नहीं की जा सकती है| वेद में सम्पूर्ण शाश्वत ज्ञान है जो सृष्टि के महाप्रलय तक उपयोगी उपादेय है| वेद का सही ज्ञान सम्पूर्ण जगत को एक मूल में जोड देगा|

यह भाष्य संशोधित दूसरा संस्करण है जो सहुलियत के लिए किया गया है|

दयारानी
सचिव्

सामवेद

1. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| यामक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रेरक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

2. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा प्राप्त कराता है| प्रेरक संत सब प्रभु धारा प्रत्यक्ष प्राप्त कराता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

3. प्रभु की अग्नि रूप धारा से प्रभु का सन्देश देता है| प्रेरक संत सब कुछ प्राप्त कराता है| संत प्रभु मिलन करा साधना सफल बनाता है|

4. ज्योतिष्मान संत वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधना सिद्ध कराता है| सिद्ध संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

5. स्तुत्य संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| अंतर विराजमान संत वासना नाशक धारा रथ समान देता है|

6. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धार बहाता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| संत प्रभु धारा से द्वेष मिटाता है|

7. संत प्रभु धारा दे नाद धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत जल प्रवाहित प्रभु नाद धारा बहाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है|

8. संत देहधर आ साधक (वत्स) को नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| श्रेष्ठ संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को कमनीय रूप बनाता है|

9. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला पवित्र करता है| सुदृढ संत साधक का मंथन करता है| सब प्रभु धारा अंतर दे साधक को नरसिंह रूप बनाता है|

10. ज्योतिष्मान संत जीवन संग्राम मे प्रभु धार बहा रक्षा करता है| संत ही प्रभु धारा देता है|

11. तृप्त संत वासना नाशक प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| संत साधक को नियंत्रण करता है| गतिशील संत वासना मिटाता है|

11. संत सब प्रभु ज्ञान धारा दे प्रभु सन्देश देता है| साधक को प्रभु अन्न धारा सेवन कराता है| दीप्त संत जल प्रवाहित प्रभु नाद धारा सुनाता है|

12. देहधारी संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को अंतर ला तृप्त करता है| सदा देहधर आ संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

14. ज्योतिष्मान संत प्रभुधारा से सबको ऊपर लाता है वह रातदिन प्रभुभक्ति कराता है| इससे भोजन प्राप्त कराता है|

15. देहधारी संत साधक को सतत प्रवाहित धारा देता है| वंदनीय संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधना मे दीप्त रूप बनाता है|

16. प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| रक्षा करने को ऊपर लाता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित धारा प्राप्त कराता है|

17. देहधारी संत साधक को सतत प्रवाहित धारा देता है| वंदनीय संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधना मे दीप्त रूप बनाता है|

18. तृप्त संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

19. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को प्रभु धारा दे साधना सफल कराता है| प्रभु धारा से साधक को अंतर ला ठहराता है|

20. अविनाशी संत सतत प्रवाहित धारा दे प्रभु बैभव देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| श्रेष्ठ संत साधक को अंतर ले जाकर साधना कराता है|

21. संत वासना नाशक प्रभु धार बहा साधना करा समृद्ध करता है| देहधारी संत साधक को अंतर ठहराता है|

22. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| सब प्रभु धार बहा साधक की वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत अंतर प्रभु वैभव देता है|

23. ज्योतिष्मान संत सतत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| यह संत प्रभु धारा बहा साधक को अंतर लाता है| अनादि संत साधक को अंतर ठहराता है|

24. ज्योतिष्मान संत पाप मिटाता है| संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

25. ज्योतिष्मान संत ही प्रभु धार बहाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

26. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

27. ज्योतिष्मान संत अंतर नाद धार सुनाता है| साधक को प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को तृप्त करता है|

28. यह (संत) मुझे प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| सदा देहधर आ संत प्रभु नाद संगीत धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है|

29. रक्षक संत साधक को जल प्रवाहित नाद धारा देता है| ज्योतिष्मान संत साधक (अंग) को प्रभु धारा सेवन कराता है| पवित्र कर्ता संत नाद धार देता है|

30. शक्तिशाली संत प्रभु नाद धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा अन्न समान प्राप्त कराता है| साधक को प्रभु वैभव देता है|

31. महान संत चेतन प्रभु धारा से साधक को सोम पिलाता है| प्रेरक संत प्रभु धारा दे प्रभु सन्देश देता है| अंतर विराजमान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| तृप्त संत प्रभु धार बहा प्रभु भक्ति कराता है|

32. सर्वज्ञ संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे ऊपर ला (उपासना) भक्ति कराता है| सत्य धर्म का पालन कराता है| प्रभु धारा से वासना मिटाता है|

33. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| सर्वव्यापक संत पोषक प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

34. सदा देहधर आ संत ब्रह्मज्ञान देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| प्रभु धारा अंतर दे साधक को नियंत्रण करता है|

35. ज्योतिष्मान संत साधक और पापी सब को प्रभु जल प्रवाहित नाद धारा दे दक्षता देता है| सदा देहधर आ संत तृप्ति दायक प्रभु धारा दे अमृत पान कराता है| ब्रह्मज्ञान धारा से नियंत्रण कर दीप्त रूप बनाता है|

36. एक संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| संत ही साधक की प्रभु धारा दे रक्षा करता है| रक्षक संत प्रभु नाद धार बहा साधक को औजस्वी बनाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु बैभव देता है|

37. प्रभु ज्ञान धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अंतरश्रुत संत साधक

(सखा) को दीप्त रूप बनाता है| साधक को प्रभु नाद धार प्राप्त कराता है|

38. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त कर प्रभु मिलन कराता है| सुधन संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

39. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| संत प्रभु धारा से रक्षा करता है| सदा देहधर आ संत साधक को अंतर लाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

40. ज्योतिष्मान संत सतत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| अविनाशी संत अद्भुत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को समर्पणशील बनाता है| सदा देहधर आने वाला संत प्रभु धारा दे साधक को ऊपर ठहराता है|

45. अंतर विराजमान संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| सुधन संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा रथ समान देता है| संत साधक को स्वयं आ मिलता है|

42. संत प्रभु धारा दे सदा साधक को निष्पाप बनाता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे सर्वज्ञ बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत अंतर प्रभु धारा दे साधना कराता है| प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है|

43. ज्योतिष्मान संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को सुन्दर रूप बनाता है| देहधारी संत साधना मे प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

44. दयालु सुधन संत प्रेरक प्रभु धारा देता है| आनन्ददाता संत साधक को प्रभु धारा देता है| सुधन संत साधक को सदा प्रभु धारा देता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

45. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे तृप्त करता है औजस्वी बनाता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है| प्रभु सन्देश दे प्रभु रूप बनाता है|

46. अविनाशी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| साधना कराता है| गतिशील संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

47. तृप्त संत प्रभु धारा दे सोम पान करा अंतर ठहराता है| अनादि संत साधक को मोक्ष देता है| दीप्त रूप संत साधक को अंतर ठहराता है|

48. ज्योतिष्मान संत नाद धार साधक को प्रत्यक्ष प्रकट करता है|

अंतरश्रुत संत अंतर ला साधक को साधना कराता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञान धारा से प्रभु (पति) मिलन कराता है| रक्षक संत सुन्दर प्रभु धारा देता है|

49. रक्षक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को नाद धार बहाता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सुधन संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| मार्ग दर्शक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

50. अंतरश्रुत संत ना धारा बहा प्रभु मिलन कराता है| ज्योतिष्मान संत साधना पुर्ण कराता है| ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| स्वामी (संत) प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

51. देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| देहधारी संत वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है| साधक को अंतर ठहरा साधना कराता है|

52. अंतर विराजमान संत साधक को अंतर लाता है| महान संत अंतर प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| यह संत साधक (तनय) को जल प्रवाहित नाद धारा दे समृद्ध करता है| देहधर आ संत प्रभु धारा दे साधना सिद्ध कराता है|

53. कल्याणकारी संत साधक को अन्न धारा सेवन करा पाप मिटा दीप्त रूप बनाता है| संत शक्तिशाली प्रभु धारा अंतर देता है| ज्योतिष्मान संत ही प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सेवनीय संत प्रभु धारा दे साधक की वासना मिटाता है|

54. ज्योतिष्मान संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सदा रहने वाला संत अपना रूप अंतर दिखलाता है| अंतर्श्रुत संत साधक को प्रभु धार दे दीप्त रूप बनाता है| साधक को आत्मा का भोजन देता है|

55. सोम सरोवर संत प्रभु धारा देता है| साधना कराता है| प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है|

56. ब्रह्मज्ञानी संत सतत प्रवाहित धारा दे मार्ग दर्शन करता है| देहधारी संत सतत प्रवाहित धारा से दीप्त रूप बना साधना सफल करता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

57. वह संत साधक को अंतर ला रक्षा करता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अंतर प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा से साधक को नरसिंह रूप बनाता है|

58. सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| सुधन संत प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| अनेक प्रभु धार बहा साधक का पोषण करता है|

59. देहधारी संत अनेक प्रभु धार बहाता है| इससे प्रभु भक्ति कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| चेतन प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

60. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है| स्वामी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोभाग्य देता है| सुधन संत नाद धार बहा अंतर ठहराता है| स्वामी संत प्रभु धारा से वासना मिटाता है|

61. संत प्रभु धारा दे साधक को सिद्ध बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| वासना मिटा अंतर लाता है| साधक को अंतर ठहराता है|

62. सखा संत साधक को प्रभु धार प्राप्त कराता है| संत साधक की रक्षा करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को सोभाग्यशाली बनाता है| सतत प्रवाहित धारा से दिव्य रूप बनाता है|

63. तृप्त संत प्रभु धारा सेवन करा वासना मिटा साधना कराता है| देहधर आ संत प्रेरक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा सेवन करा प्रभु धन देता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहाता है|

64. अद्भुत संत प्रभु धार बहा साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु प्राप्त कराता है| संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| दीप्त संत प्रभु धारा अंतर देता है| सदा संत प्रभु धार बहा प्रभु सन्देश देता है|

65. श्रेष्ठ संत प्रभु धारा अंतर दे एक (प्रभु) प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत तीसरे नेत्र मे प्रभु धार बहा एक (प्रभु) प्राप्त कराता है| दीप्त रूप संत साधक (तनय) को अंतर ला सुन्दर रूप बनाता है| तृप्ति दायक संत प्रभु धार बहा प्रभु (परम) प्राप्त कराता है|

66. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु धारा को रथ समान देकर प्रभु महिमा साधक को प्राप्त कराता है| कल्याणकारी संत ही मुझे सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञान देता है| नर नारायण रूप संत सखावत हमे जन्म मरण से बचाता है|

67. विश्वेज्योती संत अंतर प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है| वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सर्वज्ञ संत दीप्त सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है|

68. सर्वव्यापक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर (पर्वत) ला ठहराता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु मिलन कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा स्तुति कराता है| अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे चेतन रूप बनाता है|

69. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अद्भुत संत अद्भुत प्रभु धार बहाता है| अद्भुत प्रभु धारा दे रक्षा करता है|

70. सिद्ध ज्योतिष्मान संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा साधक को साधना मे प्राप्त कराता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा सेवन करा वासना मिटा भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत सदा वासना नाशक प्रभु धारा से निष्पाप बनाता है|

71. महान संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सुखदाता संत सब को नाद धार सुनाता है| अंतर विराजमान संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

72. देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को साहसी बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| प्रभु सन्देश दे भक्ति करा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| मर्यादा वाला संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है|

73. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| सदा देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धार बहा प्रभु (भानव) प्राप्त कराता है|

74. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| अविनाशी संत धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को साधना कराता है| प्रभु धार अंतर दे साधना कराता है|

75. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को चेतन रूप बनाता है| साधक को अंतर दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत ही सब प्रभु धारा अंतर दे रक्षा करता है| कल्याणकारी संत पोषक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है|

76. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण कर भक्ति कराता है| संत सनातन प्रभु नाद धारा दे तृप्त करता है| देहधारी संत साधक (तनय) को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

77. प्रेरक संत देहधर आ सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| अंतर ठहराता है| यामक संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर अविनाशी जीवन देता है| सुधन संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को पालन करता है|

78. दीप्त संत अविनाशी प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| पवित्र संत साधक को प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे निष्पाप बनाता है|

79. अंतर विराजमान संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधना सिद्ध संत नाद धार बहाता है| सब को प्रभु भक्ति कराता है| चेतन रूप संत सेवनीय प्रभु धारा दे साधक की वासना मिटाता है|

80. ज्योतिष्मान संत वासना नाशक प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधक की वासना मिटा चेतन रूप बनाता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा वासना मिटाता है| सदा प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है|

81. ज्योतिष्मान संत साधक को जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| संत प्रभु वैभव दे साधना कराता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है|

82. संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रत्यक्ष प्रभु धारा सेवन करा साधक को अंतर ला ठहराता है|

83. संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| अंतर सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धारा देता है| दिव्य संत ही साधक को दीप्त रूप बनाता है| दयालु संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे साधक को निष्पाप बनाता है|

84. अंतर विराजमान संत ही प्रभु धारा दे यशस्वी बनाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| सब को प्रभु धारा सेवन कराता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है|

85. ज्योतिष्मान संत अंतर सतत प्रवाहित तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| संत साधक के कल्याण के लिये प्रभु धार बहाता है| यह संत साधक को सब प्रभु धारा देता है| तृप्त संत साधक को नाद धार बहाता है|

86. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा देता है| स्तुत्य संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| महान संत प्रभु

धार बहाता है| इससे साधक को शक्तिशाली बनाता है|

87, सब को प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| तृप्त करता है| अंतरश्युत संत वासना नाशक प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| स्तुत्य संत वासना नाशक प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञान देता है|

88. सदा देहधर आने वाला संत ही प्रभु धारा बहा प्रभु (भानु) प्राप्त कराता है| स्तुत्य संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| श्रेष्ठ संत साधक को दिव्य प्रभु धारा देता है| सनातन धारा से नियंत्रण करता है|

89. वासना नाशक प्रभु धारा देता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु (ज्येष्ठ) प्राप्त कराता है| यह अंतरश्युत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्राण संचार करता है|

90. देहधर आ संत प्रभु धार बहा धर्म पालन कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा देता है| पालक संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को सर्वज्ञ बनाता है|

91. अंतरश्युत संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सदा प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

92. संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु रूप दे संत साधक को प्रभु धारा तृप्त करता है| प्रभु पुत्र संत साधक को प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है|

93. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है| साधना कराता है| स्तुत्य संत ही सुखधार बहाता है| प्रेरक संत साधक को अंतर ठहराता है|

94. अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| ब्रह्म-ज्ञानी संत प्रभु धारा से दिव्य रूप बनाता है| सर्वज्ञ संत सब प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धारा दे प्रभु (नेमि) प्राप्त कराता है|

95. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे अंतर लाता है| अंतरश्युत संत सब प्रभु धारा देता है| रक्षक संत साधक को अंतर ला वर्चस्वी बनाता है|

96. ज्योतिष्मान संत साधक को साधना मे प्रभु वैभव देता है| सतत प्रवाहित नाद धारा देता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे अंतर भक्ति कराता है| ब्रह्मज्ञान धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

97. अंतरश्युत संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा

साधक को नियंत्रण कर अंतर लाता है|

98. देहधारी संत प्रेरक सनातन प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बना प्रभु भक्ति कराता है|

99. ज्योतिष्मान संत साधक को नियंत्रण कर शक्तिशाली बनाता है| नियंत्रण कर्ता संत साधक को साहसी बनाता है| मुझे नियंत्रण कर सतत प्रभु नाद सुना ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

100. ज्योतिष्मान संत भक्ति करा साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु प्राप्त कराने को प्रभु धारा देता है| प्रेरक संत सुखदायक प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

101. ब्रह्मज्ञानी संत सनातन प्रभु धारा देता है| श्रेष्ठ संत साधक को अंतर ला ठहराता है| अटल संत प्रभु बैभव दे साधक को अविनाशी जीवन देता है|

102. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे आनन्द देता है|

103. स्तुत्य संत ही प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सदा देहधर आ संत तारा अंतर दिखला साधक को पवित्र करता है|

104. नर नारायण रूप संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक की वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा सेवन करा साधक को नियंत्रण करता है|

105. सर्वव्यापक संत अंतर प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला भक्ति कराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु प्राप्त मार्ग सुगम बनाता है|

106. सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे संत ही साधक को प्रभु सन्देश दे अमृत पान कराता है| पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे आकर्षक संत साधक को अंतर लाता है|

107. देहधारी संत नाद धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

108. देहधारी ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा साधक को भवसागर पार कराता है| यह संत साधक (सखा) को प्रभु धारा देता है|

109. अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| संत साधना मे प्रभु धारा दे सेवन कराता है|

110. ज्योतिष्मान संत आकर्षक प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| प्रभु धार बहा साधक को श्रेष्ठ रूप बनाता है| प्रेरक संत साधक को अंतर ठहराता है|

111. कल्याणकारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे कल्याण करता हे| सोभाग्यशाली संत साधना करा कल्याण करता है| कल्याणकारी संत साधक को प्रशंसनीय रूप बनाता है|

112. संत साधक को प्रभु धारा दे समृद्ध करता है| प्रभु संयुक्त संत प्रेरक प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

113. ज्योतिष्मान संत दीप्त प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| साहसी संत चेतन प्रभु धारा से वासना मिटा अंतर ला ठहराता है| प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा दे क्रोध मिटाता है|

114. यह संत साधक को अंतर ला प्रभु (पति) मिलन कराता है| दयालु संत साधक को वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

115. संत साधक को नाद धार बहा प्रभु (सच) मिलन कराता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

116. संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला हर्षाता है| प्रभु धारा दे साधक को आनन्द देता है|

117. अंतरश्रुत संत अंतर प्रभु धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है| नर नारायण रूप संत नाद धार बहा साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है|

118. सतत प्रवाहित प्रभु नाद धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत सदा ही नाद धार बहाता है|

119. शक्तिशाली संत साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आनन्ददाता संत आनन्द धार बहाता है|

120. संत साधक को अंतर ला ठहराता है| साहसी संत प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| सुखदाता संत सुखधार बहाता है|

121. संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अद्भुत प्रभु धारा अंतर

बहाता है| सदा देहधर आ संत अंतर ला ठहराता है|

122. संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| यामक संत प्रभु वैभव दे प्रभु (एक) प्राप्त कराता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

123. योग साधक संत प्रत्येक कार्य मे प्रभु धारा दे नियंत्रण कर हर्षाता है| सोम पान करा शक्ति-शाली बनाता है|

124. सुधन संत साधक (सुत) को प्रभु अन्न धारा देता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है| निडर संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

125. अंतर विराजमान संत नाद धार बहा साधक का मार्ग दर्शन करता है| साधक को अंतर ला प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

126. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे वासना मिटा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| संत सब प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है|

127. रक्षक संत प्रभु धारा देता है| न्याय युक्त संत बांसुरी की नाद धुन सुनाता है| संत साधक (सखा) को प्रभु धारा देता है|

128. संत साधक को मार्ग दर्शन करता है| दीप्त संत साधना मे साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

129. संत भक्ति कराता है प्रभु वैभव गहाता है| इससे प्रभु भक्ति कराता है| साधक की जीवन मे रक्षा करता है|

130. (संत) हमे प्रभु धारा अंतर देता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| सतत प्रवाहित धारा दे वासना मिटाता है|

131. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

132. संत साधक को प्रभु धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| सुधन संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

133. देहधर आ संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धा-रा साधक (सखा) को प्राप्त कराता है|

134. वासना नाशक संत सब प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| सुधन संत प्रभु धार बहाता है|

135. अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धारा देता है| दिव्य संत

साधक को सम्यक प्रभु धारा देता है| देहधारी संत साधक का नियंत्रण कर दीप्त रूप बनाता है|

136. देहधर आ संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धारा साधक (सखा) को प्राप्त कराता है|

137. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| सब प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| प्रभु रूप संत प्रभु मिलन कराता है|

138. संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| साधक को वरणीय रूप बनाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहाता है|

139. सोम सरोवर संत अंतर प्रभु धारा देता है| इससे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| यह (संत) साधक को अंतर ले जाकर (कक्ष) दीप्त रूप बनाता है|

140. वासना नाशक संत साधक को प्रभु धार बहा मन को रोकता है| अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

141. देहधारी संत सविता प्रभु धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा सौभाग्यशाली बनाता है| श्रेष्ठ संत वासना मिटाता है|

142. सुखदाता संत साधक को आनन्ददायक प्रभु धारा देता है| तुरंत देहधर आ संत साधक को विजयी बनाता है| संत सुखदायक प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है|

143. जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को ऊपर ला ठहराता है| अंग संग रहने वाला संत प्रभु धार बहाता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

144. देहधारी संत मानव मात्र को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| स्तुत्य संत अद्भुत प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| पापी को सतत प्रवाहित प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

145. सोम सरोवर संत प्रभु धारा अंतर बहाता है| प्रभु धारा सेवन करा दक्ष बनाता है| संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

146. सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा से ऊपर ला ठहराता है| देहधारी संत जल प्रवाहित प्रभु नाद धार बहाता है| संत साधक (वत्स) को माता समान है|

147. साधना मे सब प्रभु रूपों को दिखलाता है दीप्त रूप बनाता है| सत्य रूप संत सोम पान करा अंतर दीप्त रूप बनाता है|

148. संत प्रभु धार बहाता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर बहाता है| पोषक प्रभु धारा दे प्रभु (सच) मिलन कराता है|

149. सतत प्रवाहित धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| तृप्त संत दयामयी प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा रथ समान देता है|

150. संत साधक को अंतर आकर्षक प्रभु धारा दे हर्षाता है| अंतर आकर्षक प्रभु धारा देता है|

151. प्रेरक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटा साधना कराता है| देहधारी संत रक्षक धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है|

152. देहधारी संत ही पोषक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु समान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

153. सुधन संत साधक को ऊपर ला ठहराता है| संत साधक को बलवान बनाता है| सदा आने वाला संत प्रभु धारा से आनन्द देता है|

154. सोम रूप संत पोषक प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| सब प्रभु धार बहाता है| संत प्रभु धारा रथ समान देता है|

155. रक्षक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| सब प्रभु धार बहा सब को साधना कराता है|

156. तृप्त संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा से प्रभु सन्देश दे भक्ति कराता है| प्रभु रूप संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधक को निष्पाप बनाता है|

157. संत प्रभु धारा दे साधक की मनो कामना पूर्ण करता है| साधक (सखा) को प्रभु धारा अंतर देता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा साधना कराता है|

158. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| तृप्त संत अनेक प्रभु धार बहाता है|

159. संत साधक को प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत सोम पान कराता है|

160. रक्षक संत सुन्दर रूप बनाता है| सोम सरोवर संत सोम

पान कराता है| प्रत्येक साधक को भक्ति कराता है|

161. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

162. नर नारायण रूप संत प्रभु नाद धारा देता है| देह्धारी संत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| सदा देहधर आ संत तुरीया मे प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ठहरा अमृत पान कराता है|

163. नर नारायण रूप संत सब काम मे भक्ति करा भवसागर पार कराता है| सब प्रभु धारा तृप्ति देने को देता है| रक्षक संत प्रभु धारा सखा (आत्मा) को प्राप्त कराता है|

164. प्रभु रूप संत साधक को ऊपर ले जाता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित धारा देता है| सखावत संत प्रभु धारा देकर भक्ति कराता है|

165. औजस्वी संत साधक (सुत) को प्रभु धार बहा दिव्य रूप बना प्रभु (पति) मिलन कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

166. दहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा से प्रभु महिमा गहाता है| दिव्य संत सदा साधक को शक्तिशाली बनाता है|

167. संत देहधर आ प्रभु धार बहाता है| अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है|

168. देहधारी संत नाद धारा बहाता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे साधना कराता है| प्रभु रूप संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु (पति) प्राप्त कराता है|

169. यह सुखदाता संत अद्भुत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| मित्र संत सदा प्रभु धार बहाता है| यह सुखदाता संत प्रभु धारा से साधक को आच्छादित कर पवित्र बनाता है|

170. संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे स्तुति करा अंतरश्रुत बनाता है| साधक को सोम पान करा तृप्त करता है|

171. अंतर विराजमान (संत) अद्भुत प्रभु धारा देता है| तृप्ति-दायक धारा देकर साधक का सुन्दर प्रभु रूप बनाता है| वह सतत धार बहा साधना कराता है|

172. संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है| संत प्रभु धार बहाता है| साधक को नाद धार सुनाता है|

173. सिद्ध संत साधक को कल्याणकारी प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| संत साधक को प्रभु धारा दे हर्षाता है|

174. यह संत साधक को सोम पान कराता है| यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक को अंतर दीप्त रूप बनाता है|

175. प्रभु प्राप्त योगी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| रोग नाशक संत साधक को वर्चस्वी बनाता है|

176. संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| प्रभु धारा अंतर बहाता है| जीवन संग्राम मे प्रभु धारा दे समृद्ध करता है|

177. संत साधना मे नाद धार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को अविचल बनाता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है|

178. देहधारी संत सनातन उषा रूप प्रभु धारा को देता है| तृप्ति दायक धारा को अंतर बहाता है| प्रभु कारिन्दा संत भक्ति कराने को प्रभु धारा देता है|

179. संत साधक का नियंत्रण कर उसे दीप्त रूप बनाता है| वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| सदा देहधर आने वाला संत पाप मिटाता है|

180. संत ही प्रभु धारा से भोजन देकर आनन्द देता है| सोम रूप संत सब प्रभु धारा देकर साधक की रक्षा करता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे प्रभु (ईष्ट) की प्राप्त कराता है|

181. संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| साधक को धर्म पालन कराता है| महान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से रक्षा करता है|

182. प्रभु रूप संत साधक को प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहाता है| संत सब को प्रभु धारा से आच्छादित करता है|

183. प्रभु संयुक्त संत साधक को ऊपर लाता है| अंतर मे दीप्त रूप बनाता है| वचनादमय संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

184. संत देहधर आ प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| साधक को हर्षाता है| साधक को भवसागर पार कराता है|

185. ज्योति नाद का स्वामी (संत) प्रभु धारा दे रक्षा कर चेतन रूप बनाता है| चेतन्य (संत) प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है|

186. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| सतत प्रभु धार बहा निष्काम सेवा कराता है|

187. संत जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा साधक को निष्पाप बनाता है| प्रभु धारा सेवन करा प्रभु रूप बनाता है|

188. यह योग साधक संत नाद धार बहा साधक को स्तुति कराता है| सोम रूप संत साधक को सोम पान कराता है|

189. पवित्रकर्ता संत मुझे सतत प्रवाहित धारा देता है| बलशाली संत बलवान बनाता है| प्रभु मिलन करा साधना निपुण बनाता है|

190. सुखदाता संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे सोम पान करा साधना कराता है| साधक को प्रभु बैभव जीवन संग्राम मे देता है|

191. अंतर विराजमान संत ही प्रभु धारा प्राप्त कराता है| संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु धारा से सदा साधक को अंतर ला ठहराता है|

192. प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| नाद धार बहा वासना मिटाता है|

193. सुधन संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत साधक को प्रेम करता है| आकर्षक प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

194. स्तुत्य संत प्रभु धारा अंतर दे हर्षाता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे द्वेष मिटाता है|

195. अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सोम रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत साधक को प्रभु धारा दे यशस्वी बनाता है|

196. संत सदा ही प्रभु धार बहा साधक को ऊपर ला साधना कराता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को आच्छादित करता है|

197. साधक को सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| प्रभु समान संत प्रभु मिलन कराता है| संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

198. अंतरश्रुत संत प्रभुधारा देता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को इसे सेवन कराता है|

199. संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| शक्तिशाली संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

200. संत साधक (अंग) को प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| संत ही साधक को अविचल बनाता है|

201. संत साधक (सुत) को प्रभु धारा अंतर देता है| अंतरश्रुत संत जल प्रवाहित नाद धारा देता है| सदा देहधारी संत साधक (वत्स) को माता समान है|

202. संत साधक को पोषक प्रभु धारा देता है| उसका कल्याण करता है| प्रभु धारा दे साधक को साधना सिद्ध बनाता है|

203. संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को ठहराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु रूप संत अंतर प्रभु धार बहाता है|

204. सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक को अंतरश्रुत बनाता है| प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है|

205. संत सदा जल प्रवाहित नाद धारा देता है| प्रभु रूप संत साधक को अंतर ठहराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहाकर प्रभु (पति) प्राप्त कराता है|

206. स्वामी संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को दे नियंत्रण करता है| ज्योतिष्मान संत द्रोह मिटा रक्षा करता है|

207. शक्तिशाली संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| सुधन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

208. संत नाद धार बहा साधक की वासना मिटा अंतर लाता है| साधक को नियंत्रण कर दीप्त रूप बनाता है|

209. संत साधक को नाद धार बहा दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| शक्तिशाली संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को वरणीय रूप बनाता है|

210. सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे साधक को नियंत्रण करता है| साधक को प्रभु नाद धार सुना पोषण करता है| संत अंतर प्रभु धारा सेवन कराता है|

211. वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे प्रभु मिलन कराता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को विजयी बनाता है|

212. संत प्रभु धारा दे साधक को सोम पान कराता है| संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

213. वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे प्रभु मिलन कराता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को विजयी बनाता है|

214. प्रभु रूप संत देहधर आ वासना मिटाता है| प्रभु धारा बहाकर साधक की साधना सफल बनाता है| सतत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

215. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| तृप्त संत अनेक प्रभु धार बहाता है|

216. वासना नाशक संत प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत दयामयी प्रभु धारा देता है| सुख-दाता संत सतत प्रवाहित नाद धार बहाता है|

217. योग साधक संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| वचनाद सुना सोम पान करा हर्षाता है|

218. सरल हृदय संत मुझे प्रभु की नाद धारा देता है| ज्योति-ष्मान संत प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| संत सा-धक को प्रभु धाराओं का स्वामी बना औजस्वी बनाता है|

219. अंतर विराजमान संत सत्य प्रभु रूप धारा अंतर बहाता है| सब प्रभु धारा दे प्रभु (भानु) मिलन कराता है|

220. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| सोम रूप संत वासना मिटा साधना कराता है|

221. नर नारायण रूप संत अंतर जल प्रवाहित नाद धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धारा देता है| देहधारी संत साधक को अंतर ले जा रक्षा करता है|

222. प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| तीन प्रभु धाराओं युक्त संत प्रभु प्राप्त कराता है| मुझे जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

223. देहधर आ संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा दे ठहराता है| सुधन संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है|

224. अविनाशी संत नाद धार बहाता है| वर्चस्वी संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु धारा दे साधक का अभ्युदय करता है|

225. गतिशील संत प्रभु नाद धार बहा साधक को नियंत्रण कर चेतन रूप बनाता है| देहधारी संत नाद धार बहा साधक को साधना कराता है|

226. संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| आकर्षक प्रभु धारा साधक (सुत) को देता है|

227. संत देहधर आ साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत आकर्षक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

228. सुखदाता संत प्रभु बैभव दे स्तुति कराता है| आकर्षक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

229. संत ब्रह्मज्ञान दे सुन्दर रूप बनाता है| वह प्रभु धारा से सोम पान कराता है| नर नारायण रूप संत ही सखा भाव से प्रभु धारा देता है|

230. संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे स्तुति करा अंतरश्रुत बनाता है| साधक को सोम पान करा तृप्त करता है|

231. संत जीवन संग्राम मे सुखधार बहाता है| साधक को मार्ग दर्शन कर अंतर लाता है| जीवन संग्राम मे प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है|

232. देहधारी संत सब प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| सोम रूप संत आनन्द धारा सेवन कराता है| संत प्रभु धारा से चेतना देता है|

233. देहधारी संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सोम रूप संत सोम पान कराता है| यामक संत प्रभु धार बहा नियंत्रण करता है| संत साधक को अंतर ठहराता है|

234. संत ही प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधना सफल कराता है| संत वासना मिटा प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

235. देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| साधक को प्रभु रूप बनाता है| योग साधक संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| सुधन संत अनेक प्रभु धार बहा शिक्षा देता है|

236. सुधन संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को सेवन करा हर्षाता है| साधक को अंतर ला प्रभु धार बहाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधक को अनासक्त बनाता है|

237. योग साधक संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक (सुत) को सोम पान कराता है| साधक को तृप्त करता है|

238. सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| साधक को अंतर ला जल प्रवाहित नाद धारा सुनाता है| दीप्त संत प्रभु धार बहा प्रभु (धुरि) प्राप्त करा-ता है|

239. सोम रूप संत साधक (सुत) को सोम पान करा हर्षाता है| संत नाद धार बहाता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

240. यह संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु बैभव दे सोभाग्य देता है| सुखदाता संत प्रभु बैभव देता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु (ईष्ट) मिलन कराता है|

241. देहधारी संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे तृप्त करता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| अंतर विराजमान संत साधक (सुत) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धारा दे साधक को कमनीय रूप बनाता है|

242. देहधारी संत ही चेतन प्रभु धारा से साधक (सखा) को नियंत्रण करता है| जन्म मरण से छुडाता है| स्तुत्य संत आनन्द-दायक प्रभु धारा साधक (सुत) को प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत नाद धार से नियंत्रण करता है|

243. वासना नाशक संत कर्म मिटाता है| सदा साधक को समृद्ध करता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| नियंत्रण कर साधक को औजस्वी बनाता है|

244. प्रभु रूप संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अविनाशी संत प्रभु धारा दे तृप्त करता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है| सुधन संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है|

245. प्रभु संयुक्त संत अनेक वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा रथ समान दे स्वर्णिम रूप बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

246. सुखदाता संत आकर्षक प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है| आनन्द दाता संत सदा प्रभु धार बहाता है| संत साधक को चेतन प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| सर्वज्ञ संत अंतर प्रभु धार बहाता है|

247. प्रभु पुत्र संत सतत प्रभु धार बहा साधक का नियंत्रण कर प्रभु प्राप्त कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है| संत आनन्द धारा देकर साधक को वच नाद सुनाता है|

248. संत साधक को यशस्वी बनाता है| प्रभु रूप संत साधक को शक्तिशाली बनाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु (एक) प्राप्त कराता है| सब को प्रभु धारा सेवन करा नियंत्रण करता है|

249. यह संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है| अंतर प्रभु धारा दे साधना कराता है|

250. सुधन संत साधक को जल प्रवाहित नाद धार बहा अंतर लाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| पवित्र कर्ता संत साधक को पवित्र करनेवाली धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धारा सेवन करा भक्ति कराता है|

251. स्तुत्य संत जल प्रवाहित नाद धार बहा अंतर ला सोम पान कराता है| योग साधक संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है|

252. प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| तृप्त संत सतत् प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत नाद धारा दे सोम पान कराता है|

253. पवित्र संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है|

254. पवित्र संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है|

255. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| जीवन संग्राम मे बादल की गर्ज नाद सुना वासना मिटा वचनाद सुनाता है| दीप्त संत नाद धार बहा स्तुति कराता है|

256. देहधारी संत सनातन प्रभु धारा दे सोम पान करा साधना कराता है| समकालीन प्रभु रूप संत प्रभु धार अंतर बहाता है| सनातन प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है|

257. यह देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे स्तुति करा प्रभु रूप बनाता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| योग साधक संत वासना नाशक प्रभु धारा से वासना मिटाता है|

258. अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर स्वरूप दिखला प्रभु रूप बनाता है| चेतन धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

259. संत साधक को पोषक प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे शिक्षा देता है| यामक संत साधक

को अंतर स्वरूप दिखला दीप्त रूप बनाता है|

260. संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर ठहराता है| रक्षक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| संत साधक को श्रेष्ठ रूप बनाता है|

261. संत ही साधक को प्रभु धारा देता है| सर्वव्यापक संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को पवित्र करता है| प्रभु धारा दे साधक को भवसागर पार कराता है|

262. संत पापी को मार्ग दर्शन कर प्रभु धारा से औजस्वी बनाता है| साधना मे पांच प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| संत सब का पालन करता है|

263. सत्य प्रभु रूप संत प्रभु धारा से आच्छादित कर विजयी बनाता है| सुखदाता संत ही सदा सतत प्रवाहित नाद धारा दे रक्षा करता है| सुखदाता संत प्रभु धार बहा अंतरश्रुत बनाता है|

264. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक की रक्षा करता है| अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा से साधक को समृद्ध करता है|

265. देहधारी संत प्रभु धार बहा सेवन कराता है| नाद धार बहा साधक को चेतना देता है| प्रभु धारा दे सब प्रभु रूप दिखला वचनाद सुना साधक को प्रभु रूप बनाता है|

266. संत तीन प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है| सदा जीवन संग्राम मे साधक का कल्याण करता है| वासना नाशक संत प्रभु धार बहा प्रभु वैभव देता है| यह देहधर आ संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

267. श्रेष्ठ संत सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| देहधर आ संत साधक को प्रभु बैभव धारा दे औजस्वी बनाता है| प्रभु धारा दे सोभाग्य देता है|

268. अविनाशी संत पापी को अंतर ला प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत चेतन प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे अंतर लाता है|

269. संत प्रभु धारा सेवन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| वासना नाशक संत ज्ञान धारा दे साधना कराता है| सदा देहधर आ संत साधक को प्रभु रूप बनाता है|

270. नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु वैभव दे पालन करता है| दीप्त संत साधना मे सब

प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| अंतर दिव्यता देता है|

271. सुखदाता संत सुखदायक प्रभु धारा देता है| देहधारी संत ही प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| विभुषित संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| अंतरश्रुत संत साधक को नाद धार बहाता है|

272. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला पोषण करता है| संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक को अंतरश्रुत बनाता है|

273. दीप्त संत सब को प्रभु धारा रथ समान देता है| सिद्ध संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु (ज्येष्ठ) मिलन कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

274. संत भयभीत साधक को प्रभु धारा दे अभय बनाता है| सुधन संत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धारा से द्वेष मिटाता है|

275. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| साधना मे सोम पान कराता है| सदा देहधर आ संत सनातन प्रभु धारा सतत प्रवाहित करता है| संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

276. प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| महान संत सब प्रभु धारा दे प्रभु महिमा देता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धार बहाता है|

277. सर्वव्यापक प्रभु धारा रथ समान दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत वचनाद सुनाता है| सोम धार अंतर बहा दीप्त रूप बनाता है|

278. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत अनेक प्रभु धारा दे वासना मिटा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| प्रभु धारा सब को दे प्रभु (ईष्ट) मिलन कराता है|

279. संत पापी को प्रत्यक्ष अंतर लाता है| नाद दर्शक संत नो द्वारों मे प्रभु धार बहाता है| मार्ग दर्शक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अनासक्त संत प्रभु धारा बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है|

280. संत सदा ही प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| देहधारी संत प्रभु धारा सेवन करा प्रभु वैभव देता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

281. अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा बहा प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| वासना

नाशक संत अंतर प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| निष्पाप संत साधक को भक्ति कराता है|

282. संत प्रभु धारा सतत बहाता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| वासना नाशक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु (ईष्ट) प्राप्त कराता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

283. रक्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| शीघ्र प्रेरक प्रभु धारा रथ समान देता है| साधक को समृद्ध करता है|

284. मार्ग दर्शक संत साधक को प्रभु धारा दे नर सिंह रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर नाद धार सुनाता है|

285. सिद्ध संत साधक को सोम पान कराता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है|

286. यह योग साधक संत सब को प्रभु धारा देता है| अनंत प्रभु धार बहा मार्ग दर्शन कर प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| जीवन संग्राम मे साधक को समृद्ध करता है|

287. संत रात दिन प्रभु धार बहा साधक को वर्चस्वी बना साधना सफल बनाता है| वह सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है| अंतरश्रुत संत साधक की आत्मा का भोजन है|

288. सुखदाता संत आनन्दधार बहाता है| स्तुत्य संत साधक को साधना कराता है| प्रभु धार बहा ब्रह्मज्ञान देता है| नाद धार से नियत्रण कर अंतर लाता है|

289. तृप्त संत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धार बहा प्रभु रूप बहाता है| नर नारायण रूप संत स्वर्णिम प्रभु धारा दे आकर्षक रूप बनाता है| संत वासना नाशक प्रभु धारा दे स्वर्णिम रूप बनाता है|

290. अंतरश्रुत संत सब प्रभु धारा बहाता है| प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सुधन संत साधना मे सोम पान कराता है| योग साधक संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

291. देहधर आ संत प्रभु धार बहाता है| श्रेष्ठ संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त बनाता है| वासना नाशक संत अनेक प्रभु धार बहा नियंत्रण करता है| अंतर वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को निष्पाप बनाता है|

292. संत पोषक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| दीप्त

प्रभु धारा सेवन कराता है| माता समान संत वासना मिटा साधक को अंतर ठहराता है| दीप्त रूप बना प्रभु बैभव देता है|

293. सोम रूप संत साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| वासना नाशक संत सोम पान करा हर्षाता है| आकर्षक प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

294. संत प्रभु धारा दे हर्षाता है| सोम रूप संत नाद धार बहाता है| सोम रूप संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| नाद धार बहा स्तुति करा अंतरश्रुत बनाता है|

295. अंतर विराजमान संत सब प्रभु धार बहाता है| नाद धार बहा दिव्य रूप बनाता है| प्रभु धारा प्रवाहित कर सेवन कराता है| प्रभु धारा सेवन करा दिव्य रूप बनाता है|

296. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप शक्तिशाली बनाता है| स्तुत्य संत प्रभु बैभव दे साधक की रक्षा करता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

297. सुखदाता संत साधक (सुत) को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सोम पान करा अविनाशी रूप बनाता है| संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक को औजस्वी बनाता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

298. संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु नियम पालन कराता है| देहधर आ संत साधक को अंतर ठहराता है| साधक (अंश) को प्रभु धन देता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

299. ज्योतिष्मान संत साधक को वचनाद सुना दिव्य रूप बनाता है| सदा प्रभु धार बहा संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक (पुत्र) को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| वचनाद सुना रक्षा करता है|

300. सुखदाता संत साधक (सुत) को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सोम पान करा अविनाशी रूप बनाता है| संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक को औजस्वी बनाता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

301. सदा देहधर आ संत ही वासना मिटाता है| संत आकर्षक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| सदा देहधर आ संत प्रभु बैभव दे सोम पान कराता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

302. देहधारी संत ही साधक को पोषक प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| अंतरश्रुत संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

303. प्रभु रूप संत साधक (दुहि-ता) को अंतर प्रभु धार बहाता है| सर्वज्ञ संत अंतर प्रभु धार बहाता है| अंतर स्वरूप दिखला अन्धकार मिटा नियंत्रण करता है|

304. प्रभु कारिन्दा संत अंतर प्रभु धारा बहाता है| रक्षक संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा देता है| सुधन संत सब को प्रभु धारा प्राप्त कराता है|

305. देहधारी संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा दे साधक को सिद्ध बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा बहा-ता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा दे अविनाशी जीवन देता है|

306. संत साधक को प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| संत साधक को अंतर ला सोम पान कराता है| प्रभु कारिन्दा संत सा-धक को सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| साधक को प्रभु धन देता है|

307. संत सदा नाद धारा दे सोम पान कराता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे संत प्रभु धारा सेवन कराता है| महान संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सुखदाता संत प्रभु चेतन धारा से नियंत्रण करता है|

308. योग साधक सदा देहधर आ संत साधक को सोम पान करा पालन करता है| आकर्षक संत आनन्ददायक प्रभु धारा अंतर देता है| वासना मिटा साधक को चेतन रूप बनाता है|

309. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| कमनीय संत प्रभु धार बहा प्रभु वैभव देता है| सिद्ध संत सब को प्रभु धारा देता है|

310. संत प्रभु धार बहा साधक को दिव्य रूप बनाता है| स्तुत्य संत प्रभु धार बहा वासना मिटा रक्षा करता है| सोम पान करा समृद्ध करता है|

311. संत साधक को प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

312. देहधारी संत ही साधक को अंतर ला प्रभु धार बहा औजस्वी बनाता है| संत प्रभु धार दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

313. दीप्त संत प्रभु धारा सेवन करा दीप्त रूप बनाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| सेवनीय संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे साधना कराता है|

314. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे अंधकार मिटाता है| मार्ग दर्शक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु रूप दीप्त संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सुधन संत साधक को सोम पान कराता है|

315. साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| उत्तम योनि प्राप्त कराता है| रमणशील संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धारा अंतर (पर्वत) दे साधक को अंतर ठहराता है| सदा देहधर आ संत अंतर साधक की रक्षा करता है|

316. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| मार्ग दर्शक संत साधक को अन्न धारा सेवन कराता है| यह संत जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

317. संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को निपुण बनाता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| अंतर विराजमान संत ही साधक को नाद धार दे प्रभु (पति) मिलन कराता है| शक्तिशाली संत नाद धार बहा साधक को प्रभु बैभव देता है|

318. मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा से प्रभु (धुरि) प्राप्त कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| मार्ग दर्शक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| अंतर नाद धार बहा साधना कराता है|

319. प्रजापति संत प्रभु धारा अंतर दे दीप्त रूप बनाता है| तृप्ति दायक संत साधक को साधना कराता है| अंतर प्रभु धारा दे ठहराता है| सर्वज्ञ संत साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

320. अंतरश्रुत संत साधक को अंतर ला साधना कराता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धार बहाता है| स्वर्णिम रूप संत नाद धार बहा प्रभु सन्देश देता है| साधक को नियंत्रण कर अंतर ला तृप्त करता है|

321. संत सदा ब्रह्मज्ञान धारा देता है| देहधारी संत नाद धार बहा रक्षा करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु रूप संत साधक को अंतर प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

322. अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| शक्तिशाली संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| दीप्त संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| वचनाद सुना साधक को अंतर ठहराता है|

323. रक्षक संत साधक (अंग) को प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| आकर्षक संत अनेक प्रभु धार बहा

साधक को दशावतार रूप बनाता है| संत रक्षक प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| प्रभु धारा अंतर दे धर्म पालन कराता है|

324. सर्वव्यापक संत वासना मिटा साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| संत सब प्रभु धारा साधक को देता है| सदा देहधर आ संत साधक (सखा) को अंतर ला ठहराता है| सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे दे विजयी बनाता है|

325. प्रभु धारा अंतर दे अंतर लाता है| संत वासना मिटा चेतन रूप बनाता है| नाद धार बहा प्रभु महिमा दिखलाता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

326. नर नारायण रूप संत साधक को सनातन प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है| देहधर आ संत सब को प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है|

327. देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| अंतर प्रभु धार बहा ठहराता है|

328. संत प्रभु धार अंतर बहा प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर वासना मिटाता है|

329. यह संत साधक को अंतर ला प्रभु वैभव देता है| शक्तिशाली संत साधक को जीवन संग्राम मे मार्ग दर्शन करता है| रक्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु नाद धारा दे वासना मिटाता है| वासना मिटा अंतर ला ठहराता है|

330. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अंतर विराजमान संत जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत सब प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| अंतरश्रुत संत साधक को वचनाद सुनाता है|

331, यह संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर ला सोम पान कराता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा अंतर ठहराता है| सोम पान करा वासना मिटाता है|

332. संत प्रभु धार बहा साधक को विजयी बनाता है| प्रभु धारा रथ समान देता है| वासना नाशक संत साधक (अंश) को प्रभु धारा देता है| कल्याणकारी संत प्रभु धार बहाता है|

333. रक्षक संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| संत सब को सतत

प्रवाहित प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे कल्याण करता है| सुधन संत प्रभु प्राप्त कराता है|

334. वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को निपुण बनाता है| आकर्षक प्रभु धार बहा रथ समान प्राप्त कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| प्रजापति संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

335. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा वासना मिटा भवसागर पार कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| दयालु संत प्रभु वैभव दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

336. संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा स्तुति कराता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

337. देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी जीवन देता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

338. संत अंतर (पर्वत) प्रभु धार रथ समान दे सेवन कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहाता है| संत प्रभु धार सेवन करा भक्ति कराता है| स्तुत्य संत नाद धार बहा आनन्द देता है|

339. वैभवशाली संत अंतर प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सर्वव्यापक संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सदा देहधर आ संत पवित्र प्रभु धार बहा भक्ति कराता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

340. देहधारी संत साधक (सखा) को प्रभु धार बहा भवसागर पार कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा अंतर दे चेतन रूप बनाता है| सिद्ध संत पोषक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतर प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण कर साधना कराता है|

341. सुखदाता संत तुरंत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| दिव्य संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| अंतर प्रभु धार दे पालन करता है| साधक को तृप्त करता है| प्रभु धारा दे वासना मिटा सुन्दर रूप बनाता है|

342. अंतरश्रुत संत साधक को नाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधना सफल

बनाता है| साधक को बांसुरी की धुन सुनाता है|

343. वह (संत) सब प्रभु रूप को सतत प्रवाहित करता है| सतत प्रवाहित जल नाद धारा देकर प्रभु (समुन्द्र) मे मिलाता है| प्रभु नाद रूपी रथ मे सवार कर ऊपर लाता है| सत्यरूप संत सतत प्रवाहित धारा से प्रभु (पति) से मिलाता है|

344. संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| आनन्द दायक धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| दीप्त रूप बनाने को प्रभु रूप धारा सतत बहाता है| अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

345. संत अद्भुत प्रभु धारा सतत प्रवाहित करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा अंतर बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे प्रभु वैभव गहाता है| नर नारायण रूप संत सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे प्राप्त कराता है|

346. अंतरश्रुत संत पवित्र प्रभु धारा साधक को देता है| प्रभु धारा से साधक को साधना कराता है| नाद धार बहा साधक को वर्चस्वी बनाता है| सुधन संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

347. दीप्त संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार से नियंत्रण कर अंतर लाता है| सब प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है| प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है|

348. संत आकर्षक प्रभु धारा से साधक को ऊपर लाता है| नाद धार बहा स्तुति कराता है| अंतर प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु धारा अंतर दे प्रभु बैभव देता है|

349. संत देहधर आ साधक को जल प्रवाहित नाद धारा रथ समान दे अंतर ठहराता है| साधक को अंतरश्रुत बनाता है| देहधारी संत प्रभु धारा सेवन कराता है| साधक (वत्स) को दयामयी प्रभु धारा देता है|

350. स्तुत्य संत प्रभु धारा से साधना कराता है| पवित्र करनेवाली प्रभु धारा साधक को दे दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत नाद धार बहा साधक को समृद्ध करता है| पवित्र कर्ता संत साधक को प्रभु धार सेवन कराता है|

351. सुधन संत साधक को अंतर ला प्रभु वैभव देता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

352. साधक को प्रभु धारा दे पोषण करता है| सब प्रभु रूप

जीवन संग्राम मे प्राप्त कराता है| प्रभु धारा अंतर दे दिव्य रूप बनाता है| संत साधना कराता है|

353. अविनाशी संत प्रभु धार बहा साधक को अविनाशी रूप बनाता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे अंतर ला वासना मिटा वर्चस्वी बनाता है|

354. पवित्र संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है|

355. यह अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे मिलन कराता है| यह संत साधक का पालन करता है| प्रभु धारा दे साधना कराता है|

356. दीप्त संत साधक को अंतर ला दीप्त बनाता है| साधक को अंतर ला सोम पान कराता है| अंतरश्रुत बनाता है|

357. देहधारी ब्रह्मज्ञानी संत वायु समान नाद धारा दे प्रभु वैभव देता है| सब प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है| प्रभु संयुक्त संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को सर्वज्ञ बनाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा बहा प्रभु मिलन कराता है|

358. सोम रूप संत प्रभु अन्न धारा सेवन करा तृप्त करता है| प्रभु धार बहा अविनाशी रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को अविनाशी रूप बनाता है|

359. प्रभु संयुक्त संत सनातन धारा दे वासना मिटाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत सब कर्म मे हमारा नियंत्रण करता है| वज्रधारी संत भक्ति कराता है|

360. देहधारी संत साधक को प्रभु धारा से आच्छादित कर प्रभु धारा सेवन कराता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है|

361. शक्तिशाली संत साधक को अंतर ला ठहराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु संयुक्त संत सब प्रभु धारा अंतर दे प्रभु नियम पालन कराता है| संत पापी को भी प्रभु धारा देता है|

362. तृप्त योग साधक संत प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| स्तुत्य संत साधक (पुत्र) को नियंत्रण कर साधना कराता है|

363. वह (संत) नाद धारा से नियंत्रण कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| वह साधक को प्रभु धारा से ऊपर लाकर ठहराता है| प्रभु रूप संत सुत (आत्मा) को

बलवान बनाता है| मुझे सखावत नाद सुनाता है|

364. मार्ग दर्शक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| यह संत सब को प्रभु धारा रथ समान दे रक्षा करता है|

365. संत ही साधक को प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| सिद्ध संत साधक को नियंत्रण कर अंतर लाता है| रक्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| द्वेष मिटा दिव्य रूप बनाता है|

366. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त रूप बना प्रभु (ईष्ट) प्राप्त कराता है| महान संत प्रभु वैभव दे साधक को साधना सिद्ध कराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे सब को दिव्य रूप बनाता है|

367. सदा देहधर आने वाला संत चेतन धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धारा से साधक को चार प्रभु रूप धारायें देता है| ऊषा प्रभु धारा साधक को ऊपर ला ठहराती है|

368. वह (संत) नाद धारा से नियंत्रण कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| वह साधक को प्रभु धारा से ऊपर लाकर ठहराता है| प्रभु रूप संत सुत (आत्मा) को बलवान बनाता है| मुझे सखावत नाद सुनाता है|

369. सोम रूप संत प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

370. देहधारी संत साधक को सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा सेवन करा दीप्त रूप बनाता है| योग साधक संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है|

371. संत साधक को सदा प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को मार्ग दर्शन कर वासना मिटाता है| नर नारायण रूप संत सब को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु धार बहाता है|

372. औजस्वी संत सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु (पति) मिलन कराता है| प्रभु धारा दे एक (प्रभु) प्राप्त कराता है| अविनाशी संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| प्रभु धार बहा एक (प्रभु) प्राप्त कराता है|

373. प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत प्रभु धार सेवन करा साधक को निष्पाप कराता है| अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है|

संत प्रभु धारा दे तृप्त कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

374. सतत प्रवाहित प्रभु नाद धार बहा साधक को नियंत्रण कर प्रभु वैभव देता है| जल प्रवाहित प्रभु नाद धारा साधक को सेवन कराता है| निष्पाप संत सतत प्रवाहित धारा दे वासना मिटा साधक को अविनाशी रूप बनाता है| सब को भक्ति कराता है|

375. देहधारी संत साधक को प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर ठहराता है| समकालीन संत सब प्रभु धारा सेवन करा साधक को दिव्य रूप बनाता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु (पति) प्राप्त करा प्रभु रूप बनाता है| देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा अंतर दे साधक की रक्षा करता है|

376. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| सुधन संत साधक को अंतर ठहराता है| अंतर विराजमान संत अंतर प्रभु धारा देता है| महान संत प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

377. महान संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सदा प्राप्त होने वाला संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| सदा आने वाला संत प्रभु धारा दे आत्मा का भोजन देता है| पाप नाशक संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

378. प्रभु रूप संत सब को प्रभु धार बहा श्रेष्ठ रूप बनाता है| साधक को सोम पान करा दिव्य रूप बनाता है| प्रभु धारा सब को दे धर्म पालन कराता है| अविनाशी संत प्रभु धार बहा प्रभु वैभव देता है|

379. संत दोनो रूपों से सारे संसार का पालन करता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| कल्याणकारी संत देहधर आ प्रभु धार बहाता है|

380. सुखदाता संत पोषक धारा दे भक्ति कराता है| वचनाद युक्त संत आकर्षक प्रभु धारा से अंतर ला वासना मिटाता है| रक्षक संत प्रभु धार अंतर बहा निपुण बनाता है| अंतर सतत प्रभु धार बहाता है|

381. संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| नाद धार बहा साधक को पवित्र करता है| निपुण संत प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है|

382. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है|

383. संत आनन्द धार बहा साधक को नियंत्रण करता है|

आनन्ददायक धारा अंतर देता है| देहधर आ संत साधक को अंतर ला आकर्षक प्रभु धारा से श्रेष्ठ रूप बनाता है|

384. यह संत साधक को सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत आनन्द धार बहा चेतना देता है| प्रभु धारा दे वासना मिटा साधना कराता है|

385. यह संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| यह संत ही सतत प्रवाहित धारा दे साधक को समृद्ध कर स्तुति कराता है|

386. यह संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा दिव्य रूप बनाता है| ज्योतिष्मान देहधारी संत प्रेरक प्रभु धारा दे प्रभु महिमा गहाता है|

387. यह संत साधक (सखा) को प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन कर स्तुति कराता है| यह संत सब प्रभु धारा साधक को दे प्रभु (एक) प्राप्त कराता है|

388. सोम रूप संत नाद धारा बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे साधक को धर्म पालन कराता है|

389. यह संत केवल एक (प्रभु) की प्राप्त कराता है| सुधन संत साधक का नियंत्रण करता है| नियामक संत साधक का सुन्दर रूप बनाता है| संत प्रभु धारा देता है|

390. मित्र संत साधक को आशीष देता है| संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा से मार्ग दर्शन करने को नियंत्रण करता है|

391. संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| साधक को अंतर ला प्रभु भक्ति कराता है| वासना नाशक संत वासना मिटा साधक को औजस्वी बनाता है| कल्याणकारी संत साधक को प्रभु बैभव दे प्रभु रूप बनाता है|

392. यह संत प्रभु धारा से वासना मिटाता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर नाद धार बहाता है| संत साधक को सोम पान कराता है|

393. संत साधक को अंतर ला साधना मे तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु (पति) मिलन कराता है|

394. यह संत साधक को सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत आनन्द धार बहा चेतना देता है|

प्रभु धारा दे वासना मिटा साधना कराता है|

395. प्रभु संयुक्त संत साधक (तनय) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत साधक को हर्षाता है|

396. योग साधक संत ही प्रभु धारा से वासना मिटा साधक को अंतर ला ठहराता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है|

397. अंतर प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| दुर्मति दूर भगाता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा पाप मिटाता है|

398. संत साधक को सोम पान करा हर्षाता है| अंतर विराजमान संत आकर्षक प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत सदा प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

399. देहधर आ संत पापी को भी प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को सेवन कराता है|

400. यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| संत साधक को स्तुति कराता है| साधक को प्रभु धारा से रक्षा करता है|

401. संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

402. सर्वव्यापक संत साधक को सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है| सोम रूप संत साधक को सोम पान कराता है|

403. नर नारायण रूप संत ही साधक को प्रभु धारा देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| साधक को प्रभु नाद धारा देता है|

404. ब्रह्मज्ञानी संत चेतन नाद रूप प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत साधक (सजात्य) को नियंत्रण करता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है|

405. संत साधक को अंतर प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर औजस्वी बनाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा देता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

406. संत ही साधक को अंतर नाद धार बहाता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा कामना पूर्ण करता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

407. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| अंतरश्रुत संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है| देहधारी संत साधक को भक्ति कराता है|

408. संत साधक को सनातन प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| चेतन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है| तृप्त संत अद्भुत प्रभु धारा देता है|

409. सत्य रूप संत साधक को प्रभु धार बहाता है| अंतरश्रुत संत सोम पान कराता है| यह प्रभु धारा से प्रभु के अनेक रूप दिखलाता है| दिव्य संत आनन्द धारा दे अंतर दीप्ती और प्रभु धन देता है|

410. सत्य प्रभु रूप संत ही प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत प्रभु धार वहा साधक का अभ्युदय करता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी सुन्दर रूप बनाता है| प्रकाश रूप प्रभु धारा दे अंतर दिव्य रूप बनाता है|

411. संत प्रभु धारा दे आनन्द देता है| शक्तिशाली संत वासना मिटा साधक का नियंत्रण करता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्ति देता है| वह संत सतत प्रवाहित धारा दे निष्पाप बनाता है|

412. संत अन्दर प्रभु धार बहा साधक का नियंत्रण करता है| सतत प्रवाहित वासना नाशक धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञान देता है| प्रभु धारा से ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रकाश रूप प्रभु धारा दे अंतर दिव्य रूप बनाता है|

413. देहधर आने वाला संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक का नियंत्रण करता है| संत प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर साधक को साहसी बनाता है| वासना मिटाता है| प्रकाश रूप प्रभु धारा दे अंतर दिव्य रूप बनाता है|

414. विजयी संत सतत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण कर ऊपर लाता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सुधन संत साधक को अंतर ले जाता है| संत साधक को अंतर प्रभु धन देता है|

415. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को तृप्त करता है| अंतर विराजमान संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत भक्ति करा ब्रह्मज्ञान देता है| प्रभु संयुक्त संत धारा दे साधक का आकर्षक रूप बनाता है|

416. अंतरश्रुत संत वासना नाशक धारा से पवित्र बना जल प्रवाहित नाद धारा देता है| सुधन संत साधक का मंथन करता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा दे

साधक को ऊपर लाता है| प्रभु संयुक्त संत धारा दे साधक का आकर्षक रूप बनाता है|

417. संत अंतर सोम धार बहाता है| प्रभु धारायें अंतर बहा नियंत्रण करता है| स्वर्णिम आभा युक्त संत प्रभु धारा दे प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत सारे संसार को प्रभु प्रकाश धारा देता है|

418. प्रभु रूप संत सुखदायक तृप्ति दायक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| प्रभु कारिन्दा स्तुत्य संत प्रभु धार बहाता है| इससे दिव्य रूप बनाता है| सोम रूप संत मुझे प्रभु नाद धारा सुनाता है|

419. ज्योतिष्मान संत दीप्त प्रभु धारा सतत बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधना करा साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को जीवन संग्राम में प्रभु धारा सेवन कराता है|

420. ज्योतिष्मान संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे हर्षाता है|

421. तुरंत प्रभु धार बहा संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| प्रभु रूप संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

422. सदा देहधर आ संत साधक को अंतर ला कल्याण करता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा दक्ष बनाता है| सखा को सोम पान करा तृप्त कर हर्षाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु अन्न धारा अंतर देता है|

424. संत ही प्रभु धार बहा अंतर रथ समान देता है| साधक का नियंत्रण कर उसे अंतर ठहराता है| यह संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु मिलन सम्यक रूप से कराता है| प्रभु संयुक्त संत धारा दे साधक का आकर्षक रूप बनाता है|

425. यह ब्रह्मज्ञानी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु वैभव देता है| दीप्त संत सदा ही प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला रक्षा करता है| साधक को जीवन संग्राम में प्रभु धारा सेवन कराता है|

426. संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आठ प्रभु धारा साधक को प्राप्त कराता है| औजस्वी संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को प्रजापति बनाता है| नाद धार बहा साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

427. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता

है| रक्षक संत सनातन प्रभु धारा देता है|

428. देहधारी संत साधक को अंतर ला अन्न धारा दे साधना कराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

429. पवित्र कर्ता संत सोम धार बहाता है| पोषक धारा दे प्रभु मिलन कराता है| सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

430. सर्वव्यापक संत पवित्र सोम धारा दे साधक को दक्ष बना साधक को साधना कराता है| साधना मे अंतर अन्न धारा देता है|

431. पवित्र कर्ता संत सुन्दर प्रभु धारा दे हर्षाता है अंतर ठहराता है| सर्वज्ञ संत सोभाग्यशाली बनाता है|

432. सोम रूप संत साधक (सुत) को प्रभु धारा दे हर्षाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है|

433. सुखदाता संत साधक को सब कुछ दिखलाता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर लाता है|

434. ज्योतिष्मान संत ही साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा दक्षता देता है| रथी संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

435. रक्षक संत साधक को प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| साधक को अंतर ला विजयी बनाता है|

436. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| रक्षक संत सनातन प्रभु धारा देता है|

437. प्रभु रूप संत सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| सब प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है|

438. यह संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत सब प्रभु रूप (नाम) दिखलाता है|

439. सर्वव्यापक संत सतत प्रभु धार रथ समान बहा वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा से साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

440. अनासक्त संत प्रभु धारा रथ समान दे साधक को दीप्त रूप

बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को दीप्त बनाता है|

441. सुधन संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| कामना पूर्ण करता है| प्रभु धार बहा अंतर लाता है|

442. अंतरश्रुत संत सदा प्रभु धार बहा साधक को पवित्र बनाता है| संत सदा साधक को दिव्य रूप बनाता है|

443. संत साधक को अंतर ला नाद सुना साहसी बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

444. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| पोषक संत प्रभु धन दे साधना कराता है|

445. दीप्त संत प्रभु धार बहा साधना करा साधक को अंतर ठहराता है| स्तुत्य संत साधक को नाद धार बहाता है|

446. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी प्रभु रूप बनाता है| नाद धार बहा सेवन कराता है|

447. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा सेवन कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत पवित्र प्रभु धारा दे पवित्र करता है| दीप्त संत अंतर प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है|

448. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला रक्षा करता है| काल्याण-कारी संत साधक को जीवन संग्राम मे आ मिलता है|

449. सोभाग्यशाली संत साधक को अद्भुत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा प्रभु धन देता है|

450. स्तुत्य संत सनातन प्रभु धारा दे साधक को स्तुति कराता है| साधक को प्रभु धारा दे सिद्ध बनाता है|

451. वासना नाशक संत साधक को अंतर ला प्रभु धार बहा साधना कराता है| प्रभु धार अंतर बहाता है|

452. संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| संत सब प्रभु धारा देता है|

453. संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा अंतर ला प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है|

454. यह संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| वासना नाशक संत सतत प्रवाहित धारा देता है|

455. प्रभु रूप संत साधक को प्रभु धार बहाता है| सोम पान कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु धारा सेवन करा प्रभु रूप बनाता है|

456. संत सब प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत साधक को नियंत्रण कर चार प्रभु धारा देता है|

457. महान संत तीन सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे साधक को तृप्त करता है| सतत प्रवाहित प्रभु अंतर दे सोम पान कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक (सुत) को दे प्रभु रूप बनाता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा भक्ति सफल कराता है| संत प्रभु धार बहा इनसे प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

458. संत अनेक प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे धर्म पालन कराता है| समकालीन संत प्रभु धार बहा वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| अविनाशी संत साधक को अंतर ला नाद धार बहाता है|

459. संत जीवन संग्राम मे साधक की रक्षा करता है| उसे ऊपर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत साधक को सब प्रभु धारा का स्वामी बनाता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| पिता (संत) साधक (पुत्र) का मार्ग दर्शन करता है|

460. तृप्त संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| साधना मे साधक को प्रभु धारा से नियंत्रण कर शक्तिशाली बनाता है| महान संत नाद धार बहा प्रभु मिलन कराता है| वासना नाशक संत सब प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन कर प्रभु बैभव देता है|

461. सिद्ध संत सनातन अग्नि रूप प्रभु धारा देता है| वह सतत प्रवाहित नाद धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है| अंतरश्रुत संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से ऊपर ला ठहराता है और साधना सफल बनाता है|

462. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| शक्तिशाली संत वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है| नाद धार सुना प्रभु नियम पालन कराता है|

463. प्रभु कारिन्दा संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक (सुत) को सोम पान करा पवित्र करता है| सोम रूप संत सोम पिला नियत्रण करता है|

464. संत प्रभु धारा बहा साधक को अंतर लाता है| सर्वज्ञ संत सत्य रूप प्रभु धार बहा साधक को तृप्त कर प्रभु धन देता है| अंतर

विराजमान संत प्रभु धार बहाता है| स्वर्णिम आभायुक्त संत साधक का अभिमान मिटाता है|

465. ब्रह्मज्ञानी संत प्रेरक अग्नि समान प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| महान संत ज्ञानमयी प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| यह संत दया कर प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| पवित्र संत प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

466. नर नारायण रूप संत प्रभु धारा का स्वामी बना साधक को अंतर लाता है| संत सदा ही सनातन प्रभु धारा अंतर दे वचनाद सुनाता है| साहसी संत प्रभु धार बहा वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है| औजस्वी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे ऊर्जा देता है| प्रभु धार बहा सेवन करा भक्ति कराता है|

467. साधक को अंतर ला प्रभु धारा दे तृप्त करता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

468. आनन्ददाता संत आनन्द दायक प्रभु धारा देता है| पवित्र करनेवाला सोमरस प्राप्त कराता है| संत साधक (सुत) का पालन कर उसे प्रभु रूप बनाता है|

469. सुखदाता संत सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| सब प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है|

470. यह संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| प्रभु धारा दे पवित्र कर तृप्त करता है| संत प्रभु धार बहा पाप मिटाता है|

471. सदा देहधर आ संत वचनाद सुना अंतर लाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| आकर्षक संत सदा नाद धार बहाता है|

472. संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत सोम पान कराता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

473. निपुण संत साधक को अंतर ला आनन्द देता है| दीप्त संत साधक को अंतर ठहराता है|

474. पवित्र सोम साधक को दक्ष बनाता है| आकर्षक संत सोम पान करा प्रभु प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है|

475. संत नाद धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत सोम पान कराता है| सब प्रभु धारा बहा हर्षाता है|

476. सर्वज्ञ संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| सदा रहने वला संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा प्राप्त

कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधना सफल कराता है|

477. सोम रूप संत सोम धार बहाता है| अंतरश्रुत संत साधक को समृद्ध करता है| साधक को साधना कराता है|

478. देहधारी सोम रूप संत सब कुछ अंतर दिखलाता है| अंतर प्रभु धारा देता है| अंतर सतत प्रवाहित धारा देता है|

479. पवित्र कर्ता संत साधक (सुत्) को प्रभु धारा बहाता है| इससे साधक को यशस्वी बनाता है| सब पाप अंतर मिटाता है|

480. सुखदाता संत ही प्रभु धारा देता है| साधक को दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ठहराता है|

481. सोम धारा पवित्र कर साधक को चेतना देती है| तृप्ति दायक सोम ब्रह्मज्ञान धारा देता है| प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है|

482. देहधारी संत अन्न धारा बहाता है| सर्वव्यापक संत नाद धार बहा साधक को सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

483. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे हर्षाता है| नाद धार से अंतर ला धर्म पालन कराता है|

484. पवित्र कर्ता संत साधक प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे सब का मार्ग दर्शन करता है|

485. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा देता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे हर्षाता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है|

486. सर्वज्ञ संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

487. अंतर प्रभु धारा देता है| नाद धार बहा साधक (अंग) की वासना मिटाता है| संत सोम पान कराता है|

488. अंतरश्रुत संत साधक को नाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधना सफल बनाता है| साधक को बांसुरी की धुन सुनाता है|

489. साधक को अंतर ला सब प्रभु धारा देता है| वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

490. प्रभु रूप संत प्रभु धारा रथ समान देता है| पवित्र सोम साधक (सुत) को तृप्त करता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

491. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु रूप संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

492. पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ले जाकर वासना मिटाता है| सोम रूप आनन्ददायक धारा दे साधना कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है|

493. यह संत सोम पान कराता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

494. संत सोम पान करा साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

495. यह संत प्रभु धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| संत प्रभु धारा दे हर्षाता है| रक्षक संत सब वासना मिटाता है|

496. संत साधक को प्रभु धार बहाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है|

497. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

498. आनन्ददाता संत प्रभु धारा दे दक्ष बनाता है| साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

499. सिद्ध संत साधक (सुत) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सोम धार से वासना मिटाता है| साधक को पालन कर प्रभु रूप बनाता है|

500. सदा देहधर आ संत आनन्ददायक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| सदा देहधर आ संत आनन्द-दायक प्रभु धारा देता है|

501. पवित्र कर्ता संत अनेक प्रभु धारा देता है| सोम धारा प्रभु बैभव दे वर्चस्वी बनाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है|

502. सनातन संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अद्भुत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु धा-रा दे प्रभु मिलन कराता है|

503. वासना नाशक संत सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

504. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सुखदाता संत साधक को प्रभु धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| सुखदाता संत साधक को नियंत्रण कर धर्म पालन कराता है|

505. तृप्त संत प्रभु धार बहाता है| वासना नाशक संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सोम पान करा अंतर लाता है|

506. आनन्ददाता संत सोम पान कराता है| सुखदाता संत पवित्र कर प्रभु मिलन कराता है|सतत प्रवाहित धारा साधक को प्राप्त कराता है|

507. संत सोम धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु धारा से चेतना देता है| प्रभु धारा दे आनन्द देता है|

508. संत सब संसार को सोम पान करा चेतना देता है| सब को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

509 .संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| इससे वासना मिटाता है| संत प्रभु धार बहाता है|

510. संत सोम पान करा अंतर वासना मिटाता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

511 .पवित्र कर्ता संत अंतर सोम धार बहाता है| अंतर विराजमान संत वासना मिटाता है| प्रभु बैभव दे अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा स्वर्णिम रूप बनात हैं|

512. देहधारी संत साधक को सोम पान करा तृप्त करता है| अंतर मार्ग दर्शन कर अंतर ठहराता है| सिद्ध संत सोम पान कराता है|

513. सिद्ध संत सोम पान करा साधक को अंतर लाता है| साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत प्रभु अन्न धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| सदा साधक को अंतर ठहराता है|

514. देहधारी संत साधक को सोम पान करा तृप्त करता है| अंतर मार्ग दर्शन कर अंतर ठहराता है| सिद्ध संत सोम पान कराता है|

515. सोम रूप सिद्ध संत साधक को अंतर ला साधना कराता है| साधक को नाद धार बहाता है| सर्वव्यापक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| आनन्ददायक संत प्रभु धारा देता है|

516. नर नारायण रूप संत नाद धार बहा सोम पान कराता है| सब को प्रभु धारा देता है| दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| रक्षक संत साधना मे प्रभु धारा देता है|

517. वासना नाशक संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु मिलन

कराता है| वचनाद सुनाता है| प्रभु धार बहा स्वर्णिम् रूप बनाता है| पवित्र प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

518. देहधारी सोम रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| आनन्ददायक धारा दे हर्षाता है| साधक को अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर ठहराता है|

519. पवित्र कर्ता संत साधक को सोम पान करा चेतन रूप बनाता है| श्रेष्ठ संत तृप्ति दायक धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक (अंग) को प्रभु धारा देता है| सोम रूप संत प्रभु मिलन कराता है|

520. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सदा देहधर आ संत साधक को प्रभु धारा देता है| अनेक रूप वाला संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

521. देहधारी संत पवित्र धारा बहा साधक को साधना कराता है| अंतरश्रुत संत सब प्रभु धारा देता है| संत सदा प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| सोम पान करा हर्षाता है प्रभु मिलन कराता है|

522. पवित्र कर्ता संत पवित्र प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत साधक को हर्षाता है| सिद्ध संत तृप्ति दायक धारा देता है|

523. मार्ग दर्शक संत साधक (अंश) को प्रभु धार बहा अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत अन्न धार बहा वासना मिटाता है| वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे सदा साधक को अंतर ले जाता है|

524. कमनीय संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| पवित्र संत पवित्र धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| बारह प्रभु रूप दिखला प्रभु (पद) प्राप्त कराता है|

525. सदा देहधर आ संत वचनाद सुना प्रभु रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत ब्रह्मज्ञान धारा देता है| तृप्त संत नाद धार बहाता है| ब्रह्मज्ञानी संत सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है|

526. संत प्रभु धारा दे पवित्र करता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु पुत्र संत सोम पान करा प्रभु वैभव देता है| अंतर विराजमान संत प्रेरक प्रभु धारा से अंतर ठहराता है|

527. सोम रूप संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे

प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

528. देहधारी संत तीन प्रभु धारा अंतर दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| साधक को अंतर नाद धार बहाता है| अंतर विराजमान संत नाद धार बहा प्रभु मिलन कराता है| सुधन संत साधक को प्रभु बैभव देता है|

529. संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धार वहा अंतर सोम पान कराता है| सेवनीय संत प्रभु धार बहा पालन करता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

530. आकर्षक संत नाद धार बहाता है| पवित्र धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| मार्ग दर्शक प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

531. संत प्रभु धारा से सोम पान कराता है| सुखदायक संत सोम धारा अंतर बहाता है| वासना नाशक संत अनेक प्रभु धारा अंतर देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

532. पवित्र कर्ता सोम रूप संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ठहराता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| आनन्ददाता संत सोम पान कराता है|

533. शक्तिशाली संत सदा प्रभु धारा रथ समान दे मार्ग दर्शन करता है| प्रभु धारा दे हर्षाता है| सखावत साधक को प्रभु धारा दे कल्याण करता है| सोम रूप संत साधक को प्रभु धारा से आच्छा-दित करता है|

534. संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है| पवित्र धारा अंतर दे ब्रह्मज्ञान देता है| दीप्त संत प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है|

535. संत पवित्र प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु बैभव धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा रथ समान दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| साधक को अंतर ला प्रभु धन देता है|

536. देहधारी संत प्रभु धारा रथ समान देता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| सब प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है|

537. कल्याणकारी संत प्रभु धारा से आच्छादित कर अंतर ठहराता है| सर्वज्ञ संत नाद धार बहा नियंत्रण करता है| वचनाद सुना पवित्र कर तृप्त करता है| सर्वज्ञ

संत चेतन प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है|

538. सदा देहधर आ संत अंतर वासना मिटा साधक को दशावतार रूप बनाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा अंतर प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

539. शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| सर्वव्यापक संत अंतर नाद धार बहा साधक का पालन करता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

540. शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे साधक की रक्षा करता है| संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है| रक्षक संत वासना मिटा प्रभु धार बहा निष्काम सेवा कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहाता है|

541. संत साधक को अंतर ला प्रभु बैभव देता है| अंतर सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

542. सोम रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धारा से अंतर लाता है| संत पवित्र धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| ज्योतिष्मान संत सोम पान करा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

543. देहधर आ संत नाद धार बहाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे सदा साधना कराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

544 .गतिशील संत वासना नाशक प्रभु धारा अंतर देता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| तृप्त संत अंतर प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

545. विजयी संत अन्न धारा देता है| साधक को प्रभु धारा दे हर्षाता है| अंतर प्रभु धारा दे साधना कराता है| मित्र संत सतत प्रभु धार बहाता है|

546. संत पोषक धारा दे साधक को प्रभु बैभव देता है| सोम रूप संत पवित्र धारा बहाता है| प्रभु धारा दे सब को प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| नर नारायण रूप संत सब को प्रभु धारा देता है|

547. संत साधक को सोम पान कराता है| सोम रूप संत साधक को आनन्दधारा दे प्रभु रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है|

548. सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत नाद धारा बहाता है| दीप्त संत साधक को प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ठहराता है|

549. देहधारी संत मुझे प्रभु धारा सेवन कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| अनेक प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त प्रभु धारा दे साहसी बनाता है|

550. देहधारी संत प्रभु धार बहा द्रोह मिटाता है| तृप्ति दायक प्रभु धारा दे कमनीय प्रभु रूप बनाता है| अविनाशी संत साधक (वत्स) को अविनाशी जीवन देता है| प्रभु धारा दे साधक को पालन करता है|

551. आकर्षक संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| अंतर प्रभु धारा दे पालन करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा बहा साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

552. संत साधक को आकर्षक प्रभु धारा देता है| पवित्र धारा दे दीप्त रूप बनाता है| यह संत प्रभु धारा बहाता है| आनन्ददायक प्रभु धारा दे साहसी बनाता है|

553. सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधक को प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| तृप्त संत साधक को हर्षाता है|

554. देहधारी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा सेवन कराता है| साधक को नाम दे दीप्त रूप बनाता है| महान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अद्भुत संत प्रभु धारा रथ समान देता है|

555. संत नाद धारा बहा सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है| त्रिदेव संत साधक को अंतर ला प्रभु (सत्य) रूप बनाता है| संत नाव समान साधक को भवसागर पार कराता है|

556. संत साधक को सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| वासना नाशक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| देहधारी संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| अंतरश्रुत संत सोम पान करा वासना मिटाता है|

557. देहधर आ संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| मित्र संत साधक को प्रभु धारा दे रक्षा करता है| संत साधक को प्रभु धार बहाता है| सोम रूप संत साधक को प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है|

558. यामक संत सोम धारा बहा साधक को नियंत्रण करता है| निपुण संत प्रभु धारा अंतर बहा मार्ग दर्शन करता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| निष्काम संत प्रभु धार बहा साधक को बलशाली बनाता है|

559. सुखदाता संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

560. त्रिदेव संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| सनातन प्रभु धारा दे अंतर लाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहाता है|

561. संत साधक को सोम पान करा वासना मिटा प्रभु रूप बनाता है| साहसी संत साधक की रक्षा करता है| नर नारायण रूप संत साधक को सोम पान कराता है| अंतर विराजमान संत साधना मे सोम पान कराता है|

562. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को दिव्य रूप बनाता है| आकर्षक संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

563. देहधारी संत साधक को सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा सेवन कराता है| अंतर विराजमान संत वचनाद सुना साधक को अंतर लाता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

564. सर्वव्यापक संत प्रभु धार बहा साधक को दिव्य रूप बनाता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है| संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| वासना मिटा साधक को साधना कराता है|

565. ब्रह्मज्ञानी संत पवित्र प्रभु धार बहाता है| सब प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्ति कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु धारा सेवन कराता है| सिद्ध संत ही प्रभु धारा सेवन कराता है|

566. देहधारी संत साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत सुखदायक धारा देता है| अंतरश्रुत संत सोम पान करा अंतर ठहराता है|

567. संत साधक को अंतर सोम पान करा चेतन रूप बनाता है| संत सोम धार बहाता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

568. संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा पवित्र

करता है| साधक (शिशु) को प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है|

569. सखा संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| नाद धार बहा पवित्र करता है| साधक (शिशु) को अंतर प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है|

570. सिद्ध संत साधक (शिशु) को प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत सब प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है|

571. पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| सदा आने वाला संत साधक को औजस्वी बनाता है| सदा साधक को सोम पान कराता है|

572. सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा साधक को देता है| श्रेष्ठ प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है| सदा वचनाद सुना साधक को पवित्र करता है|

573. संत साधक को पवित्र धारा दे साधना कराता है| वचनाद सुना सोम पान कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

574. सखा संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| नाद धार बहा पवित्र करता है| साधक (शिशु) को अंतर प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है|

575. देहधारी संत साधक को प्रभु नाद सेवन करा प्रभु बैभव देता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

576. देहधारी संत साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत सुखदायक धारा देता है| अंतरश्रुत संत सोम पान करा अंतर ठहराता है|

577. देहधारी संत साधक को सोम पान कराता है| साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधारी संत नाद धार बहा शाश्वत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

578. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम रूप संत साधना करा हर्षाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे हर्षाता है|

579. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु मिलन कराता है| साधक को अंतर प्रभु धारा देता है|

580. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| रक्षक संत सनातन प्रभु धारा देता है|

581. संत साधक को अंतर प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है|

582. संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| संत मार्ग दर्शन कर प्रभु भक्ति कराता है| संत सोम पान कराता है|

583. दिव्य संत साधक (अंग) को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| अंतर प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| शंखनाद ध्वनि सुना पवित्र करता है|

584. संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| आनन्द धारा दे पालन करता है| अंतर प्रभु धारा दे पोषण करता है|

585. सदा देहधर आ संत अंतर दीप्त प्रभु धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे औजस्वी वनाता है| साधक को अंतर ला नाद धार सुनाता है| कवच समान संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

586. संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा पालन करता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| नर नारायण रूप संत सब को प्रभु धारा देता है|

587. संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| अंतर साधक को दिव्यता देता है| प्रभु रूप संत प्रभु वैभव दे साधक को नियंत्रण करता है| दीप्त संत अंतर प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

588. देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

589. संत उत्तम मध्यम नीच कर्म मिटाता है| साधक को अंतर ठहराता है| अनादि संत प्रभु धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| प्रभु धार बहा अविनाशी रूप बनाता है|

590. नर नारायण रूप संत साधक को अंतर ला सोम पान कराता है| जीवन संग्राम मे प्रभु धारा दे अविनाशी जीवन देता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहाता है| संत नाद एवं प्रभु प्रकाश धारा है|

591. संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

592. संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| प्रभु धार बहा निष्काम सेवा कराता है|

593. संत सब प्रभु धारा अंतर दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु धार बहाता है|

594. संत सदा ही साधक को प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| अविनाशी संत साधक को सोम पान करा प्रभु रूप (नाम) दिखला प्रभु प्राप्त कराता है| संत साधक को नियंत्रण कर रक्षा करता है| प्रभु धारा सेवन कराता है|

595. संत प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत साधक को अंतर ठहराता है| सोम पान करा वासना मिटाता है|

596. देहधारी संत सदा वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| सब को शक्तिशाली प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सर्वज्ञ संत पोषक प्रभु धारा अंतर देता है|

597. संत आकर्षक प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभुमय संत साधक को वचनाद सुनाता है| संत साधक को वज्र धारण करा स्वर्णिम रूप बनाता है|

598. (संत) हमें सतत प्रवहित धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| हमें जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है|

599. सदा संत प्रभु धारा दे प्रभु रूप (नाम) दिखलाता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे तृप्त करता है| यामक संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| तृप्त संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

600. सदा देहधर आ संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से साधक को शक्तिशाली बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

601. अनादि संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा प्रभु धन देता है| सदा साधक को अंतर ला ठहराता है|

602. अनादि संत साधक को वर्चस्वी बनाता है| अनादि संत सोम पान करा प्रभु मिलन कराता है| प्रजापति संत साधक को अंतर ला वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है|

603. शक्तिशाली संत सब प्रभु धार अंतर दे अंतर ठहराता है| प्रभु धार बहा अभिमान मिटाता है| अंतर विराजमान संत अंतर सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा साधक का नियंत्रण करता है|

604. वासना नाशक संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| सब प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है| संत प्रभु धार बहा अंतर ला दीप्त रूप बना साधना कराता है|

605. प्रभु अभिव्यक्त अग्नि समान धारा प्रभु भक्ति कराती है| स्वयं

प्रकट होती है| प्रभु से मिलाती है प्रभु से प्रकट होती है| प्रेरक दाता ग्रहिता है| प्रभु वैभव देती है|

606. ब्रह्मज्ञानी संत सदा ही प्रभु धारा दे सब प्रभु रूप (नाम) दिखलाता है| अविनाशी माता समान संत श्रेष्ठ प्रभु धारा बहाता है| देहधर आ संत प्रभु धारा दे सेवन कराता है| रक्षक संत प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है|

607. अविनाशी संत प्रभु धार बहा साधक को अविनाशी जीवन देता है| सनातन प्रभु धारा दे प्रभु धार बहाता है| पवित्र कर्ता संत पवित्र करनेवाली धारा अंतर देता है| साधक को अंतर ठहराता है|

608. कल्याणकारी संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को दीप्त प्रभु धारा देता है| कल्याणकारी संत प्रभु धार बहा सब को साधना मे दीप्त रूप बनाता है|

609. सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| वर्चस्वी संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| विश्वज्योति संत ब्रह्मज्ञान धारा दे पवित्र करता है| सोम रूप संत प्रभु धारा से रक्षा कर दीप्त रूप बनाता है|

610. देहधारी संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला साधना कराता है| श्रेष्ठ संत अंतर (पर्वत) प्रभु धारा बहाता है| द्विज संत प्रभु धारा बहा प्रभु मिलन कराता है|

611. यशस्वी संत सब को प्रभु धारा दे अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| यशस्वी संत सोभाग्य दे वासना मिटाता है| यशस्वी संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर दीप्त रूप बनाता है|

612. देहधारी संत प्रभु वचनाद धारा सुना वर्चस्वी प्रभु रूप बनाता है| सदा प्रभु धारा देकर वासना (वज्र) मिटाता है| प्रभु धारा दे मन को नियंत्रण करता है| देहधारी संत प्रभु धारा से मन को ऊपर लाता है|

613. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर अमृत पान कराता है| दिव्य संत प्रभु धार बहा दिव्य रूप बनाता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार सेवन करा धर्म पालन कराता है| प्रभु को सम्यक प्राप्त कराता है|

614. ज्योतिष्मान संत सदा प्रभु धार बहा ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रभु धार बहा प्रभु (पद) मिलन कराता है| संत अंतर सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है|

615. ज्योतिष्मान संत दीप्त प्रभु धारा दे साधना कराता है| प्रभु धारा अंतर दे ठहराता है| ज्योतिष्मान संत सोम पान कराता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

616. सुखदाता संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा अविनाशी जीवन देता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| सदा प्रभु धार बहाता है|

617. संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| साधक को नियंत्रण कर अन्न धारा सेवन करा अंतर ठहराता है| तृप्त संत प्रेरक प्रभु धारा दे वरणीय रूप बनाता है| देहधर आ संत सब को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

618. संत तीन प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धारा सेवन करा अविनाशी जीवन देता है|

619. संत सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| साधक को सोम पान करा नियंत्रण करता है| प्रभु अन्न धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

620. साधक को साधना कराने को प्रभु धार बहाता है| साधक को सतत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा से सब प्रकट करता है| तीन प्रभु धारा दे अंतर सोम पान कराता है|

621. प्रभु धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| दीप्त संत अंतर पुरुष रूप मे आता है| देहधर आ संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| अनादि संत पापी को भी सनातन प्रभु धारा देता है|

622. ब्रह्मज्ञानी संत सब को प्रभु धारा सेवन कराता है| संत सदा प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| सब को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा से पाप मिटाता है|

623. आकर्षकसंत नाद धार बहाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| स्तुत्य संत नाद धार बहाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

624. वर्चस्वी संत स्वर्णिम प्रभु धारा देता है| साधक को वर्चस्वी बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत वचनाद सुना साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को प्रभु धार बहाता है|

625. साहसी संत प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| यामक संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला ठहराता है दीप्त रूप बनाता है|

वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

626. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| सब प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे सब कुछ दिखलाता है|

627. ज्योतिष्मान संत पवित्र प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी जीवन देता है| सतत प्रभु धार बहा साधक को तृप्त करता है| दीप्त संत सब बाधा दूर भगाता है|

628. दीप्त संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा दीप्त रूप बनाता है|

629. संत अद्भुत प्राणदायक प्रभु धारा दे साधक को ऊपर लाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु रूप बनाने को साधक की वासना मिटाता है| सदा देहधर आने वाला संत सब को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| सब को अंतर ला ठहराता है|

630. ज्योतिष्मान संत प्रभु प्राप्त मार्ग पर चलाता है| वह सतत प्रवाहित वायु समान नाद सुना ब्रह्मज्ञान देता है| वह प्रभु धार बहा वासना मिटाता है और हमे आत्मा का भोजन देता है|

631. सदा आने वाला संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| वह प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| वह प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| वह साधक का नियंत्रण कर उसे हर्षाता है|

632. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक के जीवन संग्राम मे देता है| वह साधक को दिव्यता देता है| संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र बनाता है| वह सोम पान कराता है|

633. नर नारायण रूप संत साधक को ऊपर ला प्रभु रूप बनाता है| प्रभु रूप संत साधना मे तारा दिखलाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

634. दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| दीप्त संत साधक को नियंत्रण कर अंतर लाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

635. साधना सिद्ध संत सब प्रभु रूप अंतर दिखलाता है| अपना रूप अंतर दिखला विश्वास बना प्रभु प्राप्त कराता है| सब प्रभु रूपों को अंतर प्रकट करता है|

636. साधक को प्रत्यक्ष प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु धारा दे ऊपर लाता है| सतत प्रवाहित धारा दे अंतर ला ठहराता है|

637. सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र बनाता है| प्रभु धारा से साधक को तृप्त करता है| साधक को प्रभु नाद धारा सुनाता है|

638. देहधारी संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधना मे साधक को दिव्यता देता है| प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

639. प्रभु धारा से पवित्र कर ऊपर ला ठहराता है| अंतर मे प्रभु धारा से प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

640. आकर्षक संत प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है| साधक को रथ प्रभु धारा मे ऊपर ला प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| पवित्र करने वाली प्रभु धारा देता है|

641. देहधारी संत प्रभु धन देता है| नाद धार बहा नियत्रण करता है| ब्रह्मज्ञानी संत पवित्र करता है| सनातन प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

642. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| अविनाशी संत प्रभु धार बहा साधक को सेवन करा दीप्त रूप बनाता है|

643. संत ही शक्तिशाली प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| महान संत वासना नाशक प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

644. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा प्रभु धन देता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बना प्रभु (पति) मिलन कराता है| महान संत वासना नाशक प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है|

645. यह महान संत प्रभु धन दे पवित्र करता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

646. यामक संत ही प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे विजयी बनाता है| संत प्रभु धारा दे द्वेष मिटाता है| प्रभु धार बहा प्रभु रूप बनाता है|

647. सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा दे विजयी बनाता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| द्वेष मिटाता है|

648. अविनाशी संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे अंतर

लाता है| साधक को नियंत्रण करता है| दीप्त संत प्रभु धार बहा साधना कराता है|

649. देहधारी संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बना अंतर ठहराता है|

650. संत ही प्रभु धारा देता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| संत ही पोषक प्रभु धारा देता है| संत ही प्रभु मिलन कराता है|

651. मार्ग दर्शक संत प्रभु नाद धारा अंतर देता है| पवित्र कर्ता संत अंतर नाद प्रवाहित करता है| देह-धारी संत प्रभु धारा प्राप्त कराता है|

652. देहधारी संत प्रभु धारा से सोम पान कराता है| अविचल संत साधक को दीप्त रुप बनाता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा से प्रभु प्राप्त कराता है|

653. संत पवित्र धारा दे वासना मिटाता है| अंतर्श्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक की वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है|

654. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को पेरणा देता है| सोम रूप संत साधक को नाद बहुल्य सोम पिला शक्तिशाली बनाता है|

655. देहधारी संत प्रेरक प्रभु धारा देता है| अन्न धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

656. प्रभु रूप सोम साधक का कल्याण करता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा अंतर देता है| पवित्र करता संत प्रभु मिलन कराता है|

657. सोम धारा पवित्र कर साधक को चेतना देती है| तृप्ति दायक सोम ब्रह्मज्ञान धारा देता है| प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है|

658. संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

659. संत साधक की वासना मिटा पवित्र करता है| आनन्द धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है|

660. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| यामक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रेरक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

661. प्रभु पुत्र संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा सतत प्रवाहित करता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु मिलन कराता है|

662. संत सदा ही प्रभु नाद धार बहाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को वर्चस्वी बनाता है|

663. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| सोम रूप संत वासना मिटा साधना कराता है|

664. यामक संत प्रभु धारा दे सेवन कराता है| महान ज्योतिष्मान संत दक्षता देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है|

665. वासना नाशक संत साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धारा से आच्छादित कर अंतर ला ठहराता है| सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है|

666. अंतर विराजमान संत ही प्रभु धारा प्राप्त कराता है| संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु धारा से सदा साधक को अंतर ला ठहराता है|

667. आकर्षक संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| संत दीप्त प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को अंतर ला नाद धार सुनाता है|

668. ब्रह्मज्ञानी संत साधक को प्रभु धारा देता है| संत साधक को सोम पान करा सोम रूप बनाता है| प्रभु संयुक्त युक्त संत प्रभु धारा देता हैं|

669. सतत प्रवाहित प्रकाश प्रभु धारा साधक (सुत) को प्राप्त होती है| प्रभु नाद धारा से साधक को अंतर ला दिव्य रूप बनाता है| सिद्ध संत प्रभु नाद धारा सेवन करा साधक की रक्षा करता है|

670. सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा साधक को भक्ति करा प्रभु मिलन कराती है| साधक को चेतन रूप बनाती है| यह संत प्रभु धारा से साधक (सुत) की रक्षा करता है|

671. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा नाद धारा से मिलाती है| प्रभु मिलन करा दिव्य रूप बनाती हैं| प्रभु धार सेवन करा सोम पान कराती है|

672. साधक को अंतर ला प्रभु धारा दे तृप्त करता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता हैं|

673. संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| प्रभु धार बहा निष्काम सेवा कराता है|

674. संत सब प्रभु धारा अंतर दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु धार बहाता है|

675. पवित्र कर्ता संत अंतर सोम धार बहाता है| अंतर विराजमान संत वासना मिटाता है| प्रभु बैभव दे अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा स्वर्णिम रूप बनाता है|

676. संत साधक को ऊपर ला प्रभु धारा से सोम पान कराता है| सनातन प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| अंतर अन्न धारा दे नियंत्रण करता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

677. मार्ग दर्शक संत साधक (अंश) को प्रभु धार बहा अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत अन्न धार बहा वासना मिटाता है| वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे सदा साधक को अंतर ले जाता है|

678. सदा गतिशील संत प्रभु धार बहा साधना मे साधक की रक्षा करता है| अंतर ठहरा रक्षा करता है| पोषक संत प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता हैं| आश्रयदाता संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

679. संत ब्रह्मज्ञान धारा दे साधक को अंतर लाता है| प्रभु रूप संत दिव्य धारा बहा नाद धारा बहाता है| संत चेतन प्रभु धार बहा साधक को तृप्त करता है| अंतर प्रभु धारा दे प्रभु रूप दिखलाता है|

680. देहधारी संत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सोम रूप संत सोम पान कराता है| यामक संत प्रभु धार बहा नियंत्रण करता है| संत साधक को अंतर ठहराता है|

681. देहधारी संत प्राण प्रद प्रभु धारा साधक को दे दिव्य रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु वैभव देता है| शक्तिशाली संत प्रभु नाद धारा सेवन कराता है|

682. यह सुखदाता संत अद्भुत प्रभु धार बहा रक्षा करता है| मित्र संत सदा प्रभु धार बहाता है| यह सुखदाता संत प्रभु धारा से साधक को आच्छादित कर पवित्र बनाता है|

683. सुखदाता संत आनन्द दायक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु (सत्य) मिलन कराता है| महान संत आनन्द दायक धारा दे तृप्त करता है| शक्तिशाली संत चेतन प्रभु धारा से वासना मिटा प्रभु वैभव देता है|

684. देहधारी संत दयामयी प्रभु धार बहाता है| रक्षक संत साधना कराता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है|

685. सुधन संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को सेवन करा हर्षाता है| साधक को अंतर ला

प्रभु धार बहाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधक को अनासक्त बनाता है|

686. दयालु संत जल प्रवाहित नाद धार बहा साधक को शक्ति-शाली बनाता है| तृप्त करता है| वासना नाशक अनेक धारा अंतर देता है| तुरंत देहधर आ संत नाद धार बहाता है|

687. योग साधक संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक (सुत) को सोम पान कराता है| साधक को तृप्त करता है|

688. देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| साधक को आनन्ददायक प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| श्रेष्ठ संत साधक को अंतर ला ठहराता है| दयालु संत नाद धार बहा साधना कराता है|

689. आनन्ददाता संत आनन्द दायक प्रभु धारा देता है| पवित्र करनेवाला सोमरस प्राप्त कराता है| संत साधक (सुत) का पालन कर उसे प्रभु रूप बनाता है|

690. वासना नाशक संत सब प्रभु धारा प्राप्त कराता है| देहधारी संत साधक को अंतर ला हर्षाता है| सतत प्रवाहित सोम धारा साधक को अंतर ला ठहराती है|

691. निष्काम संत साधक को नियंत्रण करता है| सतत प्रवाहित धारा दे वासना मिटाता है| वासना मिटा दीप्त बना वैभव देता है|

692. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम रूप संत साधना करा हर्षाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे हर्षाता है|

693. संत सतत प्रवाहित प्रकाश प्रभु धारा सब को बहाता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सोम रूप संत प्रभु धारा से साधक की रक्षा करता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु मिलन कराता है|

694. रक्षक संत प्रभु की ज्योति धारा दे वासना मिटाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| सुधन संत प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है| दयालु संत सब प्रभु धारा दे पाप मिटाता है|

695. देहधर आ संत प्रभु धार बहा भक्ति कराता है| संत वासना मिटा कल्याण करता है| सुधन संत प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है| दयालु संत सब प्रभु धारा दे पाप मिटाता है|

696. रक्षक संत पोषक प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| प्रभु पुत्र संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| सुधन संत प्रभु धारा

रथ समान प्राप्त कराता है| दयालु संत सब प्रभु धारा दे पाप मिटाता है|

697. सुखदाता संत पोषक धारा दे भक्ति कराता है| वचनाद युक्त संत आकर्षक प्रभु धारा से अंतर ला वासना मिटाता है| रक्षक संत प्रभु धार अंतर बहा निपुण बनाता है| अंतर सतत प्रभु धार बहाता है|

698. यह संत प्रभु धार बहा क्रोध मिटा तृप्त करता है| यह मन को प्रभु धारा से पवित्र कर प्रभु नियम मे चलाता है| यह संत वासना नाशक प्रभु धारा दे संसार से अलग कराता है| साधक को अंतर प्रभु धारा देता है|

699. यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सब का पालन करता है| यह नाद सुना प्रभु नियम पालन कराता है प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा से प्रभु नियम पालन करा प्रभु रूप बनाने को प्रभु मिलन कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को देता है|

700. देहधारी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा सेवन कराता है| साधक को नाम दे दीप्त रूप बनाता है| महान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अद्भुत संत प्रभु धारा रथ समान देता है|

701. संत सोम पान करा साधक को तृप्त कर प्रभु रूप बनाता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना मे प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| साधक (पुत्र) को सोम पान करा प्रभु स्वरुप दिखलाता है| अंतर तीसरे नेत्र मे दीप्त रूप बनाता है|

702. रक्षक संत चेतन प्रभु धारा प्रभु से प्राप्त कराता है| मार्ग दर्शक संत साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार सेवन करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

703. ज्योतिष्मान संत साधक और पापी सब को प्रभु जल प्रवाहित नाद धारा दे दक्षता देता है| सदा देहधर आ संत तृप्ति दायक प्रभु धारा दे अमृत पान कराता है| ब्रह्मज्ञान धारा से नियंत्रण कर दीप्त रूप बनाता है|

704. शक्तिशाली संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को समर्पणशील बनाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| रक्षक संत देहधर आ साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक की रक्षा करता है|

705. प्रभु सन्देश वाहक संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत साधक को प्रभु धार प्राप्त कराता है| प्रभु नाद धारा दे स्तुति करा ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

706. सुखदाता संत साधना मे ब्रह्मज्ञान धारा देता है| साधक को अंतर ला दक्षता देता है| साधना मे साधक को अंतर ला ठहराता है|

707. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु वैभव देता है| अनादि संत प्रभु धारा अंतर बहा साधना कराता है|

708. संत साधक को सनातन प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| चेतन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है| तृप्त संत अद्भुत प्रभु धारा देता है|

709. संत साधक को अंतर ला कर्म बन्धन मिटा रक्षा करता है| संत प्रभु धारा बहा वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे वासना मिटा भवसागर पार कराता है| साधक को साधना कराता है|

710. संत ही साधक को अंतर नाद धार बहाता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा कामना पूर्ण करता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

711. श्रेष्ठ संत साधक को प्रभु धार बहा ज्ञान धारा देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है|

712. आकर्षक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु मिलन कराता है| संत वचनाद सुनाता है|

713. रक्षक संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| सब प्रभु धार बहा सब को साधना कराता है|

714. सतत प्रवाहित प्रभु नाद धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत सदा ही नाद धार बहाता है|

715. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| दयालु संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

716. देहधारी संत आनन्द धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा अंतर-श्रुत बनाता है| साधक (सखा) को सोम पान कराता है|

717. दयालु संत प्रभु नाद धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा मार्ग दर्शन करता है| सदा देहधर आ संत सत्य प्रभु रूप धारा से दीप्त रूप बनाता है|

718. संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| नाद धार बहा साधना कराता है| स्वर्णिम आभायुक्त संत प्रभु धार बहाता है|

719. संत प्रभु धारा दे साधक की मनो कामना पूर्ण करता है| साधक (सखा) को प्रभु धारा अंतर देता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा साधना कराता है|

720. संत ही नाद धार बहा साधक का पालन करता है| वासना नाशक संत अंतर ला ठहराता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है|

721. संत प्रभु को अंतर प्राप्त कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा स्वप्न मे प्राप्त कराता है| संत प्रभु धारा दे आलस्य मिटाता है|

722. स्तुत्य संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को अकर्म बना साधना कराता है|

723. साधक को सब प्रभु धारा अंतर दे श्रेष्ठ रूप बनाता है| नाद धार बहा अंतर ठहराता है| प्रभु धारा साधक को दे अंतर ठहराता है|

724. संत तीन प्रभु धारा दे साधक को चेतन रूप बनाता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को समृद्ध करता है|

725. संत साधक को प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत सोम पान कराता है|

726. पवित्र कर्ता संत साधक को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| साधक (सुत) को नाद धारा बहाता है| देहधारी संत साधक को अविनाशी रूप बनाता है|

727. यह संत साधक को अंतर ला प्रभु धार बहाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को सोम सरोवर से प्राप्त कराता है| देहधारी संत साधक को वासना मिटा ब्रह्मज्ञान देता है|

728. संत देहधर आ प्रभु धार बहाता है| अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है|

729. अंतर विराजमान संत ही प्रभु धारा दे साधक को कुर्म रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहाता है|

730. देहधारी संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर प्रभु धार बहाता है| सतत प्रवाहित नाद धारा दे साधक को वरणीय रूप बनाता है|

731. आनन्ददाता संत साधक (सुत) को प्रभु धार बहा सोम पान

कराता है| तृप्त संत प्रभु धार बहा आनन्द देता है|

732. संत पापी को प्रभु धारा दे रक्षा करता है| साधक को नियंत्रण कर अंतर ला ठहराता है| संत साधक को अंतर ला द्वेष मिटाता है|

733. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

734. सुधन संत साधक (सुत) को प्रभु अन्न धारा देता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है| निडर संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

735. मार्ग दर्शक संत साधक (सुत) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| दीप्त संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| सर्वव्यापक संत साधना मे प्रभु धारा देता है|

736. प्रभु रूप संत साधक को नाद धार बहाता है| दीप्त संत प्रभु धारा सेवन करा साधक को निष्काम बनाता है| संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

737. औजस्वी संत साधक (सुत) को प्रभु धार बहा दिव्य रूप बना प्रभु (पति) मिलन कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

738. यह संत प्रभु धारा से साधक को अंतर लाता है| देहधारी संत साधक (तनय) को प्रभु धार बहाता है| संत साधक को प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

739. अंतर विराजमान संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| संत साधक को अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| देहधारी संत सतत प्रवाहित धारा से साधक को दिव्य रूप बनाता है|

740. प्रभु रूप संत साधक को ऊपर ले जाता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित धारा देता है| सखावत संत प्रभु धारा देकर भक्ति कराता है|

741. सदा आनेवाला संत सतत प्रभु धार बहा कर साधक का नियंत्रण कर उसे सुन्दर रूप बनाता है| सोम सरोवर संत पुत्र (आत्मा) को प्रभु धारा दे प्रभु से मिलाता है|

742. वह (संत) ही मुझे प्रभु मिलन कराता है| वह मुझे देवी सम्पदा देता है| वह मुझे प्रभु रूप बनाने को सतत प्रवाहित धारा देता है|

743. नर नारायण रूप संत सब काम मे भक्ति करा भवसागर पार कराता है| सब प्रभु धारा तृप्ति देने को देता है| रक्षक संत प्रभु धारा सखा (आत्मा) को प्राप्त कराता है|

744. सनातन प्रभु धारा दे साधक को ऊपर लाता है| सतत प्रवाहित धारा से मार्ग दर्शन करता है| पिता (संत) साधक को सनातन धारा देता है|

745. देहधर आ संत प्रभु नाद धारा देता है| सब प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धारा से मुझे ऊपर लाता (उपासना) है|

746. संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| नाद धार बहा साधक को पवित्र करता है| निपुण संत प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है|

747. संत सदा अंतर प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| योग साधक संत नाद धार दे साधक को विजयी बनाता है|

748. दीप्त संत प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| संत देहधर आ साधक को अंतर ज्ञान धारा देता है|

749. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे तृप्त करता है औजस्वी बनाता है| देहधारी अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है| प्रभु सन्देश दे प्रभु रूप बनाता है|

750. संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| यामक संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा से वासना मिटाता है|

751. प्रभु रूप संत साधक (दुहिता) को अंतर प्रभु धार बहाता है| सर्वज्ञ संत अंतर प्रभु धार बहाता है| अंतर स्वरूप दिखला अन्धकार मिटा नियंत्रण करता है|

752. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| साधक को अंतर ला स्तुति कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धार बहा प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

753. प्रभु कारिन्दा संत अंतर प्रभु धारा बहाता है| रक्षक संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा देता है| सुधन संत सब को प्रभु धारा प्राप्त कराता है|

754. मार्ग दर्शक संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को सेवन कराता है| प्रेरक संत प्रभु धारा से साधक को मार्ग दर्शन करता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा सोम पान करा अंतर ठहराता है|

755. संत सनातन प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| दीप्त प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| अनेक प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

756. संत दीप्त प्रभु धारा दे अंतर प्रभु प्राप्त कराता है| रक्षक संत अंतर सनातन प्रभु धारा देता है|

757. संत सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| सब संसार को पवित्र करता है| सोम साधक को प्रभु प्राप्त कराता है|

758. संत सनातन प्रभु धारा प्राप्त कराता है| संत साधक (सुत) को प्रभु प्राप्त कराता है| आकर्षक संत साधक को पवित्र करता है|

759. संत सनातन प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञान देता है| प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा से पालन करता है|

760. दाता संत सनातन प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा पवित्र करता है| नाद धार बहाता है|

761. संत साधक को ऊपर ला ठहराता है| भयभीत साधक की रक्षा करता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु वैभव देता है|

762. अंतर प्रभु धारा देता है| नाद धार बहा साधक (अंग) की वासना मिटाता है| संत सोम पान कराता है|

763. मार्ग दर्शक संत प्रभु नाद धारा अंतर देता है| पवित्र कर्ता संत अंतर नाद प्रवाहित करता है| देहधारी संत प्रभु धारा प्राप्त कराता है|

764. देहधारी सोम रूप संत सब कुछ अंतर दिखलाता है| अंतर प्रभु धारा देता है| अंतर सतत प्रवाहित धारा देता है|

765. संत अंतर साधक को दीप्त रूप बनाता है| पवित्र संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| अंतर नाद धार बहा तृप्त करता है|

766. गतिशील संत साधक (सुत) को प्रभु रूप बनाता है| संत साधक को नाद धारा बहाता है| सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है|

767. सोम रूप संत प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला तृप्त करता है| प्रभु पुत्र संत सोम पान करा हर्षाता है| देहधारी संत चेतन प्रभु धारा साधक (अंश) को दे सोम पान कराता है|

768. देहधारी संत साधक को सोम पान करा तृप्त करता है| अंतर मार्ग दर्शन कर अंतर ठहराता है| सिद्ध संत सोम पान कराता है|

769. सोम रूप संत सोम धार बहाता है| अंतरश्रुत संत साधक को समृद्ध करता है| साधक को साधना कराता है|

770. संत सोम रस देता है| संत प्रभु धारा दे साधक को समर्पण-शील बनाता है| प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

771. संत साधक को तीन प्रभु धारा देता है| आकर्षक प्रभु धारा सतत बहाता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

772. संत पवित्र प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| सोम धारा अंतर बहाता है| प्रभु धारा से पवित्र कर प्रभु बैभव देता है|

773. आकर्षक संत आकर्षक प्रभु धारा दे वासना मिटा पालन कर-ता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना करा यशस्वी बनाता है|

774. सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधक को प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| तृप्त संत साधक को हर्षाता है|

775. पवित्र कर्ता संत सदा वचनाद सुनाता है| सोम पान करा रक्षा करता है| सर्वज्ञ संत सब प्रभु धारा देता है|

776. संत वचनाद सुना साधक को सदा प्रभु सम्वेत कराता है| पवित्र कर्ता संत सब प्रभु धारा देता है|

777. सब प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सदा संत तृप्ति दायक धारा दे हर्षाता है| रक्षक संत साधक (तनय) की रक्षा करता है|

778. पवित्र कर्ता संत साधक (सुत) को प्रभु धारा बहाता है| इससे साधक को यशस्वी बनाता है| सब पाप अंतर मिटाता है|

779. यह संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

780. यह संत प्रभु धारा दे वा-सना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| रक्षक संत प्रभु धार अंतर बहाता है|

781. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सुखदाता संत साधक को प्रभु धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| सुखदाता संत साधक को नियंत्रण कर धर्म पालन कराता है|

782. सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| सुखदाता संत अंतर प्रभु धार बहा हर्षाता है| प्रभु धारा दे अंतर ठह-राता है|

783. सर्वव्यापक संत बार बार प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| संत

साधक को अंतर ला प्रभु धारा देता है|

784. सुखदाता संत ही प्रभु धारा देता है| साधक को दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ठहराता है|

785. संत प्रभु धार बहाता है| वासना नाशक संत साधक को अंतर ठहराता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु धारा सेवन वासना कराता है|

786. पवित्र कर्ता संत साधक को वर्चस्वी बनाता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर ठहराता है| साधक को साधना मे प्रभु धारा देता है|

787. संत साधक को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| सखावत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

788. संत प्रभु धारा से साधक को पवित्र करता है| प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| संत सोम पान करा हर्षाता है|

789. संत साधक को पवित्र करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| यामक संत सब प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

790. प्रभु की अग्नि रूप धारा से प्रभु का सन्देश देता है| प्रेरक संत सबकुछ प्राप्त कराता है| संत प्रभु मिलन करा साधना सफल बनाता है|

791. ज्योतिष्मान संत प्रभु की अग्नि रूप धारा देकर तृप्त करता है| सदा प्रभु रूप अन्न धारा दे प्रभु (पति) मिलाता है| आत्मा का भोजन देकर तृप्त करता है|

792. ज्योतिष्मान संत साधना मे प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को अंतर ठहराता (ऊपासना) है| दीप्त संत प्रेरक प्रभु धारा देकर भक्ति कराता है|

793. (संत) हमे दीप्त रूप बनाता है| नाद धारा दे सोम पान कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत पवित्र धारा दे निपुण बनाता है|

794. यह (संत) प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| दीप्त धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| साधक को प्रभु रूप बनाता है|

795. अंतरश्रुत संत साधक की रक्षा करता है| ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा दे साधक की रक्षा करता है| प्रभु धारा दे मुझे दीप्त रूप बनाता है|

796. अंतरश्रुत संत प्रभुधारा देता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को इसे सेवन कराता है|

797. संत आकर्षक प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभुमय संत साधक को वचनाद सुनाता है| संत साधक को वज्र धारण करा स्वर्णिम रूप बनाता है|

798. संत सतत प्रवाहित धारा दे साधक की रक्षा करता है| अनन्त प्रभु धारा अंतर बहाता है| शक्ति-शाली संत सतत प्रवाहित धारा दे रक्षा करता है|

799. संत साधक को सदा के लिये प्रभु रूप बना देता है| संत साधक के अन्दर प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है|

800. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| योग साधक संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है|

801. सर्वव्यापक संत ही स्तुति कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत सत्य प्रभु रूप धारा दे रक्षा करता है| सतत प्रवाहित धारा दे वासना मिटाता है|

802. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| देहधारी संत साधक को अंतर ला ठहराता है| योग साधक संत साधक को साधना कराता है|

803. संत साधक को प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| साधक को सोम अंतर पिलाता है| साधक को अन्न धारा दे तृप्त करता है|

804. संत साधक को प्रभु धारा से नियंत्रण कर अंतर लाता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर लाता है| प्रभु धारा दे शक्तिशाली बनाता है|

805. संत चेतन प्रभु धारा दे साधना कराता है| आकर्षक संत सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे साधक को प्रेरणा देता है|

806. सुखदाता संत प्रभु धारा अंतर दे नाद धार बहाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| संत नाद धार बहा साधक को अंतर लाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे बचनाद सुनाता है|

807. सोम रूप संत सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे साधक (अंश) को सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत नाद धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा तृप्त करता है|

808. संत पवित्र प्रभु धारा दे हर्षाता है| तृप्त संत अंतर आनन्द-दायक धारा दे वासना मिटाता है| देहधारी संत नाद धार बहा वासना मिटाता है| अंतरश्रुत संत वासना मिटा सोम पान कराता है|

809. संत ही प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधना सफल कराता है| संत वासना मिटा प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

810. वासना नाशक संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| स्तुत्य संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत नाद रूप प्रभु धारा रथ समान साधना मे देता है| प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है|

811. स्तुत्य संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को अकर्म बना साधना कराता है|

812. अनेक प्रभु धारा युक्त संत प्रभु धारा बहा साधक को नियंत्रण करता है| साधक की वासना मिटाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा तृप्त करता है| वासना नाशक प्रभु धारा साधक को सेवन कराता है|

813. देहधारी संत ही साधक को पोषक प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| अंतरश्रुत संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

814. आनन्ददाता संत सोम धार बहा साधक को आकर्षक रूप बनाता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत नाद धारा बहा साधक को अंतरश्रुत बनाता है| संत साधक (सुत) को अंतरश्रुत बनाता है|

815. यह संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| प्रभु धारा दे पवित्र कर तृप्त करता है| संत प्रभु धार बहा पाप मिटाता है|

816. संत वासना मिटा पवित्र करता है| प्रभु धारा दे सब को भक्ति कराता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

817. नर नारायण रूप संत दया करता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

818. संत पोषक धारा दे साधक को प्रभु बैभव देता है| सोम रूप संत पवित्र धारा बहाता है| प्रभु धारा दे सब को प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| नर नारायण रूप संत सब को प्रभु धारा देता है|

819. संत साधक को तृप्ति दायक प्रभु धारा सेवन कराता है| अंतरश्रुत संत आनन्द धार बहा साधक को साधना कराता है| सोम रूप संत प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है| पवित्र संत सोम पान कराता है|

820. संत प्रभु धार बहा साधक को औजस्वी बनाता है| पवित्र धार बहा साधक को सेवन कराता है| संत साधक को पांच प्रभु धारा देता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

821. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे हर्षाता है पवित्र करता है| गतिशील प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| दिव्य संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| सुखदाता संत साधक को साधना कराता है|

822. ब्रह्मज्ञानी संत सनातन नाद धारा से साधक का मार्ग दर्शन करता है| साधक को प्रभु धार प्राप्त कराता है| तीन रूप दिखला सोम पान कराता है| सदा गतिशील संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

823. पवित्र कर्ता संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा बहा प्रभु मिलन कराता है| तीन शाश्वत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर सोम पान करा साधक को हर्षाता है|

824. साधक को सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| प्रभु समान संत प्रभु मिलन कराता है| संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

825. साधक को सब प्रभु धारा अंतर दे श्रेष्ठ रूप बनाता है| नाद धार बहा अंतर ठहराता है| प्रभु धारा साधक को दे अंतर ठहराता है|

826. संत साधक को प्रभु धारा दे शक्तिशाली बनाता है| आनन्ददाता संत साधक को नाद धारा देता है|

827. वह (संत) सब प्रभु रूप को सतत प्रवाहित करता है| सतत प्रवाहित जल नाद धारा देकर प्रभु (समुन्द्र) मे मिलाता है| प्रभु नाद रूपी रथ मे सवार कर ऊपर लाता है| सत्यरूप संत सतत प्रवाहित धारा से प्रभु (पति) से मिलाता है|

828. संत सखाभाव से बलशाली प्रभु धारा देता है| मेरा भय मिटाता है| प्रभु रूप संत भक्ति कराता है| बलशाली प्रभु धारा दे विजयी बनाता है|

829. (संत) सनातन प्रभु धारा दे वैभव दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| रक्षक संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु नाद धारा दे बलशाली बनाता है| सतत प्रवाहित धारा दे धन दे भक्ति कराता है|

830. संत सदा प्रभु धार बहाता है| इससे साधक को पवित्र करता है| प्रभु धारा दे सोभाग्यशाली बनाता है|

831. सब प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सदा संत तृप्ति दायक -

धारा दे हर्षाता है| रक्षक संत साधक (तनय) की रक्षा करता है|

832. निष्काम संत नाद धार बहाता है| वासना मिटा प्रभु भक्ति कराता है| साधक को नियंत्रण कर साधना कराता है|

833. दीप्त संत अंतर प्रभु धार बहाता है| पवित्र कर्ता संत अंतर ब्रह्मज्ञान देता है| अंतर प्रभु प्राप्त कराता है|

834. संत सोम पान करा साधक को साहसी बनाता है| प्रभु धारा दे वर्चस्वी बनाता ह| अंतरश्रुत संत प्रभु भक्ति कराता है|

835. संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| नाद धार अंतर दे पोषण करता है| संत साधक को सोभाग्यशाली बना रक्षा करता है|

836. सेवनीय संत प्रभु धारा सेवन करा साधक को अविनाशी बना सिद्ध बनाता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे निष्काम सेवा कराता है| संत सब प्रभु धारा साधक को दे सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार सतत प्रवाहित करता है|

837. नाद धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धारा से आनन्द दे प्रभु नियम पालन कराता है| सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

838. संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| निपुण संत अंतर दीप्त बनाता है| निपुण संत व्यथा मिटाता है|

839. संत साधक को अंतर प्रभु धारा देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु प्राप्त कराता है|

840. संत अंतर सब कुछ दिखलाता है| संत वासना मिटाता है| रक्षक संत साधक को प्रभु रूप बनाता है|

841. संत प्रभु धार बहा पवित्र करता है| वासना नाशक संत ब्रह्मज्ञानी बनाता है| नाद धार बहा सोम पान कराता है|

842. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सुखदाता संत साधक को प्रभु धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| सुखदाता संत साधक को नियंत्रण कर धर्म पालन कराता है|

843. पवित्र कर्ता संत प्रभु भक्ति कराता है| सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| दीप्त संत तृप्ति दायक धारा देता है|

844. ज्योतिष्मान संत अग्नि रूप प्रभु धारा से भक्ति कराता है| सर्वज्ञ संत अंतर प्रभु मिलन कराता है| आत्मा का भोजन दे भक्ति कराता है|

845. यह ज्योतिष्मान संत साधक को आत्मा का भोजन दे प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु का सन्देश देकर प्रभु मिलन कराता है| नर नारायण रूप संत साधक का रक्षक है|

846. यह (संत) अग्नि रूप प्रभु धारा देकर प्रभु प्राप्त कराता है| आत्मा का भोजन देकर अंतर (उपासना) ठहराता है| नर नारायण रूप संत पवित्र धारा दे हर्षाता है|

847. (संत) प्रभु प्रकाश दे पवित्र और दक्ष बनाता है| नाद धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे अंतर मे भक्ति कराता है|

848. (संत) प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा अंतर देकर दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे प्रभु मे सम्वेत कराता है|

849. सर्वज्ञ संत मुझे प्रभु रूप बनाता है| सदा देहधर आने वाला संत विजयी बनाता है| ऊपर लाकर मुझे दक्षता देता है|

850. वह प्रभु धारा दे सब कुछ दिखलाता है| सदा देहधर आ संत भय मिटाता है| तेजस्वी संत प्रभु समान धारा दे आनन्द देता है|

851. (संत) साधक को अंतर लाकर वासना मिटाता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर लाता है| सब प्रभु रूप (नाम) दिखा प्रभु मिलन कराता है|

852. शक्तिशाली संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर लाता है| सदा देहधर आ संत साधक का नियंत्रण करता है|

853. संत आ प्रभु धार बहाता है| सिद्ध संत सनातन प्रभु धारा प्राप्त कराता है| सतत प्रवाहित प्रकाश प्रभु धारा दे मंथन करता है|

854. सदा देहधर आ संत सतत प्रवाहित प्रकाश धारा अंतर दे वासना मिटाता है| आनन्ददायक प्रभु धारा दे आनन्द देता है|

855. वासना नाशक संत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण कर वासना मिटा प्रभु (पति) मिलन कराता है| वासना नाशक संत सब प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

856. देहधारी सोम रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| आनन्ददायक धारा दे हर्षाता है| साधक को अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर ठहराता है|

857. देहधारी संत साधक को सोम पान करा तृप्त करता है| अंतर मार्ग दर्शन कर अंतर ठहराता है| सिद्ध संत सोम पान कराता है|

858. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा धर्म पालन करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहाता है|

859. सदा देहधर आ संत वचनाद सुना प्रभु रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत ब्रह्मज्ञान धारा देता है| तृप्त संत नाद धार बहाता है| ब्रह्मज्ञानी संत सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है|

860. सोम पान करा साधक को सुन्दर रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सोम रूप संत साधक को प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| दीप्त संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

861. यह संत सोम पान करा तृप्त करता है| पवित्र कर्ता संत पवित्र धारा दे कल्याण करता है| संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| देहधर आ संत वचनाद सुनाता है|

862. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत अनेक प्रभु धारा दे वासना मिटा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| प्रभु धारा सब को दे प्रभु (ईष्ट) मिलन कराता है|

863. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा प्रभु महिमा गहाता है| शक्तिशाली संत साधक को शक्तिशाली बनाता है| रक्षक संत नाद धार बहा अंतर प्रभु बैभव देता है| अद्भुत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक की रक्षा करता है|

864. संत ही साधक को प्रभु धारा देता है| सर्वव्यापक संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को पवित्र करता है| प्रभु धारा दे साधक को भवसागर पार कराता है|

865. अंतर विराजमान संत साधक को प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| केवल सुधन संत ही नाद धार बहाता है| नाददाता संत साधक को तृप्त कर अंतर ठहराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

866. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु धारा सेवन कराता है| सुधन संत स्वर्णिम प्रभु धारा साधक को दे अंतर ला अंतरश्रुत बनाता है|

867. संत ही साधक (सुत) को प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| सोम रूप संत सदा प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत कामना पुरी कर साधना कराता है| सुधन संत प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु (पद) प्राप्त कराता है|

868. सोम रूप संत प्रभु धार बहा नियंत्रण करता है| प्रभु धार बहा

प्रभु धन देता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| रक्षक संत अंतर ला साधक को दीप्त रूप बनाता है|

869. तीन प्रभु धारा दे वचनाद सुना ऊपर ला ठहराता है| अंतर-श्रुत संत नाद धारा बहाता है| आकर्षक संत नाद धारा बहाता है|

870. संत साधक को प्रभु सम्वेत कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| साधक (शिशु) की वासना मिटाता है|

871. प्रभु धन संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु सम्वेत कराता है| निपुण संत साधक को सब प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत अनंत प्रभु धारा दे पवित्र करता है|

872. प्रभु पुत्र संत सोम पान कराता है| सोम रूप संत आनन्द-दायक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है|

873. संत सोम पान करा साधक की रक्षा कर उसे प्रभु रूप बनाता है| अनंत रूप संत प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धारा दे हर्षाता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को औजस्वी बनाता है|

874. अनेक रूप धारी संत प्रभु वचनाद बहा साधक को प्रभु (समुन्द्र) सम्वेत कराता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु (पति) प्राप्त कराता है| सखा संत सब को प्रभु रूप बनाता है|

875. ब्रह्मज्ञानी संत पवित्र प्रभु धार बहाता है| सब प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु धारा सेवन कराता है| सिद्ध संत ही प्रभु धारा सेवन कराता है|

876. दीप्त संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु मिलन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है|

877. देहधारी संत सदा वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| सब को शक्तिशाली प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सर्वज्ञ संत पोषक प्रभु धारा अंतर देता है|

878. देहधारी संत नाद धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

879. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित वैभवशाली धारा देता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत ज्ञान धारा दे अद्‌भुत रूप बनाता है| देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

880. संत आनन्द धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| आनन्ददायक धारा अंतर देता है| देहधर आ संत साधक को अंतर ला आकर्षक प्रभु धारा से श्रेष्ठ रूप बनाता है|

881. यह संत अंतर स्वरूप दिखलाता है| सब को प्रभु धारा देता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है|

882. अंतर विराजमान संत चेतन नाद रूप धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| सखदाता संत प्रभु धारा अंतर दे सब को विजयी बनाता है|

883. अंतरश्रुत संत पवित्र प्रभु धारा साधक को देता है| प्रभु धारा से साधक को साधना कराता है| नाद धार बहा साधक को वर्चस्वी बनाता है| सुधन संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

884. संत प्रभु धारा दे साधक को अद्‌भुत रूप बनाता है| आनन्ददाता संत जल प्रवाहित नाद धारा देता है| साधक को ज्ञान धारा दे साधना कराता है| सनातन प्रभु धारा दे साधक का पोषण कर उसे प्रभु रूप बनाता है|

885. स्तुत्य संत नाद धार बहाता है| प्रभु धारा दे अंतर लाता है| प्रभु धार बहा साधक का पालन करता है| अंतर ला ठहराता है|

886. सर्वव्यापक संत प्रभु धार बहा साधक को दिव्य रूप बनाता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है| संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| वासना मिटा साधक को साधना कराता है|

887. नर नारायण रूप संत पवित्र प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| सत्य प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत ही प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आकर्षक संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

888. संत सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| महान संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे धर्म पालन कराता है| दीप्त संत सारे संसार को प्रभु (पति) मिलन कराता है|

889. पवित्र कर्ता साधक प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे सब का मार्ग दर्शन करता है|

890. यह संत प्रभु धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| संत प्रभु धारा दे हर्षाता है| रक्षक संत सब वासना मिटाता है|

891. नर नारायण रूप संत सोम पान करा दक्ष बनाता है| अंतर दीप्त रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा अंतर देता है|

892. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु रूप संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

893. प्रभु धार बहा अंतर लाता है| साहसी संत साधक को प्रभु नियम पालन कराता है|

894. अंतरश्रुत संत सुखधार बहा साधक को अंतर लाता है| वासना मिटा पवित्र बनाता है| साधक को अंतर दीप्त रूप बनाता है|

895. पवित्र सोम साधक को तृप्त करता है| नाद धार बहा स्वर्णिम रूप बनाता है| गतिशील संत साधक को तृप्त करता है|

896. सर्वज्ञ संत सोम पान कराता है| सब को प्रभु भक्ति कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

897. देहधारी संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा सब कुछ दिखलाता है| दीप्त संत सोम पान करा वासना मिटाता है|

898. संत प्रभु धार बहा ब्रह्मज्ञान देता है| तृप्ति दायक धारा अंतर देता है| साधक को सदा प्रभु धारा देता है|

899. साधक को सोम पान करा अंतर ठहराता है| साधक को अंतर ला प्रभु धारा देता है|

900. संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा पवित्र करता है| अंतर प्रभु धारा बहाता है|

901. संत साधक को सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| सर्वज्ञ संत दीप्त रूप बनाता है|

902. रक्षक संत प्रभु धारा बहाता है| अनादि संत साधक (सुत) की सदा रक्षा करता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

903. समकालीन संत साधक को प्रभु धारा देता है| आकर्षक प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है|

904. देहधर आ संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा साधक को प्राप्त कराता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है|

905. पवित्र कर्ता संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| संत साधक (सुत) को प्रभु मिलन कराता है| सब प्रभु धन अंतर देता है|

906. पवित्र कर्ता संत स्तुति कराता है| सुखधार बहा प्रभु भक्ति कराता है| अन्न धारा दे साधक का नियंत्रण करता है|

907. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे चेतन बना साधक की रक्षा करता है| निपुण संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार अंतर बहा दीप्त रूप बनाता है| तृप्त संत साधक को पवित्र करता है|

908. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा अंतर (गुहा) देता है| प्रभु धारा अंतर दे सब को वासना मिटा सुन्दर रूप बनाता है| मंथन करने वाला संत प्रभु धारा दे प्रभु महिमा गहाता है| साधक (अंग) को अनेक प्रभु धारा देता है|

909. सदा वासना नाशक प्रभु धारा प्रकट कर प्रभु मिलन कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु भक्ति कराता है| संत प्रभु धारा रथ समान दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रेरक संत प्रभु मिलन करा साधना सफल कराता है|

910. संत साधक (सुत) को प्रभु रूप बनाता है| सोम रूप संत साधक को दिव्यता देता है| संत मुझे साधना मे प्रभु नाद धारा देता है|

911. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सदा विराजमान संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| अनेक प्रभु धारा से अंतर ला दिव्य रूप बनाता है|

912. ज्योतिष्मानव संत प्रभु धार बहाता है| सदा देहधारी संत दया कर प्रभु धार बहाता है| सरल संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

913. संत साधक का नियंत्रण कर उसे दीप्त रूप बनाता है| वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| सदा देहधर आने वाला संत पाप मिटाता है|

914. इच्छा वासना मिटा साधक को अविनाशी रूप बनाता है| अंतर ले जाकर दिव्य रूप बनाता है| ऊपर ले जाकर वासना मिटाता है|

915. साधना मे सब प्रभु रूपों को दिखलाता है तथा दीप्त रूप बनाता है| सत्य प्रभु रूप संत सोम पान करा अंतर दीप्त रूप बनाता है|

916. अंग संग रहने वाला संत प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत सनातन प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है|

917. नर नारायण रूप संत प्रभु धारा अंतर दे सोम पान कराता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| सिद्ध संत अंतर नाद धार बहा साधक को तृप्त करता है| प्रभु रूप संत साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है|

918. संत प्रभु धार बहा साधक को सेवन कराता है| दीप्त संत साधक को नियंत्रण करता है| संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

919. पवित्र सोम साधक को दक्ष बनाता है| आकर्षक संत सोम पान करा प्रभु प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है|

920. पवित्र कर्ता संत साधना कराता है| संत अंतर नाद धार बहाता है| दीप्त संत प्रभु नाद धारा अंतर देता है|

921. संत प्रभु धार बहा साधक को शोभित करता है| निष्काम संत साधक को अंतर तृप्ति दायक नाद धारा देता है| वासना नाशक संत प्रभु भक्ति कराता है|

922. मार्ग दर्शक संत नियंत्रण करता है| आकर्षक संत सब प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

923. सोम रूप संत साधना मे प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| शक्तिशाली संत साधक को अंतर लाता है|

924. पवित्र कर्ता सोम वासना मिटाता है| सब की वासना दूर भगाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधना कराता है|

925. दयालु संत साधक को अंतर ला ठहराता है| सुखदाता संत साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

926. प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| सब प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| अनंत प्रभु धारा दे पवित्र करता है|

927. संत साधक को सोम पान करा हर्षाता है| अंतर विराजमान संत आकर्षक प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत सदा प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

928. आनन्ददायक संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| आकर्षक संत वासना मिटाता है| संत साधक को प्रभु प्राप्त कराता है|

929. ब्रह्मज्ञानी संत वचनाद सुना साधक को प्रभु वैभव देता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर भक्ति कराता है|

अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है|

930. देहधारी संत साधक को सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा सेवन करा दीप्त रूप बनाता है| योग साधक संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है|

931. सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे साधक को सेवन करा प्रभु (धुरि) मिलन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को अंतर ला ठहराता है| दयालु संत अंतर साधक को नाद धार बहा द्रोह मिटाता है| योग साधक संत साधक को अंतरश्रुत बनाता है|

932. सुधन संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है| प्रभु नियम पालक संत ही ज्ञान धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है|

933. दीप्त संत सब को प्रभु धारा रथ समान देता है| सिद्ध संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु (ज्येष्ठ) मिलन कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

934. कल्याणकारी संत प्रभु धारा दे वासना मिटा रक्षा करता है| यह संत द्विज को नियंत्रण करता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा से साधक को साधना कराता है| महान संत अंतर प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

935. सर्वज्ञ संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| सदा रहने वला संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा प्राप्त कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधना सफल कराता है|

936. संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को पवित्र करता है| देहधर आ संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

937. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा द्रोह मिटाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को सेवन कराता है|

938. दिव्य संत साधक (अंग) को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| अंतर प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| शंखनाद ध्वनि सुना पवित्र करता है|

939. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे पापी को ऊपर लाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे तृप्त कर साधना कराता है|

940. सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा साधक को देता है| श्रेष्ठ प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है| सदा वचनाद सुना साधक को पवित्र करता है|

941. सिद्ध संत तृप्ति दायक धारा देता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा देता है|

942. देहधर आ संत प्रभु धार बहाता है| सुखदाता संत सनातन प्रभु धारा दे तृप्त करता है| पवित्र कर्ता संत वचनाद सुना अंतर ठहराता है|

943. सोम रूप संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

944. संत प्रभु धारा दे प्रभु (पद) मिलन कराता है| नाद धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को नियंत्रण कर अंतर ठहराता है| सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा दे समृद्ध करता है|

945. रक्षक संत वचनाद सुना साधक को प्रभु मिलन कराता है| सोम रूप संत पवित्र धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर प्रभु धार बहा साधक को ठहराता है| सुखदाता संत साधक को अंतर ठहराता है|

946. संत वासना नाशक प्रभु धार बहा साधना करा समृद्ध करता है| देहधारी संत साधक को अंतर ठहराता है|

947. प्रभु रूप संत साधक को प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहाता है| योग साधक संत साधक को यशस्वी बनाता है|

948. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को श्रेष्ठ रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा देता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है|

949. संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| आनन्द दायक धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| दीप्त रूप बनाने को प्रभु रूप धारा सतत बहाता है| अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

950. आकर्षक संत प्रभु धारा से साधक को ऊपर लाता है| संत प्रभु धारा देता है| अंतर साधक के पाप मिटाता है| अंतर सतत प्रवाहित धारा दे साधक को ठहराता है|

951. प्रभु रूप धारा से भक्ति करा प्रभु रूप बनाता है| सब कुछ ज्ञान प्राप्त कराता है| साधक (सुत) को

सोम पान करा प्रभु मिलन कराता है| तृप्ति देकर साधक को साहसी बनाता है|

952. संत प्रभु धार सेवन कराता है| आकर्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को सोम पान कराता है| सुधन संत प्रभु धारा दे हर्षाता है|

953. संत अंतर अद्भुत प्रभु धारा दे पालन करता है सोम पान कराता है| साधक को अंतर ला हर्षाता है| वचनाद सुनाता है|

954. संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| वासना मिटा साधना कराता है| साधक को अंतर ला तृप्त कर वासना मिटाता है| सोम पान करा वासना मिटाता है|

955. यामक संत सब को प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा दे अंतर ठहरा नियम पालन कराता है|

956. सर्वज्ञ संत सब प्रभु धारा दे सोम पान करा पवित्र करता है| सुखदाता संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| संत पवित्र प्रभु धारा दे प्रभु बैभव दे स्वर्णिम रूप बनाता है| साधक को विजयी बनाता है|

957. गतिशील संत अन्न धारा सेवन कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| सुखदाता संत पवित्र प्रभु धारा अंतर देता है| पवित्र कर्ता संत सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है|

958. साधक को सब प्रभु धारा दे पवित्र करता है| संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

959. संत प्रभु धारा अंतर देता है| सब प्रभु रूप दिखला वासना मिटाता है| सोम पान करा प्रभु (समुन्द्र) सम्वेत कराता है|

960. ब्रह्मज्ञानी संत वचनाद सुनाता है| पवित्र कर्ता संत धर्म पालन कराता है| संत नाद धार बहा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

961. सोम रूप संत प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से साधक को पवित्र करता है| दीप्त संत साधक को अंतर पवित्र करता है|

962. देहधारी संत अंतर नाद धारा देता है| सर्वव्यापक संत साधक की रक्षा करता है| सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

963. संत साधक को सोम पान करा अंतर लाता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक का मार्ग दर्शन करता है|

964. संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को पवित्र करता है| साधक को अंतर ला दीप्त बनाता है|

965. सोम रूप संत प्रभु धारा से साधक का मार्ग दर्शन करता है| साधक को पवित्र करता है| पवित्र संत साधक को हर्षाता है|

966. आनन्ददायक संत प्रभु धार दे वासना मिटा साधक को पवित्र करता है| पवित्र संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है|

967. पवित्र संत साधक को पवित्र करता है| सोम रूप संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| संत पाप मिटाता है|

968. सर्वज्ञ संत प्रभु भक्ति कराता है| साधक को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| सब प्रभु धारा अंतर देता है|

969. संत ही वासना मिटाता है| नाद धार बहा साधक को तृप्त करता है| पवित्र कर्ता संत अनेक प्रभु धारा बहाता है|

970. सदा देहधर आ संत सब प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| दीप्त संत ब्रह्मज्ञान धारा दे रक्षा करता है| सोम रूप संत नाद धार बहाता है|

971. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा भक्ति कराता है|

972. दीप्त संत प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| सोम रूप संत जल प्रवाहित नाद धारा अंतर देता है| प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है|

973. संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है| वासना मिटा साधक को अंतर ठहराता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है|

974. गतिशील संत साधक को प्रभु धारा दे हर्षाता है| सोम पान करा पवित्र करता है| प्रभु धारा दे वर्चस्वी बनाता है|

975. सब प्रभु धारा दे तृप्त करता है| सब प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| सोम धारा साधक को सोभाग्य देती है|

976. नर नारायण रूप संत साधक को प्रभु धारा दे साधना करा प्रभु रूप बनाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| तृप्ति दायक धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

977. संत साधक को प्रभु धारा देता है| पवित्र सोम धारा दे तृप्त

करता है| तुरंत प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है|

978. संत प्रभु धारा दे विजयी बनाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| संत सोम पान करा निष्पाप बनाता है|

979. संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा रक्षा करता है| संत पवित्र सोम पिला अंतर ठहराता है|

980. संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को भवसागर पार कराता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

981. साधक को अंतर सोम पान कराता है| साधक (अंग) को तृप्त करता है| सोम पान करा निष्काम सेवा कराता है|

982. नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा साधक को श्रेष्ठ रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत दीप्त अद्भुत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा अंतर देता है| देहधर आ संत अंतर प्रभु धारा सेवन करा ठहराता है|

983. गतिशील संत प्रभु धारा सेवन करा साधक को सुन्दर रूप बनाता है| साधक को अंतर प्रभु धारा दे ठहराता है| प्रभु धारा रथ समान दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

984. प्रभु प्राप्त योगी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे अंतर लाता है| प्रेरक प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन करा प्रभु रूप बनाता है| चेतन प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है|

985. दयालु संत चेतन प्रभु धारा दे अंतर बादल की गर्ज नाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

986. संत सम्यक प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

987. रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| रक्षक संत वासना मिटा रक्षा करता है| सदा देहधर आ संत साधक को प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है|

988. औजस्वी संत साधक को अंतर ला ठहराता है| सोम सरोवर संत साधक को सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा से सोम पान कराता है|

989. देहधारी संत प्रभु ज्ञान धारा देता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को औजस्वी बना-

ता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे दीप्त रूप बनाता है|

990. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को देता है| प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| वासना नाशक प्रभु धारा से वासना मिटा अंतर ला ठहराता है|

991. सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा साधक को प्राप्त होती है| स्तुत्य संत भक्ति कराता है| साधक (सुत) को सोम पान कराता है|

992. यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु संयुक्त संत साधक को मार्ग दर्शन करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक को प्राप्त कराता है|

993. मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा प्राप्त कराता है| साधक (सुत) को इससे प्रभु भक्ति कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

994. वासना नाशक संत सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

995. संत नाद धार बहाता है| देहधर आ संत बादल की गर्ज नाद सुनाता है| सर्वव्यापक संत सोम पान कराता है|

996. संत अन्न धारा दे साधक को हर्षाता है| सब प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत अनेक प्रभु धार बहाता है|

997. सोम रूप सिद्ध संत साधक को अंतर ला साधना कराता है| साधक को नाद धार बहाता है| सर्वव्यापक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| आनन्ददायक संत प्रभु धारा देता है|

998. अद्भुत संत नाद धार बहा रक्षा करता है| अंतरश्रुत संत सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु सम्वेत कराता है| वासना मिटा साधक को हर्षाता है|

999. संत साधक को अंतर ला अद्भुत नाद धारा दे सोम पान कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु वैभव देता है| प्रभु धारा से साधक को पवित्र करता है|

1000. सुखदाता संत साधक को पवित्र करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| आकर्षक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1001. संत ही प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| संत सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है| यामक संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1002. संत प्रभु धारा दे आनन्द देता है| शक्तिशाली संत वासना मिटा साधक का नियंत्रण करता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्ति देता है| वह संत सतत प्रवाहित धारा दे निष्पाप बनाता है|

1003. दीप्त संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु मिलन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है|

1004. विजयी संत सतत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण कर ऊपर लाता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सुधन संत साधक को अंतर ले जाता है| संत साधक को अंतर प्रभु धन देता है|

1005. सत्य रूप संत साधक को प्रभु धार बहाता है| अंतरश्रुत संत सोम पान कराता है| यह प्रभु धारा से प्रभु के अनेक रूप दिखलाता है| दिव्य संत आनन्द धारा दे अंतर दीप्ती और प्रभु धन देता है|

1006. नर नारायण रूप संत साधक को जीवन संग्राम मे सोम पान कराता है| साधक को दिव्य रूप बनाता है| तृप्ति दायक संत प्रभु धार बहा वासना मिटा प्रभु रूप बनाता है| सुधन संत साधक का नियंत्रण कर उसे दिव्य रूप बनाता है|

1007. तृप्त संत प्रभु धारा दे साधक को साहसी बनाता है| भक्ति करा चेतन रूप बनाता है| प्रभु नियम पालन कराने को प्रभु धारा देता है| सुधन संत साधक का नियंत्रण कर उसे अंतर दिव्य रूप बनाता है|

1008. निपुण संत साधक को अंतर ला आनन्द देता है| दीप्त संत साधक को अंतर ठहराता है|

1009. दीप्त संत साधक को प्रभु धारा दे सेवन करा प्रभु भक्ति कराता है| मार्ग दर्शक संत साधक (सुत) की वासना मिटाता है| अंतर नाद धार सुना सोम पान कराता है|

1010. प्रेरक संत सोम धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है|

1011. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है| साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु मिलन कराता है| साधक को अंतर प्रभु धारा देता है|

1012. वचनाद युक्त संत साधक को प्रभु धारा सेवन करा दक्ष बनाता है| प्रभु धारा दे उनका स्वामी बनाता है| अंतर प्रभु धार बहा पवित्र करता है| अविनाशी

संत प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है|

1013. संत साधक को पवित्र धारा दे साधना कराता है| वच-नाद सुना सोम पान कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1014. संत प्रभु धारा साधक (अंश) को देता है| अंतरश्रुत संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| आकर्षक संत तीन प्रभु धारा दे पवित्र कर साधक को अंतर ठहराता है|

1015. देहधारी संत साधक को सोम पान कराता है| साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधारी संत नाद धार बहा शाश्वत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1016. पवित्र संत तृप्त करता है| साधक को नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सोम रूप संत साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1017. सुधन सिद्ध संत आकर्षक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतर प्रभु धारा दे हर्षाता है| प्रभु धारा रथ समान दे दीप्त रूप बनाता है| कल्याणकारी संत सदा प्रभु धारा दे रक्षा करता है|

1018. साधक को प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| नाद धारा दे साधना कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहाता है|

1019. शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे साधक की रक्षा करता है| संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है| रक्षक संत वासना मिटा प्रभु धार बहा निष्काम सेवा कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहाता है|

1020. रक्षक संत सोम धार बहा भवसागर पार कराता है| सोम पान करा साधक की रक्षा करता है| साधक को सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| संत आनन्दधार बहा साधक को प्रभु प्राप्त कराता है|

1021. देहधारी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा दे पवित्र करता है| संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत प्रभु धारा दे अंतर हर्षाता है| दशावतार रूप बनाता है| साधक को अंतर ठहराता है|

1022. ज्योतिष्मान संत दीप्त प्रभु धारा सतत बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधना करा साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को जीवन संग्राम में प्रभु धारा सेवन कराता है|

1023. ज्योतिष्मान संत प्रभु ज्ञान धारा दे सेवन कराता है| पवित्र

करनेवाली प्रभु धारा दे पवित्र करता है| स्वामी संत सोम पान करा तृप्त कर साधक को नियंत्रण करता है| साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा सेवन कराता है|

1024. ज्योतिष्मान संत साधक को वासना नाशक प्रभु धारा दे पोषण कर वर्चस्वी बनाता है| वह प्रभु धारा दे सेवन करा तृप्त करता है| साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा सेवन कराता है|

1025. सोम रूप संत नाद धारा बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| योग साधक संत प्रभु धारा दे साधक को धर्म पालन कराता है|

1026. संत देहधर आ प्रभु धार बहा साधक को प्रभु (सुर्य़) मिलन कराता है| शक्तिशाली संत सब प्रभु धार बहाता है|

1027. ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1028. दीप्त संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार से नियंत्रण कर अंतर लाता है| सब प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है| प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है|

1029. प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा से वासना मिटा अंतर ला ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत आकर्षक प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आने वाला संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतरश्रुत संत अंतर ब्रह्मज्ञान देता है|

1030. संत आकर्षक प्रभु धारा बहा वासना मिटाता है| साधक का दीप्त रूप बना भक्ति कराता है| साधक को प्रभु मिलन कराता है|

1031. ज्योतिष्मान संत तृप्ति दायक प्रभु धारा दे सोम पान करा प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| प्रभु धन दे साधक को अंतर ठहरा हर्षाता है| साधक को सोम पान कराता है|

1032. संत नाद धार बहा वासना मिटा अंतर प्रभु (पति) मिलन कराता है| अनेक वासना नाशक प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| रक्षक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1033. आनन्ददाता संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा रथ समान बहा साधक को प्रभु रूप बहाता है| देहधर आ संत साधक (वत्स) को सोम पान कराता है| वासना

नाशक प्रभु धारा दे साधक को सोम पान कराता है|

1034. देहधारी संत अन्न धारा बहाता है| सर्वव्यापक संत नाद धार बहा साधक को सोम पान कराता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1035. कल्याणकारी संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर ला वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधक का पोषण करता है|

1036. सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु धन देता है| सोम रूप संत साधक को दिव्य रुप बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1037. संत पवित्र करनेवाली सोम धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| सुखदाता संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

1038. संत अंतर प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सुखदाता संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| साधक को अंतर ला वासना मिटा ठहराता है|

1039. संत तृप्तिदायक सोम धारा देता है| साधक (सुत) को भक्ति कराता है| सर्वव्यापक संत साधक को अंतर ठहरा कर भक्ति कराता है|

1040. सर्वव्यापक संत साधक को सतत प्रवाहित धारा देता है| वासना मिटा प्रभु (सिन्धु) सम्वेत कराता है| नाद रुप संत साधक को अंतर ठहराता है|

1041. संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है| साधक को अंतर ठहराता है| सोम धारा साधक को पवित्र करती है|

1042. सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है| साधक को सम्यक प्रभु प्राप्त कराता है|

1043. संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| अंतर ला वासना मिटाता है| आनन्ददायक धारा दे शोभा देता है|

1044. साधक को अंतर ला हर्षाता है| साधक को अंतर दीप्त रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बनाता है|

1045. अंतर विराजमान संत अंतर प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| सदा साधक (आत्मा) को प्रभु मिलन कराता है|

1046. प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है प्रभु से मिलाता है| सुखदाता संत सुख धार बहाता है|

1047. सिद्ध संत साधक को सोम पान कराता है| सतत प्रवाहित पवित्र धारा दे पवित्र कर तृप्त करता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1048. सिद्ध संत सब प्रभु धारा दे साधक को सिद्ध बनाता है| सोम धारा दे सोभाग्य देता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1049. सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे दक्ष बना साधना कराता है| सोम धारा वासना मिटाती है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1050. पवित्र करनेवाला संत साधक को पवित्र करता है| सोम पिला साधक को पोषण कर प्रभु रूप बनाता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1051. नर नारायण रूप संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1052. नर नारायण रूप संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को प्रभु सम्वेत कराता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1053. संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1054. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| जीवन संग्राम मे विजयी बनाता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1055. संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु मिलन कराता है| पवित्र सोम धारा दे धर्म पालन कराता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1056. संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को सब प्रभु रूप प्राप्त कराता है| अनादि संत साधक को अमर जीवन देता है|

1057. सदा देहधर आ संत आनन्दायक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| सदा देहधर आ संत आनन्दायक प्रभु धारा देता है|

1058. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| साधक को सब प्रभु बैभव देता है| सदा देहधर आ संत आनन्ददायक प्रभु धारा देता है|

1059. प्रभु की धारा सदा पुरुष रूप दिखलाती है| है| संत अनेक प्रभु धारा बहाता है| सदा देहधर आ संत आनन्दायक प्रभु धारा देता है|

1060. संत तीन वासना नाशक प्रभु धारा साधक (तनय) को देता है| साधक को अनेक प्रभु धारा प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत आनन्ददायक प्रभु धारा देता है|

1061. संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| यामक संत प्रभु धारा से तृप्त करता है| प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है|

1062. देहधारी संत नाद धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| मार्ग दर्शक संत पवित्र करता है| प्रभु धार बहा भक्ति कराता है|

1063. नाद धार बहा तृप्त करता है| सब प्रभु धारा दे वासना मिटा भक्ति कराता है| यामक संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

1064. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु धारा को रथ समान देकर प्रभु महिमा साधक को प्राप्त कराता है| कल्याणकारी संत ही मुझे सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञान देता है| नर नारायण रूप संत सखावत हमे जन्म मरण से बचाता है|

1065. प्रभु धारा को साधक के जीवन संग्राम मे देकर तृप्ति देता है| चेतन्य (संत) हमे ऊपर ला ठहराता है| नर नारायण रूप संत साधक को प्रभु धारा दे साधना करा दीप्त बनाता है| नर नारायण रूप संत सखावत हमे जन्म मरण से बचाता है|

1066. संत शक्तिशाली प्रभु धारा देता है उससे साधना कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को भोजन देता है| साधक को प्रभु धार बहा उससे वासना मिटा सुन्दर रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत सखावत हमे जन्म मरण से बचाता है|

1067. संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| बादल की गर्ज नाद सुना नियंत्रण कर दीप्त बनाता है| वासना मिटा प्रभु धाराओं का स्वामी बनाता है

1068. सुधन संत स्वर्णिम प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| यामक संत वासना मिटा शक्तिशाली बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1069. संत बादल की गर्ज नाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दीप्त रूप साहसी बनाता है| प्रभु धारा सेवन करा साधना कराता है|

1070. सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधर आ संत वासना मिटाता है| सुधन संत जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है|

1071. वासना नाशक संत सब प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| सुधन संत प्रभु धार बहाता है|

1072. शक्तिशाली संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| सुधन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1073. प्रभु संयुक्त संत ही प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| योग साधक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे कर्म कराता है| नर नारायण रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा देता है|

1074. वासना नाशक संत प्रभु धारा रथ समान दे वासना मिटा साधक को अपराजेय बनाता है| नर नारायण रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा देता है|

1075. सोम रूप संत प्रभु धार बहा आनन्द दे साधक को मार्ग दर्शन करता है| नर नारायण रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा देता है|

1076. संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत सोम पान कराता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

1077. ब्रह्मज्ञानी संत साधक को वचनाद सुनाता है| वासना मिटा साधक की साधना सफल बनाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु मिलन कराता है|

1078. सोम धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| सर्वज्ञ संत नाद धार सेवन कराता है| सतत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है|

1079. हंस समान संत ज्ञान धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अविनाशी रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को नाद धार बहाता है|

1080. वासना नाशक संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है| सुखदाता संत प्रभु धार बहा अंतर ला रक्षा करता है| सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा बहा साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है|

1081. संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे दशावतार रूप बनाता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा बहा सब कुछ प्राप्त कराता है|

1082. संत वायु समान प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| साधक (सुत)

को पवित्र करता है| साधक को प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है|

1083. संत साधक को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| सखावत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1084. सुधन संत साधक को ऊपर ला ठहराता है| संत साधक को बलवान बनाता है| सदा आने वाला संत प्रभु धारा से आनन्द देता है|

1085. देहधारी संत ही प्रभु धारा अंतर देता है| साधना सिद्ध संत साधक का नियंत्रण करता है| सदा आने वाला संत साधक की वासना मिटाता है|

1086. देहधर आ संत भक्ति कराता है| साधना सिद्ध संत मनोकामना पूर्ण करता है| सदा आने वाला संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1087. रक्षक संत सुन्दर रूप बनाता है| सोम सरोवर संत सोम पान कराता है| प्रत्येक साधक को भक्ति कराता है|

1088. संत ऊपर लाकर साधना कराता है| सोम सरोवर संत सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा देकर आनन्द देता है|

1089..सदा रहने वाला (अनादि) संत अंतर प्रभु धारा देता है| अंतर विराजमान संत ब्रह्मज्ञान देता है| महान संत मुझे सब कुछ देता है|

1090. प्रभु रूप संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रभु बैभव धारा दे प्रभु धन देता है| संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु रूप बनाता है| कल्याणकारी संत देहधर आ प्रभु धार बहाता है|

1091. प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| अविनाशी संत प्रभु धन दे प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| देहधर आ संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा साधक का कल्याण करता है| संत प्रभु धारा देता है|

1092. रक्षक संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा दे अंतर लाता है| संत साधक को नियंत्रण करता है| कल्याणकारी संत देहधर आ प्रभु धार बहाता है|

1093. संत नाद धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत सोम पान कराता है| सब प्रभु धारा बहा हर्षाता है|

1094. सर्वज्ञ संत प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| सब प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1095. नर नरयण रूप संत सब प्रभु धारा दे तृप्त करता है| संत सोम पान करा वासना मिटाता है| सब प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1096. संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| संत मार्ग दर्शन कर प्रभु भक्ति कराता है| संत सोम पान कराता है|

1097. यह संत सोम पान कराता है| देहधर आ संत साधक को दिव्य रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत साधक की रक्षा करता है|

1098. सखा संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| नाद धार बहा पवित्र करता है| साधक (शिशु) को अंतर प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है|

1099. प्रभु पुत्र संत साधक को गतिशील प्रभु धारा देता है| संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1100. संत प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है| सतत प्रवाहित धारा दे साधक को साधना कराता है| संत साधक (सुत) को सोम पान करा प्रभु प्राप्त कराता है|

1101. सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत नाद धारा बहाता है| दीप्त संत साधक को प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ठहराता है|

1102. सिद्ध संत साधक को प्रभु धार बहाता है| चेतन संत दीप्त धारा से साधक को आच्छादित करता है| देहधारी संत साधक को प्रभु अन्न धारा सेवन कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है|

1103. संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| सोम रूप संत ज्योति बाहुल्य सोम धारा देता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा देता है| चेतन संत प्रभु धारा दे साधक को अविचल बनाता है|

1104. संत साधक को अंतर ला प्रभु बैभव देता है| अंतर सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

1105. रक्षक संत प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा तीर्थ समान बन जाता है| अनेक प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| अंतर नाद धार बहा प्रभु रूप बनाता है|

1106. संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बनाता है| सोम पान करा तृप्त करता है| प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है|

1107. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला रक्षा करता है| काल्याणकारी संत साधक को जीवन संग्राम मे आ मिलता है|

1108. ज्योतिष्मान सुधन संत प्रभु नाद धारा दे प्रभु वैभव देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु वैभव देता है|

1109. पवित्र संत अंतर प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक (सखा) को प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1110. संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| संत सब प्रभु धारा देता है|

1111. संत प्रभु धार बहा साधक (तनय) को प्रभु मिलन कराता है| साहसी संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1112. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1113. ज्योतिष्मान संत ही साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा दक्षता देता है| रथी संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी प्रभु रूप बनाता है| नाद धार बहा सेवन कराता है|

1114. दीप्त संत प्रभु धार बहा साधना करा साधक को अंतर ठहराता है| स्तुत्य संत साधक को नाद धार बहाता है|

1115. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| पोषक संत प्रभु धन दे साधना कराता है|

1116. कमनीय संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| पवित्र संत पवित्र धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है| बारह प्रभु रूप दिखला प्रभु (पद) प्राप्त कराता है|

1117. हंस समान संत ज्ञान धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अविनाशी रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को नाद धार बहाता है|

1118. संत नाद धार बहा शक्तिशाली बनाता है| निष्काम संत नाद धार बहाता है| साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| आकर्षक संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1119. संत अंतर प्रभु धारा बहाता है| रक्षक संत तृप्ति दायक

प्रभु धारा देता है| सोम रूप संत प्रभु बैभव देता है|

1120. सदा आने वाला संत सतत प्रवाहित धारा रथ समान देता है| अंतर प्रभु धार प्राप्त कराता है| पालन कर्ता संत साधना कराता है|

1121. दीप्त संत साधक को शोभित करता है| सोम रूप संत नाद धार बहाता है| प्रभु संयुक्त संत शाश्वत प्रभु धारा देता है|

1122. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा देता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे हर्षाता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा देता है|

1123. वासना नाशक संत प्रभु धार बहाता है| उषा समान प्रभु धारा दे सोभाग्य देता है| दीप्त संत साधक (तनय) को प्रभु धारा देता है|

1124. संत साधक को अंतर ब्रह्मज्ञान देता है| अविनाशी संत साधक को सनातन प्रभु धारा देता है| सुखदाता संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1125. समकालीन संत वासना मिटाता है| प्रेरक संत शाश्वत प्रभु धारा देता है| एक प्रभु को प्राप्त कराता है|

1126. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा देता है| सर्वज्ञ संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| सर्वज्ञ संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1127. देहधारी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा अंतर देता है| देहधारी संत अंतर प्रभु प्राप्त कराता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है|

1128. संत प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त मार्ग दिखलाता है| वासना मिटा दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्म-ज्ञानी संत साधक को प्रभु मिलन कराता है|

1129. देहधारी संत सदा सोम धार प्राप्त कराता है| सतत प्रवा-हित धारा से साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को तृप्त कर प्रभु भक्ति कराता है|

1130. देहधारी संत सदा वचनाद सुनाता है| सुखदाता रक्षक संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अंतर विराजमान संत प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

1131. सर्वज्ञ संत सदा नाद धार बहा साधक को सर्वज्ञ बनाता है| मार्ग दर्शक संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर शक्तिशाली बनाता है|

1132. पवित्र सोम धारा सदा प्राप्त होती है| दीप्त संत प्रभु धारा अंतर देता है| संत सोम धारा दे भक्ति कराता है|

1133. अविनाशी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है| समृद्ध संत अंतर ला साधक को ब्रह्मज्ञान देता है|

1134. प्रभु कारिन्दा संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अंतर हर्षाता है| अंतरश्रुत संत साधक की वासना मिटाता है|

1135. प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे सोभाग्य देता है| प्रभु पुत्र संत सोम धारा दे पवित्र करता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1136. संत सब को प्रभु बैभव देता है| सोम रूप संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| तृप्त संत साधक को विजयी बनाता है|

1137. आनन्ददाता संत प्रभु धारा दे दक्ष बनाता है| साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

1138. आनन्ददाता संत प्रभु धार बहा साधक को सुन्दर रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को ब्रह्मज्ञान देता है| प्रभु धार बहा रक्षा करता है|

1139. संत प्रभु बैभव दे साधक को चेतन रूप बनाता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| अनेक प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है|

1140. विश्वेज्योती संत अंतर प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है| वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सर्वज्ञ संत दीप्त सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है|

1141. संत साधक को सब प्रभु धारा दे अमृत पान कराता है| देहधारी संत भक्ति कराता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा दे अमृत पान कराता है| विश्वज्योती संत पोषक प्रभु धारा अंतर देता है|

1142. अंतर साधक को प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| सदा देहधर आ संत भक्ति कराता है| प्रभु संयुक्त संत सब प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन कर भक्ति कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1143. देहधारी संत प्रभु नाद धार बहा दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत बादल की गर्ज नाद सुना अंतरश्रुत बनाता है| साधक को अंतर प्रभु धारा दे आच्छादित करता है|

1144. यह ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर प्रभु धारा देता

है| नर नारायण रूप संत अंतर बादल की गर्ज नाद सुनाता है| संत प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है|

1145. संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| सुधन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा प्रभु मिलन को देता है| प्रभु धारा बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

1147. संत प्रभु धारा देकर भक्ति कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को सब प्रभु रूप दिखलाता है| ब्रह्मज्ञानी सत साधक को अंतर ला नरसिहं रूप बनाता है|

1148. संत अंतर सतत प्रवाहित धारा देता है| आकर्षक संत अंतर ब्रह्मज्ञानी देता है| पुत्र (आत्मा) को अन्न देता है|

1149. स्तुत्य संत अंतर प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहाता है|

1150. यह संत ही प्रभु धारा सेवन कराता है| ब्रह्मज्ञान धारा साधक को दे प्रभु रूप बनाता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1151. संत साधक को प्रभु धार बहा सेवन कराता है| सदा प्रभु धार बहा सेवन करा रक्षा करता हैं| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

1152. संत प्रभु धार वहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| मित्र संत सखावत साधक की रक्षा करता है| संत साधक को सोम पान कराता है| सोम सरोवर संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति मार्ग दिखलाता है|

1153. सिद्ध संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक को सिद्ध बनाता है| आकर्षक प्रभु धारा सेवन करा साधक को साधना कराता है| सदा देहधर आ संत सोम पान करा साधक को श्रेष्ठ रूप बनाता है|

1154. सोम रूप संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु धारा दे सेवन करा पालन करता है| पवित्र कर्ता संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1155. वासना नाशक संत अंतर कर्म मिटाता है| सदा साधक को समृद्ध करता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| नियंत्रण कर साधक को औजस्वी बनाता है|

1156. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| प्रभु धारा दे साधक को विजयी बनाता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता

है| अंतर विराजमान संत साधक को स्तुति कराता है|

1157. संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार बहा पवित्र करता है| साधक (शिशु) को प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है|

1158. संत साधक (वत्स) को प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत नाद धार बहाता है| संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1159. पवित्र कर्ता संत साधक को प्रभु धारा दे दक्ष बनाता है| प्रभु रूप संत शक्तिशाली प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| प्रभु रूप संत वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1160. निपुण संत प्रभु धार बहाता है| अनेक प्रभु धार बहा भवसागर पार कराता है| पवित्र संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1161. शक्तिशाली देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| सोम धार बहा वासना मिटाता है| अंतरश्रुत संत साधक को दिव्य रूप बनाता है|

1162. देहधारी संत साधक को सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत मार्ग दर्शक धारा दे नियंत्रण करता है| साधक (सुत) को प्रभु धारा बहाता है|

1163. सोम रूप संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| साधक को अंतर ला रक्षा करता है| साधक को अंतर ठहराता है|

1164. संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| साधक को अंतर ठहराता है| संत साधक को पांच प्रभु धारा देता है|

1165. संत साधक को अंतर सुखधार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है| संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1166. संत देहधर आ साधक (वत्स) को नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| श्रेष्ठ संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को कमनीय रूप बनाता है|

1167. सदा देहधर आ संत ही साधक को सुन्दर रूप बनाता है| सब प्रभु धारा दे प्रभु (प्रभु) मिलन कराता है| जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है|

1168. जीवन संग्राम मे वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| तृप्त संत प्रभु धारा देता है| शक्तिशाली संत अद्भुत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1169. संत साधक को अंतर प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर औजस्वी

बनाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा देता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1170. देहधारी संत मुझे प्रभु धारा सेवन कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| अनेक प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त प्रभु धारा दे साहसी बनाता है|

1171. साधक को रुचिकर प्रभु धारा देता है| प्रभु संयुक्त संत साधक को प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| साधक को अन्न धारा देता है| अन्न धारा सेवन करा साधना कराता है|

1172. संत अद्भुत प्रभु धारा सतत प्रवाहित करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा अंतर बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे प्रभु वैभव गहाता है| नर नारायण रूप संत सब प्रभु धारा जीवन संग्राम मे प्राप्त कराता है|

1173. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को वरणीय रूप बनाता है| संत जीवन संग्राम मे प्रभु धार बहाता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर (कूप) लाता है|

1174..ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा अंतर दे दिव्य रूप बनाता है| प्रभु नाद धार सुनाता है| शक्तिशाली संत चेतन प्रभु धारा बहाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1175. आकर्षक संत प्रभु धारा से साधक को ऊपर लाता है| संत प्रभु धारा देता है| अंतर साधक के पाप मिटाता है| अंतर सतत प्रवाहित धारा दे साधक को ठहराता है|

1176. संत प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| अनेक नाद धार बहा प्रभु (पद) प्राप्त कराता है| तीसरे नेत्र मे प्रभु धार बहाता है| सोम धारा अंतर बहा साधक को अंतर ठहराता है|

1177. ज्योतिष्मान संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| अंतर प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा तुरीया मे प्रभु प्राप्त कराता है| अंतर प्रभु धार बहाता है|

1178. देहधारी संत सोम धारा दे साधक को तृप्त करता है| कामना पुरी कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1179. प्रभु कारिन्दा संत पवित्र सतत प्रवाहित नाद धारा दे साधक को तृप्त करता है| प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1180. सोम रूप संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा अंतर दे नियंत्रण कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर ठहरा कर प्रभु रूप बनाता है|

1181. सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक की वासना मिटाता है| उसे दशावतार रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को नियंत्रण कर आनन्द देता है|

1182. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| प्रभु प्राप्त कराता है| साधक को नाद धार सुना अंतर ठहराता है|

1183. आकर्षक संत सोम सरोवर से सोम धार बहाता है| साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को सम्यक नाद धार बहाता है|

1184. समृद्ध संत पवित्र सोम धारा बहा सब वासना मिटाता है| साधक को सोम पान कराता है|

1185. संत अंतर सुखधार बहाता है| साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर ठहराता है| साहसी संत साधक को सोम पान कराता है|

1186. मार्ग दर्शक धारा दे साधक को सोम पान करा ब्रह्मज्ञान देता है| प्रभु धारा सेवन कराता है|

1187. सोम रूप संत साधक को पवित्र करता है| अनेक प्रभु धार बहाता है| संत सतत प्रवाहित सोम धारा पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1188. रक्षक संत पवित्र करता है| ब्रह्मज्ञानी संत नाद धार बहाता है| प्रभु धार बहा प्रभु भक्ति कराता है|

1189. पवित्र कर्ता संत साधक को तृप्त करता है| सोम रूप संत साधक को अनेक प्रभु धारा दे शक्तिशाली बनाता है| साधक को नियंत्रण कर प्रभु भक्ति कराता है|

1190. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा सेवन करता है| साधक को शक्तिशाली बनाता है| प्रभु धारा अंतर दे वर्चस्वी बनाता है|

1191. संत अनेक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| साधक की रक्षा कर उसे वर्चस्वी बनाता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है|

1192. सदा विराजमान संत प्रभु प्रेरक धारा देता है| साधक को शक्तिशाली बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1193. अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है| देहधारी संत साधक (वत्स) को प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

1194. संत साधक को प्रभु धारा सेवन करा प्रभु रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत नाद धार बहा हर्षाता है| सब प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है|

1195. अंतर वासना मिटाता है| पवित्र कर्ता सोम रस को अंतर प्राप्त कराता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है|

1196. सोम रूप संत साधक को सदा सोम पान कराता है| साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है|

1197. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर्श्रुत संत साधक को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा दे सोम रूप बनाता है|

1198. संत अंतर सोम रस बहाता है| संत प्रभु धारा प्राप्त कराता है| सोम रूप संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1199. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा देता है| अंतर प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| सोम रूप संत साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1200. सोम रूप संत साधक को प्रभु धारा देता है| अंतर प्रभु धारा दे पवित्र करता है| अंतर प्रभु धारा सम्यक प्राप्त कराता है|

1201. संत वचनाद सुना वासना मिटाता है| साधक को प्रभु (समुन्द्र) सम्वेत कराता है| प्रभु धार बहा साधक को समृद्ध करता है|

1202. अविनाशी संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला सब प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु मिलन कराता है|

1203. देहधारी संत तृप्ति दायक धारा अंतर देता है| सोम रस पिला वासना मिटाता है| सर्वज्ञ संत ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1204. पवित्र कर्ता संत प्रभु वैभव देता है| वर्चस्वी बनाता है| साधक को अंतर सोम पान कराता है|

1205. संत प्रभु धारा से वासना मिटाता है| सोम सरोवर संत सोम धारा अंतर देता है| अंतर साधक को नाद धार से प्रेरणा देता है|

1206. संत प्रभु धारा से साधक को अंतर लाता है| सदा प्रभु धार बहा वचनाद सुना हर्षाता है| साधक को प्रभु धारा से प्रभु भक्ति कराता है|

1207. अविनाशी संत तृप्ति दायक प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| आकर्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| पवित्र सोम धारा सेवन कराता है|

1208. संत पवित्र करनेवाली सोम धारा दे हर्षाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| साधक को दीप्त रूप बना अंतर ठहराता है|

1209. संत पवित्र सोम धारा से हर्षाता है| अंतरश्चुत संत साधना में प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा सेवन करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1210. यह संत प्रभु धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| संत प्रभु धारा दे हर्षाता है| रक्षक संत सब वासना मिटाता है|

1211. अविनाशी संत सदा प्रभु धारा दे साधना कराता है| साधक को अंतर ला मन को मारता है| साधक को अंतर बांसुरी नाद सुनाता है|

1212. संत साधक को सतत प्रवाहित नाद धारा सदा बहा स्वर्णिम रूप बनाता है| अनेक प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

1213. संत सोम पान करा अंतर वासना मिटाता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1214. महान संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| सोम धारा से वासना मिटाता है| सोम पान करा यशस्वी बनाता है|

1215. संत साधक को प्रभु धारा सेवन करा वासना मिटाता है| दीप्त संत अंतर ला साधक को पवित्र करता है| पवित्र कर्ता संत साधक को हर्षाता है|

1216. यह पांच प्रभु रूप युक्त संत सुन्दर रूप बनाता है| संत बादल की गर्ज नाद सुनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा साधक को उसका स्वामी बनाता है| यह संत प्रभु धार प्रत्यक्ष बहाता है|

1217. संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु से मिलाता है| पवित्र कर्ता संत अंतर ब्रह्मज्ञान देता है| साधक को अंतर ला प्रभु प्राप्त कराता है|

1218. संत आकर्षक प्रभु धारा दे साधक को दशावतार रूप बनाता है| दीप्त संत साधक को प्रभु मिलन कराता है| संत सदा साधक को सोम पान कराता है|

1219. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को निष्पाप बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे प्रभु सन्देश दे साधना कराता है| संत साधक को सतत प्रवाहित धारा दे प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा दे पवित्र बनाता है|

1220. सदा विराजमान अविनाशी संत प्रभु धारा सेवन करा अंतर ठहराता है| सतत प्रवाहित

प्रभु धारा दे अंतर लाता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा से पवित्र बनाता है| प्रभु धारा से अंतर ला दीप्त रूप बनाता है|

1221. संत साधक को अद्भुत प्रभु धारा देता है| सुखदाता संत वासना नाशक प्रभु धार बहा साधना कराता है| देहधारी संत साधक को अंतर ला ठहराता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु सन्देश देता है|

1222. शक्तिशाली संत साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आनन्ददाता संत आनन्द धार बहाता है|

1223. संत साधक को अंतर ला हर्षाता है औजस्वी बनाता है| दीप्त संत शिक्षा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1224. वासना नाशक संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को सेवन कराता है| प्रभु रूप प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

1225. सिद्ध संत साधक (सुत) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सोम धार से वासना मिटाता है| साधक को पालन कर प्रभु रूप बनाता है|

1126. नर नारायण रूप संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है| संत सोम पान कराता है| संत पवित्र करने को साधक को प्रभु धारा देता है|

1227. संत साधक को अंतर सोम पान कराता है| सोम से वासना मिटा प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को सोम पान कराता है|

1228. यामक संत सोम धारा बहा साधक को नियंत्रण करता है| निपुण संत प्रभु धारा अंतर बहा मार्ग दर्शन करता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| निष्काम संत प्रभु धार बहा साधक को बलशाली बनाता है|

1229. शक्तिशाली संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला अविनाशी रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1230. सोम रूप संत पवित्र प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| समृद्ध संत साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत सोम पान करा साधक की वासना मिटाता है| सिद्ध संत अन्न धारा दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है|

1231. संत पापी को प्रत्यक्ष अंतर लाता है| नाद दर्शक संत नो द्वारों मे प्रभु धार बहाता है| मार्ग दर्शक

संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| अनासक्त संत प्रभु धारा बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1232. वासना नाशक संत मधुलिका प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| दयालु संत आनन्ददायक प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु प्राप्त कराता है| संत प्रभु धारा दे स्तुति कराता है|

1233. अंतरश्रुत संत सब प्रभु धारा बहाता है| प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सुधन संत साधना मे सोम पान कराता है| योग साधक संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1234. संत ही आनन्ददायक प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| यामक संत प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| अंतर विराजमान संत सदा साधक को अंतर लाता है| ब्रह्मज्ञानी संत सोम पिला साधक को तृप्त करता है|

1235. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे हर्षाता है| नाद धार से अंतर ला धर्म पालन कराता है|

1236. पवित्र कर्ता सोम वासना मिटाता है| सोम धारा प्रभु बैभव दे तृप्त करती है| तृप्ति दायक धारा साधक को प्रभु सम्वेत कराती है|

1237. साधक को आनन्द धारा दे औजस्वी बना साधना कराता है| अंतर सुखदायक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर ठहराता है|

1238. देहधारी संत मुझे प्रभु धारा सेवन कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| अनेक प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त प्रभु धारा दे साहसी बनाता है|

1239. संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सुधन संत प्रभु धारा बहाता है| साधक को अंतर ठहरा प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1240. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| प्रभु धार साधक को दे सोम पान कराता है| संत साधक को प्रभु धारा दे ऊपर ला साधना कराता है| दीप्त संत साधक को नाद धार बहाता है|

1241. पवित्र कर्ता संत सोम धार बहाता है| पोषक धारा दे प्रभु मिलन कराता है| सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1242. शक्तिशाली संत पवित्र धारा बहा प्रभु प्राप्त कराता है| अंतर सोम पान कराता है| साधक को नियंत्रण कर प्रजापति बनाता है|

1243. सत्य प्रभु रूप संत साधक को अंतर सोम पान करा शक्तिशाली बनाता है| पवित्र कर्ता संत अन्न धारा दे धर्म पालन कराता है|

1244. अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को अंतर स्वरूप दिखला प्रभु रूप बनाता है| चेतन धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1245. सर्वज्ञ संत चेतन प्रभु धारा द्विज को अंतर देता है| देहधारी संत साधक को नियंत्रण करता है|

1246. प्रभु संयुक्त संत साधक की रक्षा करता है| अंतरश्रुत संत जल प्रवाहित नाद धारा देता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1247. संत साधक को अंतर ला साधना मे तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु (पति) मिलन कराता है|

1248. देहधारी संत ही सत्य प्रभु रूप धारा दे सोम पान कराता है| नर नारायण रूप संत सब को प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर ला प्रभु (पति) मिलन कराता है|

1249. संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण कर अविनाशी रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत वासना मिटा साधक को समृद्ध कर प्रभु (पति) मिलन कराता है|

1250. प्रभु संयुक्त संत सनातन धारा दे वासना मिटाता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत सब कर्म मे हमारा नियंत्रण करता है| वज्रधारी संत भक्ति कराता है|

1251. साधक को अंतर (बल) प्रभु नाद धारा देता है| सर्वव्यापक संत अंतर प्रभु धारा बहाता है| साधक को भली प्रकार प्रभु प्राप्त कराता है| सदा देहधर आने वाला संत प्रभु धारा बहाता है|

1252. शक्तिशाली संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| साधना सिद्ध संत भक्ति कराता है| संत अनेक प्रभु धारा देकर साधक को वैभव देता है| वह साधक को अमर बनाता है|

1253. संत सदा प्रभु धार बहा धर्म पालन कराता है| प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| सुखदाता संत साधक को अंतर ला पवित्र करता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

1254. आनन्ददाता संत नाद धार बहा प्रभु मिलन कराता है| दीप्त संत साधक को हर्षाता है प्रभु रूप

बनाता है| आनन्ददाता संत प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| सारे संसार को सोम पान कराता है|

1255. सोम रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धारा से अंतर लाता है| संत पवित्र धारा दे साधक को औज-स्वी बनाता है| ज्योतिष्मान संत सोम पान करा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

1256. संत साधक को अविनाशी धारा देता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत साधक को प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है|

1257. संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा दे प्रभु मिलन कराता है| समर्पणशील साधक को प्रभु बैभव देता है|

1258. संत साधक को सब प्रभु धारा दे वर्चस्वी बनाता है| सतत प्रवाहित धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| पवित्र सोम धारा साधक को तृप्त करती है|

1259. संत साधक को प्रभु धारा रथ समान प्राप्त कराता है| पवित्र सोम धारा साधक को दशावतार रूप बनाती है| साधक को अंतर ला ठहराती है|

1260. संत साधक को प्रभु भक्ति कराता है| पवित्र कर्ता सोम धारा साधक को प्रभु रूप बनाती है| संत प्रभु धारा दे साधक को शुद्ध करता है|

1261. संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| देहधारी संत साधक को सतत प्रवाहित धारा देता है| पवित्र सोम धारा दे अविनाशी रूप बनाता है|

1262. संत साधक को अंतर ला ठहराता है| वासना मिटाता है| पवित्र सोम धारा सतत प्रवाहित नाद धार बहाती है|

1263. संत साधक को अंतर प्रभु धारा दे वासना मिटा अंतर ठहराता है| पवित्र सोम धारा प्रभु भक्ति कराती है|

1264. संत सनातन प्रभु धारा प्राप्त कराता है| संत साधक (सुत) को प्रभु प्राप्त कराता है| आकर्षक संत साधक को पवित्र करता है|

1265. संत साधक को अंतर ला प्रभु नियम पालन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है| सोम धारा साधक (सुत) को पालन करती है|

1266. संत साधना मे नाद धार बहाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा तत्काल प्राप्त कराता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1267. संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| साधना मे सोम पान कराता है|

1268. संत प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धार सतत बहा सेवन कराता है|

1269. संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| प्रभु धारा से मार्ग दर्शन करता है| साधक को प्रभु धार सेवन कराता है|

1270. संत दीप्त प्रभु धार बहाता है| दीप्त प्रभु धार तत्काल बहा साधक को तृप्त करता है| प्रभु धारा दे प्रभु (पति) प्राप्त कराता है|

1271. संत साधक को प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है हर्षाता है| मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है|

1272. संत प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| संत सदा प्रभु धारा प्राप्त कराता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1273. संत साधक को प्रभु धार बहा तृप्त करता है और कमनीय रूप बनाता है| साधक को प्रभु भक्ति कराता है|

1274. संत साधक को अंतर ला सुखधार बहाता है| साधक को प्रभु धारा रथ समान दे वासना मिटाता है| अनेक प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

1275. तीन प्रभु धारा दे साधक को पालन करता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहाता है| सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1276. संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा देता है| वासना नाशक संत साधक का पालन करता है|

1277. संत सोम पान करा आनन्द देता है| साधक (शिशु) को ईष्ट (प्रभु) प्राप्त कराता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है|

1278. संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| आकर्षक संत साधक को नियंत्रण कर वासना मिटाता है| तृप्ति दायक प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

1279. आकर्षक संत प्रभु धारा दे साधक को दशावतार रूप बनाता है| साधक को अंतर ला वासना मिटाता है| कल्याणकारी संत साधक को हर्षाता है|

1280. संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| मार्ग दर्शक संत सब प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक को प्रभु धारा दे सुन्दर बनाता है|

1281. संत पवित्र सोम धार बहाता है| पवित्र सोम साधक (सुत) को प्रभु प्राप्त कराता है| सब प्रभु धारा अंतर देता है|

1282. संत साधक को सुशोभित करता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| वासना नाशक संत प्रभु भक्ति कराता है|

1283. संत सुखदायक प्रभु धार बहाता है| दशावतार रूप संत साधक को प्रभु धारा देता है| देहधारी संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1284. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| प्रभु प्राप्त कराता है| साधक को नाद धार सुना अंतर ठहराता है|

1285. संत साधक को प्रभु धारा देता है| पवित्र सोम साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र सोम साधक को हर्षाता है|

1286. यह सर्वज्ञ संत ईष्ट (प्रभु) प्राप्त कराता है| पवित्र सोम साधक को दीप्त बनाता है| पवित्र सोम वासना दूर भगाता है|

1287. संत वायु प्रवाहित नाद धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा बहा अंतर ला ठहराता है| पवित्र सोम साधक को दक्ष बनाता है|

1288. संत साधक को अंतर लेजाता है| साधक को अंतर सुख-धार बहाता है| सोम रस साधक को अंतर सब कुछ प्राप्त कराता है|

1289. संत नाद धार बहाता है| पवित्र सोम साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा बहा भक्ति कराता है|

1290. संत साधक को प्रभु धारा दे वासना मिटा अंतर ला ठहराता है| आकर्षक संत सुखधार बहाता है| पवित्र सोम रसपान कराता है|

1291. संत वासना नाशक धार बहाता है| सोम धार बहा साधक को पवित्र करता है| संत प्रभु धारा बहा पाप मिटाता है|

1292. संत साधक को सोम पान कराता है| निष्काम संत सोम पान करा पवित्र करता है| वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है|

1293. सर्वज्ञ संत पवित्र सोम रस देता है| आकर्षक संत प्रभु धारा से वासना मिटाता है| संत अंतर नाद धारा बहाता है|

1294. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| पवित्र सोम से नियंत्रण करता है| रक्षक संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1295. संत तीन प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है| सोम धारा

अंतर बहाता है| साधक को प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

1296. वासना नाशक संत साधक को सुखधार बहाता है| प्रभु धारा दे निष्काम सेवा कराता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

1297. संत साधक को नाद धारा बहाता है| संत प्रभु धारा से साधक को अंतर ला ठहराता है| सतत प्रवाहित धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1298. पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे साधक का पालन करता है| उसे तृप्त करता है| सब प्रभु धारा सेवन कराता है| सब कुछ अंतर देता है|

1299. संत प्रभु धारा दे साधक को सब प्रभु धाराओं का स्वामी बनाता है| सोम पान कराता है| सोम धार बहाता है| भक्ति कराता है|

1300. पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर प्रभु धारा देता है| प्रभु संयुक्त संत ही प्रभु धारा देता है| प्रभु रूप संत साधक को सोम पान कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को अंतर ला सोम पान कराता है|

1301. पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा देता है| अविनाशी संत साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे कामना पूर्ण करता है| संत प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है|

1302. संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे सदा साधक को पवित्र करता है| अनेक प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है|

1303. पवित्र कर्ता संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| नाद धार बहाता है| पवित्र धारा सेवन करा साधक को सोम पान कराता है|

1304. तृप्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत साधक को अंतर ला ठहराता है| अद्भुत प्रभु रूप संत सब को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| सब को प्रत्यक्ष प्रभु धारा देता है|

1305. ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा बहा वासना मिटाता है| संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| रक्षक संत साधक को अंतर ला वासना मि-टाता है| सुधन संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है|

1306. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| साधक को प्रभु धन दे अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा से रक्षा कर सदा साधक का कल्याण करता है|

1307. यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| सुखदाता संत आनन्द-दायक प्रभु धारा देता है| स्तुत्य संत साधक (वत्स) को समृद्ध करता है|

1308. अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है| स्तुत्य संत प्रभु मिलन का साधन है| देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1309. संत प्रभु धारा दे साधक को पालन करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1310. संत वासना मिटा साधक को पवित्र करता है| आकर्षक संत सोम पान कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे पवित्र कर साधना कराता है|

1311. पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा रथ समान देता है| दीप्त संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| आकर्षक संत सोम पान कराता है|

1312. पवित्र कर्ता संत पवित्र धार बहाता है| साधक को शक्ति-शाली बनाता है| प्रभु धारा दे भक्ति करा वर्चस्वी बनाता है|

1313. देहधारी संत साधक को सोम पान करा तृप्त करता है| अंतर मार्ग दर्शन कर अंतर ठहराता है| सिद्ध संत सोम पान कराता है|

1314. पवित्र कर्ता संत साधक की रक्षा करता है| प्रभु धार बहा ब्रह्मज्ञानी बनाता है| चेतन प्रभु धारा साधक (सुत) को दे हर्षाता है| श्रेष्ठ संत नाद धार सुना तृप्त कर उत्तम रूप बनाता है|

1315. देहधारी सिद्ध संत प्रभु प्राप्त कराता है| सर्वज्ञ संत साधना कराता है|

1316. सुखदाता संत सोम पान करा साधक को दिव्य रूप बनाता है| आकर्षक संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| साधक को प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

1317. सदा देहधर आ संत पोषक प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा देता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| संत नाद धार बहा प्रभु भक्ति कराता है|

1318. सर्वज्ञ संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना कराता है| अन्न धारा दे वासना मिटाता है| सोम पान करा वासना मिटा

हर्षाता है| सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है|

1319. यह संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आनन्ददाता संत साधक की रक्षा करता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अविनाशी संत साधक को प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है|

1320. दयालु संत साधक को प्रभु बैभव अंतर दे स्तुति कराता है| कल्याणकारी संत प्रभु बैभव दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| योग साधक संत प्रभु धारा सेवन करा साधक की कामना पूर्ण करता है| दयालु संत प्रेरक प्रभु धारा देता है|

1321. संत भयभीत साधक को प्रभु धारा दे अभय बनाता है| सुधन संत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धारा से द्वेष मिटाता है|

1322. दीप्त संत ही प्रभु धारा दे साधक को दीप्त बनाता है| प्रभु धारा बहा साधना कराता है| संत वैभव धारा साधक को देता है| अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1323. सोम रूप संत साधक को प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर ला औजस्वी बनाता है| सुधन संत पवित्र करनेवाली सोम धारा देता है|

1324. संत साधक (सुत) को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| अंतर प्रभु धारा दे हर्षाता है| दीप्त संत अन्न धारा साधक को सेवन करा प्रभु रूप बनाता है|

1325. सिद्ध संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| नाद धार बहा वासना मिटाता है| दीप्त प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1326. पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| सदा आने वाला संत साधक को औजस्वी बनाता है| सदा साधक को सोम पान कराता है|

1327. नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| प्रभु धार बहा हर्षाता है| संत साधक को सोम पान करा हर्षाता है|

1328. संत देहधर आ साधक (सुत) को सोम पान कराता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु बैभव देता है| सुखदाता संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है|

1329. संत साधक को आकर्षक प्रभु धारा देता है| पवित्र धारा दे दीप्त रूप बनाता है| यह संत प्रभु

धारा बहाता है| आनन्ददायक प्रभु धारा दे साहसी बनाता है|

1330. नर नारायण रूप संत पांच प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है| साधक को प्रभु धारा अंतर बहाता है| तृप्ति दायक प्रभु धारा दे साधक को कमनीय प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है|

1331. संत साधक को अंतर प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर औजस्वी बनाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा देता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1332. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को दक्ष बनाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धार बहा साधना मे साधक को अंतर ला ठहराता है|

1133. साधक को प्रभु धारा दे साधना सिद्ध कराता है| आनन्द-दाता संत साधक को पवित्र करता है| सोम धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1134. आकर्षक प्रभु धारा दे साधक (शिशु) को ब्रह्मज्ञानी बना-ता है| वासना मिटा साधक को पवित्र करता है| सोम पान करा प्रभु प्राप्त कराता है|

1135. अंतर प्रभु धारा देता है| नाद धार बहा साधक (अंग) की वासना मिटाता है| संत सोम पान कराता है|

1136. संत अंतर जल प्रवाहित नाद धारा साधक (वत्स) को देता है| प्रभु धारा अंतर दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1137. संत सोम पान करा साधक को पालन करता है| नाद धार बहा प्रभु (समुन्द्र) सम्वेत कराता है|

1338. देहधर आ संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धारा साधक (सखा) को प्राप्त कराता है|

1339. अंतर विराजमान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1340. योधा संत प्रभु धारा से साधक को आच्छादित करता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धारा साधक को प्राप्त कराता है|

1341. यह संत केवल एक (प्रभु) की प्राप्त कराता है| सुधन संत साधक का नियंत्रण करता है| नियामक संत साधक का सुन्दर रूप बनाता है| संत प्रभु धारा देता है|

1342. देहधारी संत ही साधक को स्वयं आ मिलता है| साधक को प्रभु धार बहाता है| संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1343. अंतरश्रुत संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| वासना मिटा सुन्दर रूप बनाता है| सुखदाता संत नाद सुना साधक को प्रभु मिलन कराता है|

1344. अंतरश्रुत संत साधक को नाद सुनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधना सफल बनाता है| साधक को बांसुरी की धुन सुनाता है|

1345. अंतर रहने वाला संत साधक को प्रभु धारा से ऊपर लाता है| वह साधक को भक्ति कराता है| संत साधक को उसके जीवन का उद्देश्य प्राप्त कराता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1346. नर नारायण (संत) ही दीप्त प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| सदा रहने वाला संत साधक को सोम पान कराता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को ऊपर लाता है|

1347. साधना सिद्ध संत मुझे प्रभु धारा प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत आत्मा का भोजन देता है| प्रेरक संत साधक को पवित्र बनाता है|

1348. सदा अंतर सोम धार बहा कर प्रभु मिलन कराता है| सर्वज्ञ संत मुझे प्रभु धारा देता है| सदा आने वाला संत प्रभु भक्ति कराता है|

1349. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे तृप्त करता है| मुझे ऊपर ला (उपासना) प्रभु मिलन कराता है| सोम पान करा तृप्त करता है|

1350. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा आनन्द देता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रेरक धारा दे सब कुछ प्राप्त कराता है|

1351. देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| निष्पाप संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| देहधर आ संत सविता प्रभु धारा दे सोभाग्य देता है|

1352. रक्षक संत अंतर प्रभु धार बहाता है| दयालु संत प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| संत प्रभु धारा दे पाप मिटाता है|

1353. अंतर दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| अविनाशी संत प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| यामक संत प्रभु धारा बहा दीप्त रूप बनाता है|

1354. स्तुत्य संत प्रभु धारा अंतर दे हर्षाता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे द्वेष मिटाता है|

1355. देहधारी संत प्रभु धारा दे साधना करा दीप्त रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| देहधारी संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है|

1356. यामक संत साधक को प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1357. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है| सोम पान करा साधक को पवित्र तृप्त करता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा निष्काम बनाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहाता है|

1358. पवित्र कर्ता संत साधक को ऊपर ला ठहराता है| संत सब की रक्षा करता है| तृप्ति दायक संत तृप्ति दायक धारा दे रक्षा करता है| साधक को नियंत्रण कर अंतर ला ठहराता है|

1359. देहधारी संत नाद धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धार बहा प्रभु रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| सुखधार बहा वासना मिटाता है|

1360. देहधारी संत ही चेतन प्रभु धारा से साधक (सखा) को नियंत्रण करता है| जन्म मरण से छुडाता है| स्तुत्य संत आनन्द-दायक प्रभु धारा साधक (सुत) को प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत नाद धार से नियंत्रण करता है|

1361. रक्षक देहधारी संत आनन्ददायक प्रभु धारा बहाता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित नाद धारा सब को दे साहसी बनाता है| प्रभु धारा दे द्वेष मिटा अभय बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहाता है|

1362. प्रभु नाद धारा साधक को स्तुति कराता है| संत साधक को सोम पान कराता है| योग साधक संत पवित्र प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है|

1363. अंतरश्रुत संत साधक को तृप्त करता है| प्रभु रूप संत सब प्रभु धारा दे साधना कराता है| स्तुत्य देहधारी संत प्रभु धारा देता है| तृप्त प्रभु संयुक्त संत अंतर प्रभु धार बहाता है|

1364. देहधारी संत साधक को अंतर ला अन्न धारा दे साधना कराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1365. देहधारी संत ही प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| सिद्ध संत शक्तिशाली प्रभु धारा सेवन कराता है| अंतरश्रुत संत अंतर प्रभु धार बहाता है|

1366. सोम रूप संत साधक (सुत) को प्रभु धारा दे हर्षाता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है|

1367. देहधारी संत सोम धारा अंतर बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम धारा सेवन करा ज्योतिष्मान बनाता है| पोषक धारा दे सोभाग्यशाली बनाता है|

1368. प्रभु धारा दे साधक को सोम पान कराता है| तृप्त संत साधना कराता है| संत सब प्रभु धारा दे साधक को दक्ष बनाता है|

1369. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| देहधर आ संत साधक को शक्तिशाली बनाता है| दिव्य संत सोम पान करा वासना मिटाता है|

1370. अन्न समान संत साधक को प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक (वत्स) को प्रभु धारा से अंतर लाता है| अंतर विराजमान संत अंतर प्रभु धार बहाता है| सोम पान करा प्रभु नियम पालन कराता है|

1371. ब्रह्मज्ञानी संत अंतर प्रभु धार बहाता है| सोम पान करा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत साधक की वासना मिटाता है| सोम पान करा वासना मिटा दिव्य रूप बनाता है|

1373. प्रभु संयुक्त संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| प्रभु धारा से आच्छादित कर उसे अविनाशी रूप बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| मार्ग दर्शक संत वासना नाशक धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1373. मार्ग दर्शक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को घर मे ठहराता है|

1374. सुधन संत साधक को वासना नाशक प्रभु धारा अंतर देता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा प्रत्यक्ष प्राप्त कराता है| निपुण संत सनातन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1375. देहधारी संत सनातन वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| अविनाशी संत

सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है|

1376. अविनाशी संत साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है| पोषक प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

1377. प्राणदायक संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| अंतर सतत धार बहाता है|

1378. संत तीन वासना नाशक प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| साधक को साधना कराता है| प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

1380. अंतर विराजमान संत प्रभु भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु वचनाद धारा दे भक्ति का रहस्य खोलता है| दिव्य संत हमे प्रभु नाद धारा देता है|

1381. अविनाशी संत साधक को सनातन प्रभु धारा देता है| इससे अंतर ले जाकर ठहराता है| साधक को प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1381. ब्रह्मज्ञानी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु धारा दे निष्पाप बनाता है|

1382. साधक को अंतर नाद सुनाता है| अग्नि रूप प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सब को विजयी बनाता है|

1383. ज्योतिष्मान संत ही प्रभु धार बहाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1384. देहधारी संत साधक को प्रभु धारा देता है| इससे साधक को तृप्त कर साधना कराता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

1385. ज्योतिष्मान संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र संत प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है|

1386. सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधक को प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| तृप्त संत साधक को हर्षाता है|

1387. संत साधक (जामि) को प्रभु धारा देता है| प्रभु पुत्र संत साधक (अंश) को प्रभु धारा सेवन कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा से पालन करता है| श्रेष्ठ संत साधक को अंतर ठहराता है|

1388. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना करा दक्ष बनाता है| सब को अंतर ला ठहराता है|

आकर्षक संत पवित्र प्रभु धारा देता है| सिद्ध संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1389. देहधर आ संत पापी को भी प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को सेवन कराता है|

1390. स्तुत्य संत साधक को नाद धार सुना अंतर लाता है| प्रभु धारा सेवन करा अविनाशी रूप बनाता है| नाद धारा से साधक को अंतर ला प्रभु (पति) प्राप्त कराता है|

1391. प्रभु संयुक्त संत अनेक वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा रथ समान दे स्वर्णिम रूप बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

1392. आकर्षक संत आनन्ददायक प्रभु धारा रथ समान दे साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत सोम पान कराता है| तृप्त संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

1393. अविनाशी संत नाद धार बहा साधक को सोम पान कराता है| दीप्त संत साधक (सुत) को दीप्त प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1394. पवित्र कर्ता संत सोम पान करा साधक को दीप्त रूप बनाता है| रक्षक संत सनातन प्रभु धारा देता है|

1395. मार्ग दर्शक संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| पवित्र कर्ता संत सब प्रभु धार बहाता है| आनन्ददाता संत साधक को अंतर ठहराता है|

1396. ज्योतिष्मान संत वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा साधना सिद्ध कराता है| सिद्ध संत साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1397. माता संत अंतर पोषक प्रभु धारा देता है| सतत प्रवाहित धार बहा दीप्त रूप बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1398. संत प्रभु धारा जीवन संग्राम मे देता है| ब्रह्मज्ञानी संत सब को प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत अंतर प्रभु धारा देता है|

1399. संत प्रभु धारा दे पवित्र करता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु पुत्र संत सोम पान करा प्रभु वैभव देता है| अंतर विराजमान संत प्रेरक प्रभु धारा से अंतर ठहराता है|

1400. कल्याणकारी संत प्रभु धारा से आच्छादित कर अंतर ठहराता है| सर्वज्ञ संत नाद धार बहा नियंत्रण करता है| वचनाद सुना पवित्र कर तृप्त करता है|

सर्वज्ञ संत चेतन प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है|

1401. अंतर तृप्ति दायक धारा दे वासना मिटाता है| यशस्वी संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है| देहधारी संत अंतर पवित्र धारा देता है| कल्याणकारी संत प्रभु धारा दे सदा रक्षा करता है|

1402. स्तुत्य संत प्रभु धारा से साधना कराता है| पवित्र करनेवाली प्रभु धारा साधक को दे दीप्त रूप बनाता है| पवित्र कर्ता संत नाद धार बहा साधक को समृद्ध करता है| पवित्र कर्ता संत साधक को प्रभु धार सेवन कराता है|

1403. संत साधक को पवित्र करनेवाली प्रभु धारा देता है| पवित्र कर्ता संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे रक्षा करता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा से सोम पान कराता है|

1404. संत प्रभु धारा दे साधक को अद्भुत रूप बनाता है| आनन्ददाता संत जल प्रवाहित नाद धारा देता है| साधक को ज्ञान धारा दे साधना कराता है| सनातन प्रभु धारा दे साधक का पोषण कर उसे प्रभु रूप बनाता है|

1405. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| सदा देहधर आ संत अंतर प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

1406. ज्योतिष्मान संत जल प्रवाहित प्रभु धारा दे सेवन कराता है| यह संत साधक को प्रेरक प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

1407. ज्योतिष्मान संत सदा प्रभु धारा देता है| तृप्त संत प्रेरक प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

1408. देहधारी संत तीन प्रभु धारा अंतर दे साधक को अविनाशी रूप बनाता है| साधक को अंतर नाद धार बहाता है| अंतर विराजमान संत नाद धार बहा प्रभु मिलन कराता है| सुधन संत साधक को प्रभु बैभव देता है|

1409. बलशाली संत सब प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा अंतर दे साधना कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

1410. संत प्रभु धार बहा साधक को अभय बनाता है| समकालीन संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| सर्वव्यापक संत

वासना नाशक प्रभु धारा साधक को अंतर देता है| साधक को प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

1411. संत साधक को यशस्वी बनाता है| प्रभु रूप संत साधक को शक्तिशाली बनाता है| वासना मिटा साधक को प्रभु (एक) प्राप्त कराता है| सब को प्रभु धारा सेवन करा नियंत्रण करता है|

1412. संत साधक को चेतन प्रभु धारा दे चेतना देता है| दीप्त संत साधक को सोभाग्यशाली बनाता है| महान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा सेवन करा ब्रह्मज्ञान देता है|

1413. संत साधक को प्रभु धारा दे समृद्ध करता है| प्रभु संयुक्त संत प्रेरक प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

1414. औजस्वी संत प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को सुन्दर रूप बना सोभाग्यशाली बनाता है| संत साधक को प्रभु रूप बनाने को सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धारा देता है|

1415. ज्योतिष्मान संत साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है| रक्षक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| शाश्वत प्रभु धारा दे आत्मा का भोजन देता है|

1416. साहसी संत प्रभु धार अंतर (नाक) देता है| सुखदाता संत चेतन धारा देता है| अंतर श्रुत संत सतत धार बहाता है|

1417. वह (संत) मानवमात्र को सब प्रभु धारा देता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे भवसागर पार कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत मुझे प्रभु भक्ति कराता है|

1418. सदा देहधर आ संत अंतर वासना मिटा साधक को दशावतार रूप बनाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा अंतर प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

1419. सुखदाता संत प्रभु धारा साधक (शिशु) को दे दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु धार बहाता है| साधक को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| प्रभु धारा सोम सरोवर से बहाता है|

1420. संत प्रभु धारा अंतर दे साधक को तृप्त करता है| प्रभु धारा बहा साधना कराता है| तृप्त संत साधक को अंतर ले जाकर तृप्त करता है| सुधन संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1421. सोम रूप संत साधक (सुत) को सोम पान करा हर्षाता है| सत नाद धार बहाता है| अंतर

विराजमान संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1422. ब्रह्मज्ञानी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे शक्तिशाली बनाता है| संत प्रभु धारा दे अभिमान मिटाता है| अद्भुत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| अद्भुत संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञान देता है|

1423. त्रिदेव संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है| सनातन प्रभु धारा दे अंतर लाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहाता है|

1424. नर नारायण रूप संत दया कर सोम पान कराता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को ठहराता है| दीप्त संत अंतर प्रभु धार बहाता है| तृप्त संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1425. संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| मार्ग दर्शक संत साधक को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| साधक को ब्रह्मज्ञान धारा देता है|

1426. संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धार वहा अंतर सोम पान कराता है| सेवनीय संत प्रभु धार बहा पालन करता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है|

1427. देहधारी संत साधक को प्रभु धारा से आच्छादित कर वासना मिटाता है| सोम पान करा पवित्र करता है| सोम पान करा स्वर्णिम रूप बनात है| संत साधक को सोम पान कराता है|

1428. देहधारी संत प्रभु धार बहा वासना मिटा प्रभु बैभव देता है| पवित्र कर्ता संत सब को नाद धार बहाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| ज्योति भक्षक संत प्रभु धार बहाता है|

1429. देहधारी संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा प्रभु बैभव देता है| सदा साधक को वासना मिटा अंतर ला ठहराता है|

1430. प्रभु संयुक्त संत साधक को प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| सब प्रभु धारा साधक को प्राप्त बना अविनाशी रूप बनाता है|

1431. अंतर विराजमान संत साधक को अंतर प्रभु (सुर्य) मिलन करा साधना सिद्ध कराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटा धर्म पालन कराता है| अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1432. सोम सरोवर संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| आक-

र्षक संत प्रभु धारा दे साधक को हर्षाता है| सुखदाता संत सुख-दायक प्रभु धार बहाता है| शक्ति-शाली संत अनंत प्रभु धार बहाता है|

1433. देहधारी संत साधक को हर्षाता है| सुखदाता संत दीप्त प्रभु धारा दे सुख देता है| संत प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर प्रभु भक्ति कराता है| वह जीवन संग्राम मे चेतन प्रभु धारा देता है|

1434. शक्तिशाली संत ही केवल प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| संत प्रेरक प्रभु धारा देता है| संत साधक का नियंत्रण कर उसे प्रभु नियम पालन कराता है| वह साधक को निष्पाप बनाता है|

1435. संत साधक को पवित्र करनेवाली प्रभु धारा अंतर प्राप्त कराता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

1436. नर नारायण रूप संत पवित्र सोम धारा प्राप्त कराता है| प्रभु रूप संत नाद धारा साधना मे देता है| देहधार आ संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1437. संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा प्राप्त करा प्रभु भक्ति कराता है| साधक को सुखदायक धारा सेवन कराता है|

1438. संत साधक को प्रभु धार बहा औजस्वी बनाता है| पवित्र धारा से साधक का नियंत्रण करता है| संत सुखदायक धारा साधना मे बहाता है|

1439. पवित्र कर्ता सोम प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| सनातन प्रभु धारा दे सेवन कराता है|

1440. साधक को प्रभु धारा दे पोषण करता है| सब प्रभु रूप जीवन संग्राम मे प्राप्त कराता है| प्रभु धारा अंतर दे दिव्य रूप बनाता है| संत साधना कराता है|

1441. संत प्रभु धारा दी सोम पान करा साधक की रक्षा करता है| पापी को प्रभु धारा दे पाप मिटाता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

1142. संत साधक को सोम पान कराता है| सोम रूप संत प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत सब प्रभु रूप दिख-ला भक्ति कराता है| प्रभु धारा सेवन करा वासना मिटाता है|

1443. संत सब को प्रभु धारा दे सेवन कराता है| सिद्ध संत साधक सुत को जीवन संग्राम मे भक्ति कराता है| साधक को प्रभु धारा दे विजयी बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा नियंत्रण कर रक्षा करता है|

1444. दीप्त संत साधक को अंतर प्रभु बल देता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| नाद धार बहा सोम पान करा भक्ति कराता है|

1445. प्रभु कारिन्दा संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक (सुत) को सोम पान करा पवित्र करता है| सोम रूप संत सोम पिला नियत्रण करता है|

1446. तृप्त संत साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत वासना मिटा साधना कराता है| संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1447. वासना नाशक संत साधक को सोम पान करा पवित्र करता है| मनो कामना पुर्ण कर प्रभु प्राप्त कराता है|

1448. संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम धार बहा साधक को हर्षाता है| साधक को प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1449. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु वैभव देता है| सोम रस बहाता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है|

1450. अंतर विराजमान संत नाद धार बहा साधक का मार्ग दर्शन करता है| साधक को अंतर ला प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है|

1451. सदा देहधर आ संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा औजस्वी बनाता है| वासना नाशक संत मन को रोकता है|

1452. संत साधक का कल्याण करता है| साधक (सखा) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1453. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| सदा गतिशील संत प्रभु धारा दे साधक की रक्षा करता है| प्रभु धारा से पालन कर दीप्त रूप बनाता है|

1454. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को तृप्त करता है| धर्म पालक संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| वासना नाशक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत वासना मिटा साधना कराता है|

1455. ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को ज्योतिष्मान बनाता है| सब प्रभु धारा अंतर दे प्रभु (बृहत) प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| सदा प्रभु धार बहा औजस्वी बनाता है|

1456. संत साधक को पोषक प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे शिक्षा देता

है| यामक संत साधक को अंतर स्वरूप दिखला दीप्त रूप बनाता है|

1457. संत ही साधक (सुत) को प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| सोम रूप संत सदा प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत कामना पुरी कर साधना कराता है| सुधन संत प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु (पद) प्राप्त कराता है|

1458. संत तत्काल प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| सब प्रभु धारा दे साधना कराता है| साधना मे रक्षा करता है|

1459. वासना नाशक संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| प्रभु संयुक्त संत सुख धार बहा वर्चस्वी बनाता है| नर नारायण रूप संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे साधना सिद्ध कराता है| देहधारी संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1460. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| वासना नाशक संत अंतर प्रभु वैभव देता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| कल्याणकारी संत सदा प्रभु धारा दे रक्षा करता है|

1461. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| शक्तिशाली संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1462. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा वरणीय रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत साधना करा प्रभु प्राप्त कराता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे प्रेरणा देता है|

1463. संत सोम पान करा साधक को अंतर ला ठहराता है|

1464. ज्योतिष्मान संत साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1465. संत प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| सुधन संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा प्रभु मिलन को देता है| प्रभु धारा बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

1466. प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा सेवन करा साधक को दक्षता देता है| संत द्रोह मिटाता है|

1467. संत सुखदायक प्रभु धारा अंतर देता है साधक को सेवन कराता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1468. (संत) उषा समान प्रभु धारा देकर वासना मिटाता है| देहधारी संत प्रभु धारा देकर ऊपर लाकर ठहराता है| दीप्त धारा देकर अंतर दीप्त बनाता है|

1469. यह (संत) हमे प्रभु धारा देकर सुन्दर रूप बनाता है| आकर्षक संत रथ समान प्रभु धारा देता है| नियामक संत नियंत्रण कर प्रभु धार बहाता है|

1470. (संत) प्रभु धारा दे सुन्दर रूप बनाता है| सुन्दर संत साधक को सुन्दर रूप बनाता है| दीप्त संत साधक को दीप्ति देता है|

1471. संत सोम धारा पिला साधक को अंतर ला ठहराता है| सोम धारा दे साधक का पालन करता है| संत ही प्रभु धार बहा साधक को हर्षाता है| संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है|

1472. संत ही प्रभु धारा रथ समान देता है| महान संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव दे साधना कराता है| देहधर आ संत प्रभु धार अंतर बहाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1473. वासना नाशक संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा दिव्यता देता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अनेक प्रभु धार बहा वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है|

1474. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा प्राप्त कराता है| प्रेरक संत सब प्रभु धारा प्रत्यक्ष प्राप्त कराता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

1475. संत साधक को आनन्द-दायक धारा दे साधना कराता है| सब प्रभु धारा बहा प्रभु मिलन कराता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1476. सिद्ध संत ही साधना सिद्ध कराता है| साधनामय संत प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त मार्ग प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1477. साधना सिद्ध संत सतत प्रभु धार बहा वरणीय रूप बनाता है| प्रभु धारा अंतर प्रकट करता है| पोषक धारा साधक (तनय) को दे दक्ष बनाता है|

1478. शक्तिशाली संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना कराता है| दयालु संत प्रभु भक्ति कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु प्राप्त साधन है|

1479. सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक को वरणीय रूप बनाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| पोषक प्रभु धारा साधक (तनय) को दे दक्ष बनाता है|

1480. देहधर आ संत साधक (सुत) को प्रभु धारा दे श्रेष्ठ रूप बनाता है| सब को प्रभु धारा दे

श्रेष्ठ रूप बनाता है| प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

1481. देहधर आ संत साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक (वत्स) को दयामयी प्रभु धारा देता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1482. प्रभु धारा अंतर दे भक्ति बीज बोता है| अंतर साधक को प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को तृप्त कर अंतर लाता है|

1483. ज्योतिष्मान संत सब को प्रभु धारा दे प्रभु (ज्येष्ट) प्राप्त कराता है| प्रभु संयुक्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| ब्रह्मज्ञानी संत तत्काल नाद धार बहा वासना मिटाता है| श्रेष्ठ संत प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1484. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा साहसी बनाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा मन को रोकता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे हर्षाता है|

1485. अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| नर नारायण रूप संत सारे संसार को प्रभु धारा देता है| सेवनीय संत प्रभु धारा सेवन करा हर्षाता है| सोम रूप संत सोम पान कराता है|

1486. महान संत तीन सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर दे साधक को तृप्त करता है| सतत प्रवाहित प्रभु अंतर दे सोम पान कराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा साधक (सुत) को दे प्रभु रूप बनाता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा भक्ति सफल कराता है| संत प्रभु धार बहा इनसे प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

1487. देहधर आ संत प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| प्रभु धार बहाता है| वर्चस्वी संत प्रभु धार बहा सब की वासना मिटाता है| दयालु संत दीप्त प्रभु धारा द भक्ति करा प्रभु वैभव देता है| संत प्रभु धार बहा इनसे प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

1488. औजस्वी संत दीप्ति दायक प्रभु धारा अंतर देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा सब संसार को दे वासना मिटा समृद्ध करता है| अंतर प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| संत प्रभु धार बहा इनसे प्रभु (सत्य) मिलन कराता है|

1489. देहधारी संत नाद धारा बहाता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे साधना कराता है| प्रभु रूप संत अंतर प्रभु धारा दे प्रभु (पति) प्राप्त कराता है|

1490. आकर्षक संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

यह देहधारी संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1491. नाद रूप संत साधक को दीप्त रूप बना प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1492. संत प्रभु धारा सेवन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| वासना नाशक संत ज्ञान धारा दे साधना कराता है| सदा देहधर आ संत साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1493. दयालु संत सदा ही साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को नियंत्रण कर प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| साधक (पुत्र) को शक्तिशाली बनाता है|

1494. संत सोम सनातन धारा साधक को अंतर सेवन कराता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को विजयी बनाता है|

1495. प्रभु प्राप्त योगी संत प्रभु धार बहाता है| सुधन संत रुचिकर प्रभु धारा सेवन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1496. पवित्र कर्ता संत सब को प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से सब की वासना मिटाता है| नर नारायण रूप संत ही साधक को निष्ठावान बनाता है| सुखदाता संत साधक को अंतर ठहराता है|

1497. यह (संत) मुझे प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| सदा देहधर आ संत प्रभु नाद संगीत धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे वचनाद सुनाता है|

1498. अद्भुत संत प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धारा को अंतर प्राप्त कराता है| साधक को सदा प्रभु धार बहाता है|

1499. देहधर आ संत मुझे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धारा दे ऊपर लाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धन अंतर देता है|

1500. देहधारी संत ही पोषक प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु समान संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1501. सनातन प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| संत प्रभु धारा दे वासना मिटा अंतर ठहराता है|

1502. संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| यह मंत्र दृष्टा संत साधक को दीप्त रूप

बनाता है| स्तुत्य संत साधक को समृद्ध करता है|

1503. ज्योतिष्मान संत बासना नाशक धारा दे सब प्रभु रूप दिखलाता है| संत सतत प्रवाहित जल नाद धारा सुनाता है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1504. पवित्र सोम धारा सदा प्राप्त होती है| दीप्त संत प्रभु धारा अंतर देता है| संत सोम धारा दे भक्ति कराता है|

1505. ज्योतिष्मान संत साधक को ज्योतिष्मान बनाता है| संत प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रेरक संत प्रभु धन देता है|

1506. सोम रूप संत सदा ही साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| तृप्त संत साधक को प्रभु धारा दे शक्तिशाली बना साधना कराता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा से प्रेरणा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1507. देहधारी संत ही प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला तृप्त करता है| संत चेतन प्रभु धारा अंतर बहाता है| अंतर विराजमान संत आनन्ददायक प्रभु धारा सेवन करा साधक को अंतर ठहराता है|

1508. अविनाशी संत साधक को सोम पान करा प्रभु रूप बनाता है| सुन्दर संत सोम पान करा धर्म पालन कराता है| आनन्ददाता संत अन्न धारा दे साधना कराता है|

1509. यह संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सोम पान करा दिव्य रूप बनाता है| ज्योतिष्मान देहधारी संत प्रेरक प्रभु धारा दे प्रभु महिमा गहाता है|

1510. अंतर आकर्षक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु (पति) मिलन कराता है| अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे स्तुति कराता है|

1511. देहधारी प्रभु पुत्र संत सनातन प्रभु धारा सेवन करा प्रभु मिलन कराता है| सुधन संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1512. प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु (पति) मिलन कराता है|

1513. सोम सरोवर संत प्रभु धारा देता है| साधना कराता है| प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है|

1514. प्रेरक प्रभु धारा दे चेतना दे भक्ति कराता है| संत प्रभु धारा देता है| प्रभु वैभव दे भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1515. देहधारी संत प्रभु नाद धारा देता है| प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| अंतर वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| साधक को जल प्रवाहित नाद धारा देता है|

1516. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा दे साधना कराता है| अनेक प्रभु धारा दे साधना कराता है| योग साधक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1517. ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है|

1518. ज्योतिष्मान संत साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1519. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| पांच प्रभु धारायें प्राप्त कराता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1520. साधक को सब प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| यह संत पवित्र सोम धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| सोम धारा से ठहराता है|

1521. देहधारी संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| संत साधक की वासना मिटाता है| तृप्त संत प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बना साधक को अंतर ठहराता है|

1522. संत ही साधक को अंतर ला ठहराता है| सम्यक प्रभु धार बहा प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| अंतर प्रभु धारा दे भक्ति करा प्रभु नियम पालन कराता है|

1524. अंग संग रहने वाला संत प्रभु धारा रथ समान बहा तृप्त करता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा भक्ति करा प्रभु वैभव देता है|

1524. रक्षक संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे मेरी रक्षा करता है| तृप्ति दायक धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| सब प्रभु रूप अंतर दिखा भक्ति कराता है|

1525. ज्योतिष्मान संत देहधर आ साधक को प्रभु धन देता है| सब प्रभु धारायं देकर साधक का सुन्दर रूप बनाता है| सब प्रभु धारा साधक के जीवन मे दे कर वासना मिटाता है|

1526. ज्योतिष्मान संत देहधर आ चेतन धारा दे प्रभु वैभव देता है| सब प्रभु धारा दे अंतर साधक का पालन करता है| साधक को आनन्द दायक प्रभु धारा देता है|

1527. सिद्ध संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| शाश्वत प्रभु धारा दे सेवन कराता है| साधक को अंतर ठहराता है|

1528. प्रभु संयुक्त संत नाद धार बहाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है|

1529. ज्योतिष्मान संत प्रभु बैभव दे अंतर ठहराता है| नाद धार बहाता है| अंतर प्रभु धार बहा तृप्त करता है|

1530. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| प्रभु धारा से अंतर लाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1531. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को साधना कराता है|

1532. ब्रह्मज्ञान धारा से प्रेरणा दे द्रोह मिटाता है| धूमकेतु दिखा प्रभु बैभव देता है| प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1533. दीप्त संत वासना नाशक प्रभु धारा दे भक्ति कराता है| प्रभु रूप संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| तृप्त संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है|

1534. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला पवित्र करता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत अंतर स्वरूप दिखला स्तुति कराता है|

1535. सुखदाता संत प्रभु धारा दे साधक को भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत सुखदायक धारा दे साधक को भक्ति कराता है| सुखदाता संत ही प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है|

1536. देहधर आ संत साधक को प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत तृप्ति दायक धारा दे साधक का दीप्त रूप बनाता है| मित्र (संत) सखा भाव से साधक को भक्ति कराता है|

1537. प्रभु संयुक्त संत मुझे प्रभु रूप बनाता है| प्रभु संयुक्त संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1538. स्तुत्य देहधारी संत प्रभु धारा सेवन कराता है| वासना मिटा भवसागर पार कराता है| सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधना कराता है|

1539. सुखदाता संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे प्रभु (देव) मिलन कराता है| प्रभु धारा सेवन करा स्तुति कराता है|

1540. साधक को सुखदायक प्रभु धार बहा तृप्त करता है| सुखदाता संत सुखदायक धारा से साधना सिद्ध कराता है| ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1541. महान संत प्रभु धारा दे स्तुति कराता है| साधना कराने को साधक को अंतर लाता है| ज्योतिष्मान संत साधक को दिव्य रूप बनाता है|

1542. संत साधक को अंतर ला प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु रूप संत आकर्षक प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

1543. आनन्ददायक प्रेरक प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| अद्भुत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| स्तुत्य संत वासना नाशक प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है|

1544. एक संत ही वासना नाशक प्रभु धारा दे रक्षा करता है| संत ही साधक की प्रभु धारा दे रक्षा करता है| रक्षक संत प्रभु नाद धार बहा साधक को औजस्वी बनाता है| रक्षक संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु बैभव देता है|

1545. रक्षक संत सब प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| संत प्रभु धारा नाव समान देता है| देहधारी संत ही साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धारा अंतर बहा साधक को स्मृद्ध करता है|

1546. देहधारी संत दीप्त प्रभु धारा दे सिद्ध बनाता है| अंतरश्रुत संत नाद धार बहा साधक को दक्ष बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| वासना नाशक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1547. ज्योतिष्मान संत आकर्षक प्रभु धारा देता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को पालन करता है| अंतर प्रभु धारा दे सोम पान करा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| सुधन संत दीप्त रूप बनाता है|

1548. कल्याणकारी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला कल्याण करता है| सिद्ध संत साधना कराता है| श्रेष्ठ संत दीप्त प्रभु धारा दे वासना मिटा अंतर ठहराता है| श्रेष्ठ संत गतिशील प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

1549. नाददाता संत वासना नाशक प्रभु धारा साधक (अंग) को देता है| प्रभु धार बहा साधक को औजस्वी बनाता है| संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1550. सुखदाता संत साधक को नियंत्रण कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साहसी संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| नाददाता संत वचनाद सुना तृप्त करता है|

1551. देहधारी संत अंतर सब प्रभु धार बहाता है| साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| देहधर आ संत जल प्रवाहित नाद धारा देता है|

1552. द्रोह रहित संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है| देहधारी तृप्त संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1553. ज्योतिष्मान संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को सुन्दर रूप बनाता है| देहधारी संत साधना मे प्रभु धारा सेवन कराता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है|

1554. देहधारी संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को पवित्र करता है| अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत साधक को तृप्त कर प्रभु मिलन कराता है| रक्षक संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर प्रभु बैभव देता है|

1555. वासना नाशक प्रभु धारा अंतर दे ब्रह्मज्ञान देता है| दयालु संत साधक को वर्चस्वी बनाता है| प्रेरक संत द्विज को प्रभु धारा देता है| आनन्द धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1556. अविनाशी संत सनातन प्रभु धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा साधक को देता है| रथी संत सदा अद्भुत प्रभु धार बहाता है|

1557. देहधारी संत प्रभु की तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहा साधक को पवित्र करता है|

1558. सिद्ध संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा बहा वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु नाद धारा सुना भक्ति कराता है|

1559. कल्याणकारी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे कल्याण करता हे| सोभाग्यशाली संत साधना करा कल्याण करता है| कल्याणकारी संत साधक को प्रशंसनीय रूप बनाता है|

1560. ब्रह्मज्ञानी संत वासना मिटा साधक का कल्याण करता है| साहसी संत जीवन संग्रम मे प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| रक्षक संत साधक (तनय) को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा से साधक को अंतर ठहराता है|

1561. ज्योतिष्मान संत साधक को नियंत्रण कर शक्तिशाली बनाता है| नियंत्रण कर्ता संत साधक को साहसी बनाता है| मुझे नियंत्रण कर सतत प्रभु नाद सुना ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1562. सोम रूप संत मुझे सब प्रभु रूप प्राप्त कराता है| प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है रक्षा करता है| मित्र साधक का जन्म मरण मिटाता है|

1563. सदा देहधर आने वाला संत साधक को दीप्त प्रभु धारा देता है| वासना नाशक संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे साधक को ऊपर लाता ह| वह संत प्रभु धारा से वासना मिटा दिव्य रूप बनाता है|

1564. सब को प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| तृप्त करता है| अंतरश्रुत संत वासना नाशक प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| स्तुत्य संत वासना नाशक प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञान देता है|

1565. मनुषवत संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त संत साधक को साधना कराता है| यामक संत साधक को नियंत्रण कर श्रेष्ठ रूप बनाता है|

1566. यह संत ब्रह्मज्ञान धारा दे साधना करा प्रभु प्राप्त कराता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धारा सेवन कराता है|

1567. सिद्ध संत वासना नाशक प्रभु धारा दे जल प्रवाहित नाद सुना पवित्र करता है| श्रेष्ठ संत प्रभु धार बहा पवित्र करता है| प्रेरक ब्रह्मज्ञान धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| ज्ञान धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1568. ज्योतिष्मान संत साधक को सदा अमृत पान करा प्रभु सन्देश देता है| प्रभु धारा सेवन करा रक्षा कर भक्ति कराता है| संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे चेतन रूप बनाता है| तृप्त संत प्रभु धारा से अंतर ला प्रभु मिलन कराता है|

1569. ज्योतिष्मान संत दोनो रूपों से वासना मिटा प्रभु नियम पालन कराता है| प्रभु सन्देश वाहक संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतर प्रभु धार बहा कल्याण करता है|

1570. देहधारी संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को अंतर ला तृप्त करता है| सदा देहधर आ संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

1571. तृप्त संत प्रभु धार बहा साधक की रक्षा करता है| वासना

नाशक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

1572. तृप्त संत प्रभु धार बहा प्रभु (पद) दिखलाता है| अंतरश्रुत संत नाद प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| प्रभु के सब रूप चेतन धारा द्वारा अंतर देता है| सर्वज्ञ सन्त सब कल्याणकारी प्रभु नाद धारा देता है|

1573. देहधारी संत सनातन प्रभु धारा दे सोम पान करा साधना कराता है| समकालीन प्रभु रूप संत प्रभु धार अंतर बहाता है| सनातन प्रभु धारा से साधक को नियंत्रण करता है|

1574. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| शक्तिशाली संत आनन्ददायक प्रभु धारा साधक (सुत) को दे गतिशील बनाता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा अन्धकार मिटा प्रभु महिमा गहाता है| प्रभु संयुक्त संत सनातन प्रभु धारा दे स्तुति कराता है|

1575. देहधारी संत प्रभु धार बहा अंतर प्रभु नाद धारा से भक्ति कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा साधना सफल कराता है| सतत प्रवाहित प्रकाश धारा साधक को तृप्त करती है|

1576. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा नये नये आवरण सनातन प्रभु धारा से मिटाती है| प्रभु धारा से मन की वासना मिटाती है| प्रभु धारा कर्म मे प्रेरित करती है|

1577. सतत् प्रवाहित प्रकाश धारा साधक को अंतर ला ठहराती है| देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु रूप बनाने को साधक को प्रभु प्राप्त मार्ग पर चलाता है|

1578. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा साधक को शक्तिशाली बनाती है| तृप्ति दायक प्रभु धारा साधक को अंतर ठहराती है| प्रभु संयुक्त संत प्रभु धारा अंतर प्रकट करता है|

1579. पवित्र संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सब प्रभु धार बहा रक्षा करता है| सुधन संत प्रभु धारा दे साधक को यशस्वी बनाता है|

1580. सर्वव्यापक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को निष्पाप बनाता है| अंग संग रहने वाला संत साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत सदा प्रभु धार बहाता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

1581. यह संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु बैभव दे सोभाग्य देता है| सुखदाता संत प्रभु बैभव देता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु (ईष्ट) मिलन कराता है|

1582. संत सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धार बहाता है| प्रभु संयुक्त संत दया कर प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत अंतर ज्ञान धारा देता है| रक्षक संत प्रभु धारा नाद समान देता है|

1583. दयालु सुधन संत प्रेरक प्रभु धारा देता है| आनन्ददाता संत साधक को प्रभु धारा देता है| सुधन संत साधक को सदा प्रभु धारा देता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1584. अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा रथ समान देता है| दयालु संत प्रभु धारा से वासना मिटा प्रभु मिलन कराता है| नर नारायण रूप संत साधक को आनन्ददायक प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| दीप्त संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु बैभव देता है|

1585. यह मुझे बादल की गर्ज नाद सुनाता है| देहधारी संत मुझे आनन्द देता है| रक्षक संत शाश्वत प्रभु धारा देता है|

1586. नाददाता संत साधक को अंतर लाता है| प्रभु धार बहा हर्षाता है| नाददाता संत जीवन संग्राम मे स्तुति कराता है|

1587. संत सब को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे रक्षा करता है| संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| संत ही सब प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| संत प्रभु धारा दे साधना कराता है|

1589. तृप्त संत प्रभु धार बहा सारे कर्म कराता है| अंतर ठहराता है| प्रभु संयुक्त संत नाद धार दे साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| सुधन संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1590. संत आकर्षक प्रभु धारा सेवन करा पवित्र करता है| सब वासना मिटाता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा अंतर दे प्रभु मिलन कराता है| पवित्र कर्ता संत प्रभु धारा साधक को दे सुन्दर रूप बनाता है| सब प्रभु धारा अंतर दे वासना मिटाता है| सब प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1591. अविनाशी संत सनातन प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है| प्रभु धारा रथ समान दे साधक को दिव्य रूप बनाता है| अंतरश्रुत संत पोषक प्रभु धारा दे साधक को विजयी बना हर्षाता है| वासना नाशक संत देहधर आ प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

1592. साधक को पोषक प्रभु धारा देता है| सुधन संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| रक्षक संत साधना मे नाद धार दे

साधना कराता है| त्रिदेव संत अंतर प्रभु धारा देता है| साधक को अविनाशी रूप बनाता है|

1593. संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना कराता है| साधक को मार्ग दर्शन कर भक्ति कराता है|

1594. साधक को प्रभु धारा से अंतर ला ठहराता है| साधक को प्रभु मिलन करा प्रभु रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत नाद सुना कामना पूर्ण करता है|

1595. साधक को जल प्रवाहित नाद धार सुना अंतर ला ठहराता है| यह संत नाद धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| साधक को आनन्ददायक प्रभु धारा देता है|

1596. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| प्रभु धारा सेवन करा तृप्त करता है| पवित्र संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1597. नर नारायण रूप संत साधक (तनय) को पवित्र करने-वाली प्रभु धारा देता है| अंतर प्रभु धारा दे निपुण बना दीप्त रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को साधना कराता है|

1598. सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| तृप्ति दायक प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु मिलन कराता है|

1599. प्रभु संयुक्त संत साधक को ऊपर लाता है| अंतर मे दीप्त रूप बनाता है| वचनादमय संत साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1600. प्रभु धार बहा संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधक को बलवान बनाता है| सिद्ध संत साधक का मार्ग दर्शन करता है|

1601. वह (संत) साधक को ऊपर ला रक्षा करता है| प्रभु धारा दे साधना सफल बनाता है| संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1602. अंतरश्रुत संत अंतर प्रभु धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है| नर नारायण रूप संत नाद धार बहा साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है|

1603. सदा देहधर आ संत पवित्र प्रभु धारा दे सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है| रक्षक संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1604. तृप्त संत प्रभु धार बहा साधक की वासना मिटाता है| पापी को प्रभु धारा दे अंतर लाता है|

1605. सतत प्रवाहित प्रभु धार बहा संत साधक को निडर बनाता

है| नर नारायण रूप संत साधक का मित्र है| आनन्ददाता संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1606. देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त बना साधना कराता है| दयालु संत वासना मिटाता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा साधक को साधना कराता है| प्रभु धार बहा सोम पान कराता है|

1607. सुधन संत साधक को जल प्रवाहित नाद धार बहा अंतर लाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को समृद्ध करता है| पवित्र कर्ता संत साधक को पवित्र करनेवाली धारा देता है| देहधारी संत प्रभु धारा सेवन करा भक्ति कराता है|

1608. यह संत अनेक प्रभु धार बहा साधक को साहसी बनाता है| प्रभु समान संत साधक को प्रभु धारा दे पालन करता है| सत्य प्रभु रूप संत साधक को प्रभु महिमा गहाता है| शक्तिशाली ब्रह्मज्ञान धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1609. स्वामी संत सब प्रभु धारा साधक को देता है| दीप्त रूप संत साधक को अंतर ला ठहराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे वासना मिटा रक्षा करता है| साधक को प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है|

1610. सदा देहधर आ संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को निष्काम कर्म कराता है| सुधन संत प्रभु धार बहा साधक का पोषण करता है| शक्तिशाली संत सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है|

1611. अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| साधक (सुत) को अंतर ला दक्ष बनाता है| साधक को अंतर ला पवित्र करता है|

1612. संत साधक को आकर्षक प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर सोम पान कराता है| सखा संत साधक (सखा) को अद्भुत प्रभु धारा देता है|

1613. सिद्ध संत पापी को भी अद्भुत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सोम पान करा पाप मिटा अंतर ला ठहराता है|

1614. दीप्त संत प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| स्वर्णिम रूप संत प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है|

1615. देहधारी संत पवित्र प्रभु धारा देता है| प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| दीप्त संत प्रभु धारा

दे वासना मिटा साधक की रक्षा करता है| आकर्षक संत सुखधार बहाता है|

1616. सदा दीप्त संत साधक को प्रभु धारा देता है| आकर्षक संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को समर्पणशील बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| प्रभु धारा रथ समान दे साधक की रक्षा कर अंतर ठहराता है|

1617. ज्योतिष्मान संत सब प्रभु धारा देकर साधक को दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु मिलन करा वचनाद सुनाता है| यह संत प्रवाहित धारा से आत्मा को भोजन देता है|

1618. यह देहधारी (संत) ही शाश्वत प्रभु धारा देता है| प्रभु पुत्र (संत) प्रभु धारा दे प्रभु से मिलाता है| प्रभु धारा से आत्मा को भोजन देता है|

1619. मुझे तृप्तिदायक प्रभु धारा दे सब प्रभु धाराओं का स्वामी बनाता है| प्रेरक संत आनन्द दायक प्रभु धारा दे साधक को वरण करता है| ज्योतिष्मान संत तृप्ति दायक धारा दे अंतर लाता है|

1620. वह (संत) प्रभु धारा से सब कुछ प्राप्त कराता है| संत साधक को सब कुछ प्राप्त कराता है| संत साधक को मोक्ष प्राप्त कराता है|

1621. संत साधक को प्रभु धार बहा सेवन कराता है| साधक को प्रभु धारा दे साधना कराता है| साधक को अद्वितीय रूप बनाता है|

1622. प्रभु युक्त संत प्रभु धारा प्रवाहित करता है| वह मानवमात्र को शक्तिशाली बनाता है| नियामक संत अति सुन्दर रूप बनाता है|

1623. अंतर विराजमान संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| सुधन संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा रथ समान देता है| संत साधक को स्वयं आ मिलता है|

1624. वासना नाशक संत साधक (तनय) को पोषक प्रभु धारा देता है| प्रभु धार सतत बहा साधक को प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है| साधक की प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1625. त्रिदेव संत साधक को प्रभु धार बार बार बहाता है| वर्चस्वी संत वासना मिटा प्रभु महिमा गहाता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धार बहा साधक को शक्तिशाली बनाता है| संत ही सब प्रभु रूप

(नाम) दिखला साधक को अंतर ठहराता है|

1626. प्रभु रूप का स्वामी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| यामक संत वायु समान नाद धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को शक्तिशाली बनाता है| प्रभु धारा अंतर दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1627. सर्वव्यापक संत प्रभु धार बहा साधक को सुन्दर रूप बनाता है| प्रभु धारा सेवन करा साधक को अंतर ठहराता है| स्तुत्य संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को समृद्ध करता है| कल्याणकारी संत सदा साधक को प्रभु धारा दे रक्षा करता है|

1628. वायु समान संत प्रभु धारा दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| सोम रूप संत सदा ही साधक को अंतर ला ठहराता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत साधक का नियंत्रण करता है|

1629. संत वायु समान प्रभु नाद धारा दे साधक को सोम पान कराता है| संत प्रभु धारा दे पापी को भी प्रभु धारा सेवन कराता है| सर्वव्यापक संत प्रभु धारा दे मल आवरण मिटाता है|

1630. वायु रूप संत वासना नाशक प्रभु धारा रथ समान दे साधक को शक्तिशाली बनाता है| यामक संत सोम पान करा साधक की रक्षा करता है|

1631. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देह-धारी संत प्रभु अन्न धार बहाता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है| आकर्षक प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है|

1632. यह संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| आनन्ददाता संत साधक की रक्षा करता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| अविनाशी संत साधक को प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है|

1633. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| पवित्र प्रभु धारा सेवन कराता है| दयाकर साधक को साधना कराता है| प्रभु धारा दे प्रभु रूप दिखलाता है|

1634. देहधारी संत साधक को सतत प्रवाहित धारा देता है| वंदनीय संत अग्नि रूप प्रभु धारा दे तृप्त करता है| साधना मे दीप्त रूप बनाता है|

1635. वह (संत) ही मुझे अंतर ला साहसी बनाता है| सदा आने

वाला संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| कल्याणकारी संत हमे प्रभु धारा देता है|

1636. वह मुझे ऊपर ला ठहराता है| देहधारी संत साधक की रक्षा करता है| सब प्रभु रूप दिखला रक्षा करता है|

1637. संत साधक को प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1638. सदा देहधर आ संत सतत प्रवाहित वासना नाशक धारा देता है| साधक (शिशु) को प्रभु धारा देता है| सब प्रभु रूप वाला संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है| संत वासना मिटा साधक को शक्तिशाली बनाता है|

1639. संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अद्भुत प्रभु धारा अंतर बहाता है| सदा देहधर आ संत अंतर ला ठहराता है|

1640. आनन्ददाता संत दीप्त प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1641. सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे संत साधक (अंग) को अंतर लाता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर (गुहा) मे लाकर ठहराता है| साधक को नियंत्रण कर अंतर लाता है|

1642. संत सब प्रभु नाद धारा दे साधना कराता है| रक्षक संत प्रभु धार बहाता है|

1643. साधक को प्रभु धारा दे अनासक्त बनाता है| प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1644. संत सतत प्रवाहित प्रभु बैभव धारा दे ज्ञान देता है| साधक को प्रभु रूप बनाता है| रक्षक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1645. नर नारायण रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| नर नारायण रूप संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| यामक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1646. नर नारायण रूप संत अंतर साधक को नाद धारा दे समृद्ध करता है| सर्वव्यापक संत अंतर (पर्वत) प्रभु धारा देता है|

1647. सर्वव्यापक संत साधक को प्रभु धार बहाता है| दीप्त संत बादल की गर्ज नाद सुना साधक को नियंत्रण करता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा हर्षाता है|

1648. तृप्त संत वासना नाशक प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| संत साधक को नियंत्रण करता है| गतिशील संत वासना मिटाता है|

1649. संत सदा अंतर प्रभु धारा देता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा सेवन करा प्रभु बैभव देता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है|

1650. संत मुझे प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| श्रेष्ठ संत प्रभु धार बहा दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा दे प्रभु बैभव दे विजयी बनाता है|

1651. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| सब प्रभु धारा दे साधक को तृप्त करता है| प्रभु रूप संत प्रभु मिलन कराता है|

1652. संत अद्भुत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| वासना नाशक संत वासना मिटा अंतर ठहराता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा अंतर ठहराता है|

1653. प्रभु रूप संत साधक को प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहाता है| संत सब को प्रभु धारा से आच्छादित करता है|

1654. मार्ग दर्शक संत ब्रह्मज्ञान धारा अंतर बहा साधक को समृद्ध करता है|

1655. देहधारी संत प्रभु धार बहाता है| कल्याणकारी संत साधक को अविचल बनाता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा से अंतर ला साधक को साधना कराता है|

1656. देहधारी संत साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1657. योग साधक संत प्रत्येक कार्य मे प्रभु धारा दे नियंत्रण कर हर्षाता है| सोम पान करा शक्तिशाली बनाता है|

1658. मार्ग दर्शक संत साधक (सुत) को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| दीप्त संत श्रेष्ठ प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| सर्वव्यापक संत साधना मे प्रभु धारा देता है|

1659. पालक संत साधक (सुत) की वासना मिटाता है| संत ही प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| यामक संत वासना मिटा रक्षा करता है|

1660. साधक को सोम पान करा दीप्त रूप बनाता है| प्रभु समान संत प्रभु मिलन कराता है| संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1661..संत प्रभु धारा बहा सेवन कराता है| सोम पान करा चेतन

रूप बनाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है|

1662. संत साधक को सोम पान करा अंतर ठहराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है|

1663. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहाता है| प्राणीमात्र को प्रभु मिलन कराता है| नाद धार दे भक्ति कराता है|

1664. वह मुझे प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है| धूमकेतु तारा अंतर दिखा कर सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1665. वह प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| संत नाद धारा सुना मेरी साधना सफल बनाता है| ज्योतिष्मान संत नाद सुना प्रभु प्राप्त कराता है|

1666. संत साधक को नाद धार बहा प्रभु (सच) मिलन कराता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1667. देहधारी संत प्रभु वैभव धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धारा दे अंतरश्रुत बनाता है| साधक को अंतर ला जल प्रवाहित प्रभु नाद धारा सुनाता है|

1668. संत ही साधक को नाद धारा से अंतर ला वासना मिटाता है| पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर दिव्य रूप बनाता है|

1669. प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| तीन प्रभु धाराओं युक्त संत प्रभु प्राप्त कराता है| मुझे जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1670. तीन प्रभु धारायें देकर प्रभु प्राप्त कराता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1671. संत अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधना कराता है| साधक को मार्ग दर्शन कर भक्ति कराता है|

1672. संत साधक को परमात्मा की प्राप्त कराता है| सदा संत प्रभु (सुर्ये) से मिलाता है| प्रभु धारा दे ऊपर लाता है|

1673. संत साधक को आकर्षक प्रभु धारा देता है| संत साधक को अंतर सोम पान कराता है| सखा संत साधक (सखा) को अद्भुत प्रभु धारा देता है|

1674. संत मेरी रक्षा करता है| वह सर्व व्याप्त धारा देता है| साधक को शाश्वत धारा दे दीप्त बनाता है|

1675. मार्ग दर्शक संत साधक को प्रभु धारा दे नरसिंह रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर नाद धार सुनाता है|

1676. संत ही साधक (सुत) को प्रभु धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| सोम रूप संत सदा प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत कामना पुरी कर साधना कराता है| सुधन संत प्रभु धारा रथ समान दे प्रभु (पद) प्राप्त कराता है|

1677. अंतर विराजमान संत सनातन वचनाद धारा दे प्रभु प्राप्त कराता है| अविनाशी संत प्रभु धारा सेवन करा प्रभु रूप बनाता है| स्तुत्य संत प्रभु धार बहा साधना कराता है|

1678. योग साधक संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| शक्तिशाली संत नाद धार बहा साधक को पवित्र करता है| सतत नाद धार बहा सोम रूप संत सोम पान करा हर्षाता है|

1679. संत साधक को अंतर प्रभु धारा से मार्ग दर्शन कर औजस्वी बनाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा देता है| जीवन संग्राम मे सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है|

1680. संत साधक को प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा प्रभु मिलन कराता है| साधक को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| साधना कराता है|

1681. सदा देहधर आने वाला संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| संत प्रभु धारा दे साधक का मार्ग दर्शन करता है| दीप्त संत सनातन प्रभु धारा देता है|

1682. संत सदा ही प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| देहधारी संत प्रभु धारा सेवन करा प्रभु वैभव देता है| अंतर सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

1683. सुधन संत प्रेरक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सुधन संत प्रभु धारा दे तृप्त करता है| नर नारायण रूप संत आकर्षक प्रभु धारा दे साधक को दीप्त बनाता है| सब प्रभु धारा दे वासना दूर भगाता है|

1684. यह संत सोम पान करा साधक को हर्षाता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| यह संत ही सतत प्रवाहित धारा दे साधक को समृद्ध कर स्तुति कराता है|

1685. संत आकर्षक प्रभु धारा अंतर दे सनातन धारा से स्तुति कराता है| प्रभु पुत्र शक्तिशाली

संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1686. देहधारी प्रभु पुत्र संत सनातन प्रभु धारा सेवन करा प्रभु मिलन कराता है| सुधन संत साधक को अंतर ला वासना मिटाता है|

1687. अंतर विराजमान संत साधक को अंतर ला ठहराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| संत साधना मे प्रभु धारा दे सेवन कराता है|

1688. ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| अद्भुत संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला स्तुति कराता है| प्रभु धारा जीवन संग्राम मे दे सोम पान करा साधना कराता है| संत सनातन प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1689. सिद्ध संत सोम पान करा साधक को अंतर लाता है| साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| संत प्रभु अन्न धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| सदा साधक को अंतर ठहराता है|

1690. सिद्ध संत प्रभु धार बहा साधक (अंश) को अंतर लाता है| आनन्ददायक संत सनातन प्रभु धारा दे तृप्त करता है| सदा देहधर आ संत पवित्र धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| सोम रूप संत ब्रह्मज्ञान धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1691. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला पोषण करता है| संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ब्रह्मज्ञानी बनाता है| साधक को अंतरश्रुत बनाता है|

1692. देहधारी संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु वायु समान धारा दे दीप्त रूप बनाता है| संत प्रभु धारा सेवन करा स्तुति कराता है| संत अद्भुत प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को साधना कराता है|

1693. सतत प्रवाहित प्रभु प्रकाश धारा अंतर साधक को दिव्य रूप बनाती है| देहधारी संत प्रभु धार बहा साधक को दिव्य रूप बनता है| प्रभु धारा दे साधक को वर्चस्वी बनाता है|

1694. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा साधक को अंतर ला ठहराती है| देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु रूप बनाने को साधक को प्रभु प्राप्त मार्ग पर चलाता है|

1695. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा साधक को शक्तिशाली बनाती है| तृप्ति दायक प्रभु धारा साधक को अंतर ठहराती है| प्रभु

संयुक्त संत प्रभु धारा अंतर प्रकट करता है|

1696. सुखदाता संत साधक (सुत) को ब्रह्मज्ञान धारा देता है| सोम पान करा अविनाशी रूप बनाता है| संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक को औजस्वी बनाता है| आनन्ददाता संत प्रभु धारा सेवन कराता है|

1697. दयालु संत साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे नियंत्रण करता है| अंतर विराजमान संत ही साधक (सुत) को नियंत्रण करता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा साधक को औजस्वी वनाता है|

1698. स्तुत्य संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| नाद धार बहा ब्रह्म-ज्ञान देता है| सुधन स्तुत्य संत नाद धार बहाता है| संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1699. पवित्र कर्ता सोम अंतर प्रवाहित होता है| सोम धारा अंतर आ साधक को शक्तिशाली बनाती है| सब नाद धारा प्राप्त कराती है|

1700. सोम धारा अंतर बहाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर प्रभु भक्ति कराता है|

1701. पवित्र कर्ता संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| दीप्त संत सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा सब वासना मिटाता है|

1702. समृद्ध संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| साधक (सजा-तिय) को विजयी बनाती है| सतत प्रवाहित प्रकाश धारा भक्ति कराती है|

1703. देहधारी संत प्रभु धार बहा अंतर प्रभु नाद धारा से भक्ति कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धार बहा साधना सफल कराता है| सतत प्रवाहित प्रकाश धारा सा-धक को तृप्त करती है|

1704. सतत प्रवाहित प्रकाश धारा नये नये आवरण सनातन प्रभु धारा से मिटाती है| प्रभु धारा से मन की वासना मिटाती है| प्रभु धारा कर्म मे प्रेरित करती है|

1705. संत अंतर प्रभु नाद धार बहाता है| तृप्त संत प्रभु धारा दे साधक को साहसी वनाता है| ज्योतिष्मान संत जल प्रवाहित धारा देता है|

1706. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है|

1707. शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा बहाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| ज्योतिष्मान संत सनातन प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1708. विश्वज्योति संत प्रभु धार बहा सोम पान कराता है| प्रभु धार बहा प्रभु (पति) मिलन कराता है| प्रभु धार बहा धर्म पालन कराता है|

1709. संत सदा साधक को प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धार बहा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1710. ज्योतिष्मान संत तृप्ति दायक प्रभु धारा अंतर देता है| मनोकामना सदा पुर्ण करता है| दीप्त संत एक (प्रभु) प्राप्त कराता है|

1711. ज्योतिष्मान संत सनातन ब्रह्मज्ञान धारा देता है| कल्याणकारी संत साधक (तनय) को अंतर लाता है| सर्वज्ञ संत ब्रह्मज्ञान धारा से समृद्ध करता है|

1712. औजस्वी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| साधक को अंतर प्रभु मिलन कराता है|

1713. सदा देहधर आ संत साधक को अंतर वासना नाशक प्रभु धारा दे पवित्र करता है| संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1714. वासना नाशक संत प्रभु धारा से साधक की रक्षा करता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा अंतर दे साधक को अंतर ठहराता है|

1715. यह संत साधक को वासना नाशक प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| नर नारायण रूप संत प्रभु धारा अंतर देता है|

1716. संत प्रभु धारा से वासना मिटा प्रभु नियम पालन कराता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक को पवित्र करता है| संत साधक की वासना मिटा साधना कराता है|

1717. तीन प्रभु धारा दे वचनाद सुना ऊपर ला ठहराता है| अंतरश्रुत संत नाद धारा बहाता है| आकर्षक संत नाद धारा बहाता है|

1718. सुखदाता संत आकर्षक प्रभु धारा से प्रभु मिलन कराता है| आनन्द दाता संत सदा प्रभु धार बहाता है| संत साधक को चेतन प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| सर्वज्ञ संत अंतर प्रभु धार बहाता है|

1719. वासना नाशक संत सनातन प्रभु धारा दे दोष मिटाता

है| अंतर सनातन धारा दे निष्पाप बनाता है| अंतर विराजमान संत आकर्षक प्रभु धारा रथ समान देता है| संत सतत प्रवाहित धारा दे दिव्य रूप बनाता है|

1720. अंतर विराजमान संत साधक को सतत प्रवाहित धारा से पालन करता है| रक्षक संत अंतर प्रभु धारा दे सेवन कराता है| प्रभु रूप संत अंतर सतत प्रवाहित धारा दे साधक को दिव्य रूप बनाता है|

1721. प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| तृप्त संत सतत् प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को सोम पान कराता है| अंतरश्रुत संत नाद धारा दे सोम पान कराता है|

1722. संत आनन्ददायक प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| वासना नाशक संत साधक (सुत) को सोम पान कराता है| साहसी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है|

1723. प्रभु पुत्र संत सतत प्रभु धार बहा साधक का नियंत्रण कर प्रभु प्राप्त कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे प्रभु धन देता है| संत आनन्द धारा देकर साधक को वच नाद सुनाता है|

1724. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा से वासना मिटाता है रक्षा करता है| सुधन संत मुझे सुख धारा बहा नियंत्रण करता है| सब प्रभु रूपों को साधक को प्राप्त करा अंतर ठहराता है| साधक को प्रभु वैभब देता है|

1725. यह संत साधक को प्रभु धारा से मार्ग दर्शन करता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धार बहाता है| साधक (दुहिता) को प्रभु धार बहाता है|

1726. सर्वव्यापक दयालु संत अद्भुत प्रभु धारा देता है| माता समान संत प्रभु नाद धारा से साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक (सखा) को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1727. माता समान संत साधक (सखा) को नाद रूप प्रभु धारा देता है| वासना नाशक संत साधक को नियंत्रण कर प्रभु वैभव देता है|

1728. देहधारी संत सनातन उषा रूप प्रभु धारा को देता है| तृप्ति दायक धारा को अंतर बहाता है| प्रभु कारिन्दा संत भक्ति कराने को प्रभु धारा देता है|

1729. यह (संत) वासना नाशक धारा दे प्रभु (सिन्धु) मिलन कराता है| माता (संत) सतत प्रवाहित

धारा दे प्रभु धन देता है| साधना सिद्ध संत प्रभु वैभव देता है|

1730. अंतरश्रुत संत साधक को वचनाद सुनाता है| वह प्रभु धारा दे भोजन दे दिव्य रूप बनाता है| यह संत प्रभु धारा को रथ समान प्राप्त कराता है|

1731. सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धारा अंतर देता है| साधक को इससे आनन्द दे भक्ति कराता है|

1732. उषा रूप प्रभु धारा को अंतर दे साधक का दिव्य रूप बनाता है| उषा धारा मार्ग दिखा वासना मिटाती है|

1733. प्रभु संयुक्त संत ही सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से ऊपर ला ठहराता है| अविनाशी संत सब प्रभु धारा अंतर देता है|

1734. प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा अंतर बहाता है| सतत प्रवाहित धारा दे स्वर्णिम रूप बनाता है| रक्षक संत प्रभु धारा दे साधक को ऊपर ला ठहराता है|

1735. संत साधना मे आनन्द देता है| वासना मिटा स्वर्णिम रूप बनाता है| अंतर विराजमान संत साधक को ऊपर ला सोम पिलाता है|

1736. सत्य रूप संत प्रभु धार बहा ज्ञान कराता है| प्रभु धार बहा अंतर स्वरूप प्रकट करता है| प्रभु कारिन्दा संत हमे सब प्रभु धारा देता है|

1737. यह ब्रह्मज्ञानी संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु वैभव देता है| दीप्त संत सदा ही प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला रक्षा करता है| साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा सेवन कराता है|

1738. ज्योतिष्मान संत ही सब को सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे दिव्य रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत अंतर प्रभु वैभव दे दया कर साधक को वर्चस्वी बनाता है| साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा सेवन कराता है|

1739. ज्योतिष्मान संत प्रभु वैभव धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| सदा देहधर आ रक्षक संत प्रभु धार बहा प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा सेवन कराता है|

1740. तुरंत प्रभु धार बहा संत वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| प्रभु रूप संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतरश्रुत बनाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

1741. यह स्वामी संत पवित्र करनेवाली प्रभु धार बहा साधक (दुहिता) को दे अंतर ला ठहराता है| साहसी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतरश्रुत बनाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

1742. संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा जीवन संग्राम मे दे साधक (दुहिता) को अंतर लाता है| साहसी संत प्रभु धार बहा साधक को अंतरश्रुत बनाता है| अविनाशी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे मार्ग दर्शन करता है|

1743. प्रभु रूप संत सुखदायक तृप्ति दायक प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| प्रभु कारिन्दा स्तुत्य संत प्रभु धार बहाता है| इससे दिव्य रूप बनाता है| सोम रूप संत मुझे प्रभु नाद धारा सुनाता है|

1744. मनुषवत संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त संत साधक को साधना कराता है| यामक संत साधक को नियंत्रण कर श्रेष्ठ रूप बनाता है|

1745. प्रभु कारिन्दा संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| अंतरश्रुत संत स्वर्णिम प्रभु धारा सेवन करा शक्तिशाली बनाता है| सोम रूप संत मुझे प्रभु नाद सुनाता है|

1746. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधना कराता है| सदा देहधर आ संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| देहधारी संत अंतर प्रभु धार बहा प्रभु (भानव) प्राप्त कराता है|

1747. प्रेरक संत प्रभु धारा अंतर दे प्रभु मिलन कराता है| ज्योतिष्मान संत अंतर ठहरा कर ब्रह्मज्ञानी बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धारा से वासना मिटा साधना सफल कराता है| संत सतत प्रवाहित धारा दे अन्धकार मिटाता है|

1748. यह संत नाद धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| ज्योतिष्मान संत नाद धारा दे साधक को पवित्र बनाता है| निपुण संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| साधक को अंतर ला प्रभु धारा सेवन कराता है|

1749. वासना नाशक संत सतत प्रभु धार बहा साधक (वत्स) की वासना मिटाता है| आकर्षक संत प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| प्रभु समान संत अंतर सोम धार बहाता है| वह प्रभु धारा दे वासना मिटाता है|

1750. अद्भुत संत प्रभु की श्रेष्ठ दीप्त धारा दे दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत सब प्रभु धारा देता है| प्रभु रूप संत प्रभु की सविता

धारा प्रकट करता है| संत साधना मे अंतर दीप्ति देता है|

1751. प्रभु समान संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| देहधारी संत प्रभु धारा से मंथन कर साधक को घर मे ठहराता है| रात दिन प्रभु धार बहाता है|

1752. ज्योतिष्मान संत वासना नाशक प्राणदायक प्रभु धारा अंतर बहाता है| यह संत वचनाद सुना प्राण संचार करता है| देहधारी संत प्रभु धारा को रथ समान प्राप्त कराता है| प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा सेवन करा धर्म पालन कराता है|

1753. देहधारी संत दीप्त प्रभु धारा दे साधक को अंतर ला ठहराता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक को अंतर ला स्तुति कराता है| साधक को अंतर ला सोम पिला रक्षा करता है| प्रभु धारा साधक को प्राप्त करा उसका कल्याण करता है|

1754. यह संत अंतर प्रभु धारा बहा दीप्त रूप बनाता है| अंतर प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| रक्षक संत साधना मे अंतर वासना नाशक प्रभु धारा देता है| प्रभु कारिन्दा संत प्रभु धारा सेवन करा साधक को समृद्ध करता है|

1755. प्रभु धारा से साधक को ऊपर ला वासना मिटा भक्ति कराता है| ज्योतिष्मान संत सनातन प्रभु धारा अंतर दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभु से प्रकट कर प्रभु धाराओं से वासना मिटाता है| माता (संत) प्रभु धारा दे नाद सुना ऊपर ला ठहराता है|

1756. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु संयुक्त संत अंतर नाद सुनाता है| सनातन वायु समान नाद धार अंतर सुना ऊपर ठहराता है| प्रभु धारा से वासना मिटा प्रभु से जोडता है|

1757. मार्ग दर्शक संत प्रभु धार अंतर बहा प्रभु मिलन कराता है| प्रभु की धारायें दे रक्षा करता है| दयालु संत प्रभु धार बहा भक्ति कराता है| सब वासना मिटा साधक को अंतर प्रभु मिलन कराता है|

1758. ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| वह हमे सोम धार बहा प्रभु भक्ति कराता है| वह प्रभु धार बहा रथ समान प्राप्त कराता है| संत सविता प्रभु धारा दे साधक को संसार से अलग करता है|

1759. प्रभु संयुक्त संत सतत प्रभु धार बहा रथ समान प्राप्त कराता है| प्रभु धारा दे अंतर ला सोम पान कराता है| हमे जीवन संग्राम मे प्रभु मिलन कराता है| साहसी संत प्रभु धारा दे भक्ति कराता है|

1760. तीन प्रभु रूपों वाला संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| सदा देहधारी संत प्रभु धार बहा भक्ति कराता है| तीन प्रभु रूपों वाला संत सब वैभव दे सौभाग्यशाली बनाता है| देहधर आ संत चार प्रभु रूप दिखलाता है|

1761. संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा अंतर दे आनन्द देता है| देहधारी संत अनेक प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

1762. सर्वज्ञ संत तृप्ति दायक प्रभु धारा देता है| सर्वज्ञ संत सब को प्रभु धारा दे पवित्र करता है| आकर्षक संत वासना मिटा साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1763. अविनाशी संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु नियम पालन कराता है| दीप्त संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1764. संत साधक को सब प्रभु धारा अंतर देता है| पवित्र कर्ता संत सोम धारा जीवन मे देता है|

1765. देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सुखदाता संत साधक (सुत) को औजस्वी बनाता है| प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1766. सिद्ध संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सिद्ध संत जल प्रवाहित नाद धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| ज्योतिष्मान संत नाद धारा बहाता है|

1767. सोम रूप संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है प्रभु बैभव देता है| प्रभु धार बहा साधक को प्रभु सम्वेत कराता है|

1768. यह संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत नाद धार बहा सब प्रभु रूप (नाम) दिखलाता है|

1769. संत साधक को प्रभु धारा से नियंत्रण कर अंतर लाता है| नाद धार से नियंत्रण कर अंतर ठहराता है|

1770. सदा देहधर आ संत प्रभु प्राप्त मार्ग दिखला प्रभु रूप बनाता है|

1771. रक्षक संत प्रभु धारा रथ समान दे साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा संत साधक को कुर्म रूप बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु प्राप्त कराता है|

1772. शक्तिशाली वासना नाशक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| पवित्र कर्ता संत सब प्रभु धार बहाता है| पोषक प्रभु धारा दे प्रभु महिमा गहाता है|

1773. यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सदा देहधर आ संत प्रभु धारा देता है| वासना नाशक संत साधक को स्वर्णिम रूप बनाता है|

1774. यह देहधारी संत आ सनातन प्रभु धारा देता है| वह सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सर्वज्ञ संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे साधक को सिद्ध बनाता है| प्रभु रूप संत प्रभु नाद धारा नाव समान साधक को प्राप्त कराता है| ज्योतिष्मान संत साधक की वासना मिटाता है|

1775. देहधारी संत साधक (द्विजन्मा) को तीन प्रभु धारा प्राप्त कराता है| सब प्रभु धारा दे वासना मिटा अंतर ठहराता है| प्रेरक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है|

1776. प्रेरक संत साधक (द्विजन्मा) को प्रभु धारा देता है| सब प्रभु रूप दिखला वर्चस्वी और अंतरश्रुत बनाता है| संत साधक को प्रभु धारा दे समर्पणशील बनाता है|

1777. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| स्तुत्य संत प्रभु धारा दे साधक का कल्याण करता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे दीप्त बनाता है|

1778. ज्योतिष्मान संत ही साधक को प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा दक्षता देता है| रथी संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1779. यह संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| साधक को अंतर ला स्वरूप दिखलाता है| ज्योतिष्मान संत सब प्राण दायक प्रभु धारा दे साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है|

1780. ज्योतिष्मान संत सतत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| अविनाशी संत अद्भुत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को समर्पणशील बनाता है| सदा देहधर आने वाला संत प्रभु धारा दे साधक को ऊपर ठहराता है|

1781. तृप्त (संत) ही प्रभु सन्देश देता है| तृप्ति दाता संत अग्नि रूप धारा रथ समान दे भक्ति कराता है| वासना नाशक संत सतत प्रभु धार बहा साधक को वर्चस्वी बनाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहाता है|

1782. देहधारी संत सदा वासना नाशक प्रभु धारा अंतर देता है| देहधर आ संत प्रभु धारा दे शक्तिशाली बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| अविनाशी प्रभु धारा दे वासना मिटा एक (प्रभु) प्राप्त कराता है|

1783. शक्तिशाली संत सुन्दर प्रभु धारा दे हर्षाता है| प्रभु धारा अंतर दे भक्ति कराता है| सत्य प्रभु रूप धारा दे प्रभु धन देता है| सतत प्रवाहित प्रभु धारा अंतर देता है|

1784. संत प्रभु धार बहा साधक को पालन करता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सिद्ध संत सतत प्रवाहित धारा दे साधना कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है|

1785. यह संत साधक को सोम पान कराता है| यह संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| प्रभु कारिन्दा संत साधक को अंतर दीप्त रूप बनाता है|

1786. ज्योतिष्मान संत सोम पान करा प्रभु धारा का स्वामी बनाता है| बादल की गर्ज नाद सुना साधक को पवित्र करता है| सदा प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहरा रक्षा करता है|

1787. सदा देहधर आ संत प्रभु धारा सेवन कराता है| संत साधक (सुत) को नाद धार बहाता है| प्रेरक संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1788. प्रभु रूप संत साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| महान संत सब प्रभु धारा दे प्रभु महिमा देता है| योग साधक संत साधक को प्रभु धार बहाता है|

1789. अंतरश्रुत संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु (सुर्य) मिलन कराता है| संत प्रभु धार बहाता है| महान संत प्रभु धारा दे प्रत्यक्ष प्रभु (सुर्य) प्राप्त कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे स्वरूप दिखलाता है|

1790. आकर्षक संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर ला ठहराता है| साधक को अंतर ला आकर्षक रूप बनाता है|

1791. सिद्ध संत द्विज को प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर आकर्षक प्रभु धारा देता है|

1792. रक्षक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| साधक को अंतर आकर्षक प्रभु धारा देता है|

1793. महान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे तृप्त करता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अविनाशी संत प्रभु धार बहा साधक का पालन करता है|

1794. अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा वासना मिटा प्रभु रूप बनाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को

ब्रह्मज्ञानी बनाता है| धैर्यशाली संत प्रभु धार बहा प्रभु नियम पालन कराता है|

1795. देहधारी संत आनन्द धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| आकर्षक संत प्रभु धार बहा अंतरश्रुत बनाता है| साधक (सखा) को सोम पान कराता है|

1796. संत प्रभु धार बहा साधक को दिव्य रूप बनाता है| स्तुत्य संत प्रभु धार बहा वासना मिटा रक्षा करता है| सोम पान करा समृद्ध करता है|

1797. प्रभु धार बहा अंतर ला शिक्षा देता है| सुधन संत प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है| देहधारी संत प्राण प्रद प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| अंतर विराजमान संत पोषक प्रभु धारा देता है|

1798. अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को सेवन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत साधक को साधना कराता है| सिद्ध संत साधना करा प्रभु (सच) प्राप्त कराता है|

1799. देहधारी संत अंतर जल प्रवाहित प्रभु नाद धारा सुना वासना मिटाता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु भक्ति कराता है| अविनाशी संत सब प्रभु रूप (नाम) दिखा यशस्वी बनाता है|

1800. सदा देहधर आ संत ही साधक को भक्ति कराता है| साधक को सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| दीप्त संत साधक को प्रभु वैभव देता है|

1801. देहधारी संत सनातन वासना नाशक प्रभु धारा दे प्रभु रूप बनाता है| जीवन संग्राम में प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| ब्रह्मज्ञानी संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1802. संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| वासना मिटाता है| संत प्रभु धारा दे वासना मिटा साधक का पालन करता है| संत प्रभु धारा बहा साधक को अंतर लाता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1803. दीप्त संत प्रभु धारा दे वासना मिटा साधना कराता है| अंतर विराजमान संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है| अंतर प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1804. सुधन संत साधक को प्रभु बैभव देता है| स्तुत्य संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| आकर्षक संत साधक को अंतर नाद धार बहाता है|

1805. सुधन संत साधक (सुत) को प्रभु अन्न धारा देता है| सोम पान करा अंतर ठहराता है| निडर संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1806. संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है| शक्तिशाली बनाता है| ब्रह्मज्ञानी संत पवित्र करनेवाली प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है|

1807. यह प्रभु संयुक्त संत साधक को अंतर ला प्रभु मिलन करा अंतर ठहराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1808. साधना मे प्रभु धारा से वासना मिटा साधक को प्रभु (धुरी) मिलन कराता है| प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| अंतर प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु धारा अंतर दे प्रभु बैभव देता है|

1809. अंतरश्रुत संत साधक को प्रभु धारा साधना मे देता है| सोम रूप संत बादल की गर्ज नाद सुनाता है| अंतर प्रभु धारा से नियंत्रण करता है| प्रभु धारा अंतर दे प्रभु बैभव देता है|

1810. पवित्र कर्ता संत साधक को सोम पान करा हर्षाता है| देहधारी संत सोम पान करा साधक को प्रभु रूप बनाता है|

1811. संत साधक (सुत) को प्रभु धारा दे हर्षाता है| शक्तिशाली संत वायु समान नाद प्रभु धारा बहाता है|

1812. संत सदा प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु धारा रथ समान प्राप्त करा भक्ति कराता है|

1813. ब्रह्मज्ञानी संत प्रेरक अग्नि समान प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| महान संत ज्ञानमयी प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| यह संत दया कर प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| पवित्र संत प्रभु धार बहा वासना मिटा साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1814. साधना सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| ब्रह्मज्ञानी संत ज्ञान धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है दीप्त रूप बनाता है| सदा देहधर आ संत अंतर प्रेरक प्रभु धारा सब को देता है| यामक संत पवित्र प्रभु धारा साधक को दे उसे दीप्त विजयी रूप बनाता है|

1815. वही सतत प्रभु धार बहा दीप्त ओजस्वी बनाता है| वासना मिटा अंतर वासना नाशक (परशुराम) रूप बनाता है| महान संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| निष्पाप संत प्रभु धारा दे साधक को मार्ग दर्शन कर अंतर लाता है|

1816. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतरश्रुत बनाता है| अविनाशी संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बना साधना कराता है| साहसी संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु (भानु) प्राप्त कराता है| सर्वज्ञ संत साधक को नियंत्रण करता है|

1817. पवित्र कर्ता संत वचनाद सुना साधक को वर्चस्वी बनाता है| अंतरश्रुत संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर लाता है| प्रभु पुत्र संत पोषक प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| नर नारायण रूप संत साधक को जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है|

1818. देहधर आ संत प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| श्रेष्ठ संत आनन्दधारा दे साधना कराता है| सेवनीय संत प्रभु धारा दे साधक को सुन्दर रूप बनाता है| अद्भुत संत अंतर प्रभु धारा बहाता है|

1819. ज्योतिष्मान संत सदा प्रभु धार बहाता है| साधक को प्रभु धन दे अविनाशी रूप बनाता है| वासना मिटा सुन्दर रूप बनाता है| जीवन संग्राम मे साधना कराता है|

1820. सिद्ध संत चेतन प्रभु धारा दे साधक को साधना कराता है| दीप्त संत सतत प्रवाहित धारा देता है| प्रभु बैभव दे समर्पणशील बनाता है| प्रभु धारा सेवन करा साधना करा समृद्ध करता है|

1821. संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधना कराता है| सनातन प्रभु धारा दे ब्रह्मज्ञानी बनाता है| अंतरश्रुत संत सदा नाद धार बहाता है| साधक को प्रभु धारा देता है|

1822. देहधारी ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु रूप बनाता है| शक्तिशाली संत प्रभु धार बहा साधक को भवसागर पार कराता है| यह संत साधक (सखा) को प्रभु धारा देता है|

1823. नर नारायण रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला प्रभु रूप बनाता है| योग साधक संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा देता है| सतत प्रवाहित वासना नाशक प्रभु धारा दे तृप्त करता है| देहधर आ संत प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है|

1824. प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला दीप्त रूप बनाता है| सर्वव्यापक संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक का पालन करता है| प्रभु धारा अंतर दे ठहराता है| सदा देहधर आ संत वासना मिटाता है|

1825. ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर ला रक्षा कर प्रभु रूप बनाता है| शक्तिशाली संत साधक को दीप्त रूप बनाता है| शक्तिशाली संत साधक को विजयी बनाता है|

1826. चेतन संत प्रभु धारा दे कामना पुर्ण कर साधक को चेतन रूप बनाता है| साधक को प्रभु धार बहाता है| चेतन संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| नर नारायण रूप संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1827. ज्योतिष्मान जाग्रत संत कामना पुरी कर साधक को प्रभु रूप बनाता है| ज्योतिष्मान संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| चेतन संत प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| नर नारायण रूप संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1828. तृप्त संत साधक (सखा) को सनातन प्रभु धारा दे अंतर ठहराता है| तृप्त संत प्रभु भक्ति कराता है| प्रभु संयुक्त संत वचनाद सुना वासना मिटाता है|

1829. प्रभु संयुक्त संत वचनाद सुना वासना मिटाता है| अंतरश्रुत संत अनेक प्रभु धार बहाता है| प्रभु धार बहा सब प्रभु धारा देता है|

1830. नाद धार बहा भक्ति कराता है| सब प्रभु धार बहा तृप्त करता है| संत प्रभु धार बहा अंतर ला ठहराता है|

1831. ज्योतिष्मान संत अंतर स्वरूप दिखलाता है| देहधारी संत वासना मिटाता है| संत स्वरूप दिखलाता है| देहधारी संत प्रभु प्राप्त कराता है| प्रभु रूप संत स्वरूप दिखलाता है| देहधारी संत प्रभु प्राप्त कराता है|

1832. पवित्र कर्ता संत प्रभु धार बहाता है| पवित्र कर्ता संत वासना नाशक प्रभु धारा दे वासना मिटा तृप्त करता है| संत पाप मिटाता है|

1833. साहसी संत प्रभु धारा दे प्रभु बैभव देता है| ज्योतिष्मान संत सोम पान कराता है| सब प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है|

1834. संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| यामक संत प्रभु वैभव दे प्रभु (एक) प्राप्त कराता है| स्तुत्य संत साधक को अंतर ला ठहराता है|

1835. पवित्र कर्ता संत साधक को अंतर ला शिक्षा देता है| प्रभु धारा से साधक को अंतर ला ठहराता है|

1836. देहधर आ संत साधक को मार्ग दर्शन कर अंतर ला प्रभु मिलन कराता है| नाद धार बहा साधक को सोम पान कराता है|

1837. सर्वव्यापक धारा ही साधक को आनन्द देती है| प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| सर्वज्ञ संत नाद धार अंतर बहाता है|

1838. संत साधक को कल्याण-कारी प्रभु धारा अंतर देता है| प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| दीप्त संत साधक को पोषक प्रभु धारा देता है|

1839. संत प्रभु धारा दे साधक को दीप्त रूप बनाता है| संत प्रभु धार बहा साधक को अवि-नाशी जीवन देता है| सर्वव्यापक संत साधक को प्रभु धारा देता है|

1840. संत देहधर आ प्रभु धार बहा वासना मिटाता है| साधक को हर्षाता है| साधक को भवसा-गर पार कराता है|

1841. देहधर आ संत पोषक प्रभु धारा देता है| सखा (साधक) को दीप्त रूप बनाता है| साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1842. संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर लाता है| सोम पान कराता है| प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1843. देहधारी संत प्रभु धार बहा सब प्रभु रूप दिखलाता है| स्वर्णिम प्रभु धारा दे पवित्र बना प्रजापति बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहरा प्रभु मिलन कराता है| अंतर विराजमान संत वासना मिटाता है|

1844. सुधन संत साधक को अंतर ला ठहराता है| सब प्रभु धारा दे दीप्त रूप बनाता है| प्रभु धारा अंतर दे प्रभु महिमा दिख-लाता है| सुखदाता संत प्रभु धार बहा प्रभु बैभव देता है|

1845. संत अनेक प्रभु धारा दे अंतर बसाता है| प्रभु धारा दे प्रभु मिलन कराता है| अनन्त प्रभु धा-रा दे वासना मिटाता है| साधक को अंतर ला ठहराता है|

1846. अंतरश्रुत संत साधक को अंतर ला साधना कराता है| सर्वज्ञ संत प्रभु धार बहाता है| स्वर्णिम रूप संत नाद धार बहा प्रभु सन्देश देता है| साधक को नियंत्रण कर अंतर ला तृप्त करता है|

1847. अंतर विराजमान संत अंतर नाद धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| अद्भुत संत प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| अंतर विराजमान संत दीप्त प्रभु धारा दे अंतर लाता है| तृप्ति दा-यक धारा दे सब प्रभु रूप (नाम) दिखलाता है|

1848. देहधारी संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर साधक को प्रभु सम्वेत कराता है| सदा देहधर आ संत धर्म पालन कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को पवित्र करता है| तीसरे नेत्र मे प्रभु

धारा दे तृप्त कर साधक को दीप्त रूप बनाता है|

1849. शक्तिशाली सदा आने वाला संत प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| देहधारी संत सब को प्रभु धारा देता है| अंतरश्रुत संत तत्काल प्रभु धारा बहा एक (प्रभु) प्राप्त कराता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे संत विजयी बनाता है|

1850. सदा प्रभु धार बहा संत विजयी बनाता है| प्रभु धार बहा साधक को नियंत्रण करता है| प्रभु धार बहा शक्तिशाली बना विजयी बनाता है| सदा देहधर आ संत सुखधार बहा सेवन कराता है|

1851. प्रभु रूप संत अंतर प्रभु धारा सेवन कराता है| दीप्त संत सब प्रभु धार बहा साधक को नाद धार बहाता है| सोम रूप संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है| देहधर आ संत प्रभु धारा अंतर देता है|

1852. श्रेष्ठ संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे प्रभु भक्ति कराता है| शक्तिशाली संत ही प्रभु धारा देता है| शक्तिशाली संत प्रभु वैभवशाली प्रभु धारा बहाता है| सिद्ध संत प्रभु धार बहा वासना मिटाता है|

1853. अंतर विराजमान संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहराता है| साहसी तृप्त संत प्रभु धारा दे साहसी बनाता है| देहधर आ संत प्रभु धारा दे औजस्वी बनाता है| संत प्रभु धारा रथ समान दे अंतर ला ठहराता है|

1854. अंतरश्रुत संत वासना नाशक प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण कर विजयी बनाता है| वासना मिटा औजस्वी बनाता है| देहधर आ संत प्रभु धार बहा साधना कराता है| मित्र संत प्रभु धारा दे समृद्ध करता है|

1855. अंतरश्रुत संत प्रभु धार बहा अंतर ठहराता है| संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सदा देहधर आ संत जीवन संग्राम मे प्रभु धारा देता है| प्रभु धारा से रक्षा कर अंतर ठहराता है|

1856. संत साधक को नाद धार बहा प्रभु (सच) मिलन कराता है| प्रभु धार बहा साधना कराता है| शक्तिशाली संत वासना नाशक प्रभु धारा देता है|

1857. सुखदाता संत प्रभु धार बहा साधक को प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धार बहा शक्तिशाली बनाता है| महान संत ब्रह्मज्ञान धारा दे प्रभु धार बहाता है| शंख-नाद सुना साधक को अंतर ठहरा विजयी बनाता है|

1858. सुधन संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ला ठहराता है|

प्रभु धार बहा साधक को ब्रह्म-ज्ञानी बनाता है| प्रभु धार बहा वासना मिटा तृप्त करता है| प्रभु धारा रथ समान बहा वासना मिटा विजयी बनाता है|

1859. संत साधक को प्रभु धारा दे अंतर लाता है| प्रभु अन्न धारा दे तृप्त करता है| श्रेष्ठ संत सतत प्रवाहित धारा देता है| संत प्रभु धारा से अंतर ला रक्षा करता है|

1860. दीप्त संत प्रभु धार बहाता है| प्रभु धारा दे साधक को औजस्वी बनाता है| सिद्ध संत साधक को प्रभु धारा दे प्रभु नियम पालन कराता है| प्रभु रूप संत प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1861. प्रभु धारा अंतर दे तृप्त कर साधक को नियंत्रण करता है| अंतर प्रभु धारा दे श्रेष्ठ रूप बनाता है| देहधारी संत प्रभु धारा दे वासना मिटाता है| सिद्ध संत प्रभु धारा दे तृप्त करता है|

1862. संत प्रभु धारा दे साधक का मार्ग दर्शन कर विजयी बनाता है| अंतर ठहराता है| सदा देहधर आ संत सतत प्रवाहित धारा देता है| प्रभु रूप संत वासना मिटा प्रभु रूप बनाता है|

1863. रक्षक संत देहधर आ साधक को नियंत्रण कर प्रभु मिलन कराता है| देहधारी संत प्रभु धार बहा सेवन कराता है| वासना मिटाता है|

1864. प्रभु युक्त प्रजापति संत प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण कर अंतर ला ठहराता है| प्रभु धारा से पाप मिटाता है| संत प्रभु धारा दे साधक को अविनाशी जीवन देता है|

1865. ज्योतिष्मान संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सोम पान कराता है| ज्योतिष्मान संत बार बार प्रभु धार बहा जीवन संग्राम मे प्रभु प्राप्त कराता है| देहधारी संत सतत प्रवाहित प्रभु धारा दे सुख और शांति देता हैं| ज्योतिष्मान संत साधक को प्रभु धारा सेवन कराता है|

1866. रक्षक संत प्रभु धारा दे साधक को आच्छादित करता है| साधक को अंतर ला ठहराता है| अविनाशी संत साधक (तनय) को विजयी बनाता है| कवच रूप संत प्रभु धारा से प्रभु महिमा गहाता हैं|

1867. प्रभु धार बहा अंतर ला शिक्षा देता है| सुधन संत प्रभु धार बहा चेतन रूप बनाता है| देहधारी संत प्राण प्रद प्रभु धारा दे प्रभु वैभव देता है| अंतर विराजमान संत पोषक प्रभु धारा देता है|

1868. संत वासना मिटाता है| पापी को भी अंतर ला ठहराता हैं|

अंतरश्रुत संत प्रभु धारा से नियंत्रण कर अंतर लाता है|

1869. संत प्रभु धार बहा साधक को अंतर ठहरा प्रभु रूप बनाता है| प्रभु धारा दे साधक को अंतर ठहराता है| संत सदा प्रभु धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है| प्रभु धार बहा साधक को साहसी बनाता है|

1870. कवच रूप संत सोम धार बहा साधक को प्रभु मिलन कराता है| ज्योतिष्मान संत साधक को अंतर प्रभु रूप बनाता है| महान संत बादल की गर्ज नाद सुना विजयी बनाता है| संत आनन्द देता है|

1871. तृप्त संत पापी को प्रभु धारा दे अंतर ला दिव्य रूप बनाता है| वासना नाशक प्रभु धारा दे सेवन कराता है| संत प्रभु धारा दे साधक को वरणीय रूप बनाता है|

1872. यह संत अंतर प्रभु धारा दे साधक को नियंत्रण करता है| वासना मिटाता है| संत साधक को सब प्रभु धारा देता है| संत साधक को प्रभु धारा से आच्छादित कर अंतर ला ठहराता है|

1873. प्रभु सन्देश वाहक संत अन्न धारा सेवन करा साधक को प्रभु रूप बनाता है| सिद्ध संत साधक को अंतर ला प्रभु प्राप्त कराता है| वासना नाशक संत प्रभु धारा दे रक्षा करता है| प्रभु रूप संत सोम पान करा साधक को अंतर ठहराता है|

1874. अंतरश्रुत संत प्रभु की नाद धारा दे प्रभु मिलन कराता है| प्रभु की सतत प्रवाहित धारा दे प्रभु सम्वेत कराता है| प्रभु अंग संत सदा ही प्रभु धार बहा सुन्दर रूप बनाता है| प्रभु धार बहा प्रभु (देव) प्राप्त कराता है|

1875. संत मेरे कल्याण के लिये प्रभु नाद धारा बहाता है| ब्रह्मज्ञानी संत पोषक धार बहा कल्याण करता है| सतत प्रवाहित धारा दे वासना मिटाता है| प्रभु धारा से ब्रह्मज्ञानी बनाता है|